खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12+8 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-6 | अंक-301

Shubh Diwali

DEEVYASHAKTI

AMARA

EXCEPTIONAL LIVING HAS ARRIVED IN RAJENDRA NAGAR

COME, EXPERIENCE IT!

2.5 BHK	1534 to 1588 Sq. ft	3 BHK	1703 to 2235 Sq. ft

Amara is a haven blessed with soulful elegance, luxury, and tranquility, meticulously planned and thoughtfully designed. Spread across 5 sprawling acres, with expansive spaces that refresh your mind and soul. Amara is exceptional, with state-of-the-art amenities that make life holistic and fulfilling.

PROJECT HIGHLIGHTS

- Located in the rising neighbourhood of Gaganpahad, **Rajendra Nagar**
- **426** Thoughtfully designed **2.5 & 3** residences
- **3** Majestic towers rising **G + 9** Floors
- **24,000** sft Clubhouse
- **70%** Open spaces
- **100%** Vaastu oriented design
- **Neoclassical** architecture
- International-style **car-free podiums**

DEEVYASHAKTI REALTY

8341 066 909 / 7868 909 909

sales@deevyashaktirealty.com

Survey no. 252, Gaganpahad, Hyderabad, Telangana 501323.

SCAN FOR OUR WEBSITE

रामलला के मंदिर में सीएम योगी ने जलाए श्रद्धा के दीप

अयोध्या, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। 22 जनवरी 2024 को रामलला 500 वर्ष बाद अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान हुए। इसके बाद 30 अक्टूबर को पहला दीपोत्सव हुआ, जब लला स्वयं के महलों में विराजमान होकर अपनी नगरी को अपलक निहारते रहे। अयोध्या का सौंदर्य देख रामलला खुद भी भाव-विह्वल हो उठे। योगी सरकार के आठवें दीपोत्सव में राममंदिर की अनुपम छटा हर किसी को आह्लादित कर रही थी।

रामलला की मौजूदगी में बुधवार को पहला दीपोत्सव मनाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार शाम श्रीराम मंदिर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का दर्शन किया, फिर उनके चरणों में श्रद्धा निवेदित की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने प्रभु के समक्ष दीप प्रज्वलित किए। बाहर भी मुख्यमंत्री ने पांच-पांच दीप जलाए। वहीं मंदिर प्रांगण में हजारों दीप प्रज्वलित किए गए। श्रीराम मंदिर में दीप प्रज्वलन के दौरान केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव संजय प्रसाद, श्रीराम तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्र, गोपाल जी, विनोद जी आदि भी रहे।

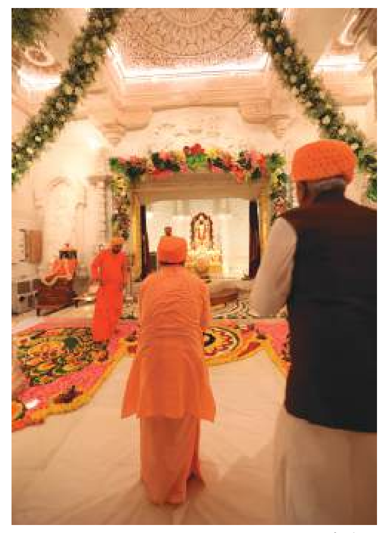

शिव मंदिर की ओट लेकर कर रहे थे फायरिंग

लेकिन शिवलिंग को नुकसान नहीं पहुंचा पाए आतंकी

अखनूर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में 28 अक्टूबर को भारतीय सेना की एंबुलेंस पर आतंकियों ने हमला किया था। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। करीब 27 घंटे तक मुठभेड़ चली थी। इस दौरान वह शिव मंदिर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया जिसमें छिपकर आतंकी गोलीबारी कर रहे थे। लेकिन वे मंदिर के शिवलिंग को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। ढेर किए गए आतंकियों के पास से मिले हथियारों और सामानों से पता चलता है कि वे लंबी जंग की तैयारी करके आए थे।

मुठभेड़ पाकिस्तान की सीमा से लगे केरी बट्टल इलाके में हुई। इस इलाके में शिव आसन मंदिर है जो साल 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने बनाया था। इस मंदिर को सैनिकों का प्रेरणा स्रोत भी माना जाता है। यहां जवानों द्वारा अक्सर पूजा-पाठ और भंडारे का आयोजन किया जाता है। 28 अक्टूबर को एम्बुलेंस पर फायरिंग के बाद आतंकी इसी मंदिर में घुस गए थे। सुरक्षा बलों ने मंदिर को चारों तरफ से घेर कर ऑपरेशन चलाया था। गोलीबारी में मंदिर के ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है। लेकिन इतनी गोलीबारी के बावजूद मंदिर का शिवलिंग जस का तस है। इसके ऊपर लगी जल की गगरी भी ज्यों की त्यों है। अब मंदिर कमेटी और सेना मिल कर इस मंदिर का फिर से जीर्णोद्धार करवाएगी। मंदिर में होने वाले सभी कार्यक्रम भी पहले की तरह जारी रहेंगे। ग्रामीणों ने इसे मंदिर की महिमा और भगवान शिव की कृपा ही बताया है कि इतनी लंबी मुठभेड़ के बावजूद सभी जवान सुरक्षित रहे।आतंकी लंबी जंग की तैयारी कर के आए थे। उनके पास एम4 कार्बाइन, एके-47 राइफल, 9एमएम पिस्तौल और अन्य घातक और अत्याधुनिक हथियार थे। खाने-पीने के सामान भी बरामद हुए हैं। इनमें कैंडी, किशमिश, काजू, खजूर, चने के पैकेट और शहद की बोतलें शामिल हैं। बरामद किए गए अन्य हथियारों में 1 पिस्टल, एम4 की 3 मैगजीनें, एके 47 की 4 मैगजीन, 9एमएम पिस्टल की 20 गोलियां, 7.62एमएम की 77 गोलियां, 5.6एमएम की 129 गोलियां, 1 हैंड ग्रेनेड, 1 साइलेंसर और 3 चाकू शामिल हैं।

आतंकियों के पास से बरामद हुए अन्य सामानों में 1 डिजिटल घड़ी, लाल रंग की 1 नोटबुक, 1 दूरबीन, 1 पावर बैंक, 1 सोलर पैनल, कपड़े, जूते, मोज़े और कंबल शामिल हैं।

सात वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के दोषी को फांसी की सजा

विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट ने सुनाया फैसला

आगरा, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनिका चौधरी ने एत्माद्पुर थाना क्षेत्र के नागला केसरी निवासी राजवीर को दोषी पाते हुए फांसी की सजा सुना दी। इसके साथ ही 1.25 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।

थाना एत्मादपुर में दर्ज मुकदमे के अनुसार 31 दिसंबर को बालिका घर से खेलने के लिए निकली थी। ट्यूशन पढ़ने के समय तक जब वापस घर नहीं पहुंची, तो परिजनों ने तलाश की। शाम 5:00 बजे बालिका खाली पड़े प्लॉट में मृत पाई गई। बालिका के सिर में चोटें और बाएं हाथ की उंगली भी कटी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी चौकीदार राजवीर को हिरासत में लिया था।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी राजवीर ने बताया कि बच्ची अक्सर खेलने आती थी। तब वो उसे बहलाकर गलत हरकत करता था। 31 दिसंबर 2023 वह दोपहर एक बजे एक अन्य बालक के साथ आई थी। कुछ देर बाद बालक चला गया। इस पर उसने बच्ची को बहाने से अपने पास बुला लिया। छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने, घर पर बताने के कहने पर उसे पानी में डुबो दिया। कुछ देर बाद उसे निकाला तो बेहोश हो चुकी थी। उसे लगा कि वह बच जाएगी, जिसके बाद सिर पर ईंट से प्रहार किया। इसके बाद दोबारा पानी में डुबोया और फिर उसे अपने कमरे में ले गया, जहां दरिंदगी की। बाद में उसे बाहर लाकर प्लॉट में फेंक दिया था।

वनटांगियों के साथ दीपावली मनाएंगे सीएम योगी

तिकोनिया के वन क्षेत्र में छाया है उत्सवी उल्लास

लखीमपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपपर्व पर अपने तारणहार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगवानी को वनटांगिया समुदाय के लोग बेकरार हैं। सीएम योगी के स्वागत को लेकर कुसम्ही जंगल के बीच बसे जंगल तिकोनिया नंबर तीन गांव में उत्सवी उल्लास छाया हुआ है। योगी गुरुवार को यहां वनवासियों के साथ दीपावली मनाएंगे। साथ ही जिले की 74 ग्राम पंचायतों को 185 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का दीपावली उपहार भी देंगे।

करीब सौ साल तक उपेक्षा का दंश झेलने को अभिशप्त रहे वनटांगिया गांव जंगल तिकोनिया नंबर तीन को अब अति विशिष्ट गांव के रूप में जाना जाता है। इसकी वजह है 2017 से ही मुख्यमंत्री योगी द्वारा इस गांव में दीपोत्सव मनाना। योगी यहां वर्ष 2009 से ही बतौर सांसद यहां दीपावली मनाते रहे हैं और मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने खुद द्वारा शुरू की गई परंपरा में रुकावट नहीं आने दी है। बतौर मुख्यमंत्री वह गुरुवार को लगातार आठवीं बार वनटांगियों के साथ दीपावली की खुशियां बांटेंगे। उल्लेखनीय है योगी के कदम पड़ने के साथ ही वनटांगियों की बदहाली खुशहाली में बदलती चली गई। बतौर सांसद उन्होंने लोकसभा में वनटांगिया अधिकारों के लिए लड़कर 2010 में अपने स्थान पर बने रहने का अधिकार पत्र दिलाया। 2017 में मुख्यमंत्री बने तो वनटांगिया गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा देकर उन्हें शासन प्रदत्त सभी सुविधाओं का हकदार बना दिया। उन्होंने वनटांगिया गांवों को आवास, सड़क, बिजली, पानी, स्कूल, जैसे संसाधनों के साथ ही यहां रहने वालों को जनहित की सभी योजनाओं से आच्छादित कर दिया है। वनटांगिया गांव में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन ने बुधवार तक सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं तो गांव के लोग भी उमंग-तरंग के साथ स्वागत को तैयार हैं।

गुरुवार को जंगल तिकोनिया नंबर तीन में वनटांगिया दीपोत्सव मनाने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले की 74 ग्राम पंचायतों को 185 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का दीपावली गिफ्ट भी देंगे। सीएम यहां सीएम योगी उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) द्वारा 150.35 करोड़ रुपए की लागत से जंगल तिकोनिया नंबर तीन समेत 42 गांवों में उपलब्ध कराई गई पेयजल परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा वह 32 ग्राम पंचायतों में परफॉर्मेंस ग्रांट से 34.66 करोड़ रुपए की लागत से कराए गए विकास कार्यों का भी लोकार्पण करेंगे।

गुरेज के विधायक की रैली पर हमला, दर्जन से ज्यादा जख्मी

जम्मू, 30 अक्टूबर (ब्यूरो)। एलओसी से सटे गुरेज इलाके में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के विधायक गुरेज नजीर की रैली पर हुए हमले में दर्जन से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। तीन गंभीर रूप से घायलों को श्रीनगर भेजा गया है। कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। नेकां विधायक का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने यह हमला किया था तो भाजपा के नेताओं का कहना था कि नेकां कार्यकर्ताओं ने उनके लोगों को उकसाया था। अधिकारियों ने बताया कि कल देर रात उत्तरी कश्मीर के बांडीपोरा जिले के तुलैल के गुजरान इलाके में विधायक गुरेज नजीर अहमद खान की रैली पर भीड़ ने हमला कर दिया, जिसमें कम से कम एक दर्जन लोग घायल हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने गुजरान में रैली पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप एक दर्जन लोग घायल हो गए, जबकि कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से तीन को श्रीनगर के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

अधिकारी ने कहा कि कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। झड़प शुरू होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए धुएं के गोले दागे और स्थिति को नियंत्रण में किया।

बांडीपोरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरमीत सिंह मेहता ने पत्रकारों को बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू हो गई है। वे कहते थे कि मामला दर्ज कर लिया गया है। हमने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि एसएसपी बांडीपोरा कहते थे कि मामूली चोटें आई हैं और प्रभावित लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। जबकि विधायक का कहना था कि इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं और वाहनों को नुकसान पहुंचा है। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को आगे के इलाज के लिए श्रीनगर ले जाया गया है। नजीर गुरेजी ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम हाल के चुनाव में लोगों के समर्थन के लिए धन्यवाद देने के लिए नियमित दौरे पर थे। दुर्भाग्य से, मेरे प्रतिद्वंद्वी के समर्थकों ने मुझे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैं आग्रह करता हूं कि जिम्मेदार लोगों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। पुलिस ने तुलैल में एक एफआईआर (संख्या 7/24) दर्ज की है और घटना में शामिल लोगों की पहचान की जांच कर रही है, जिससे जल्द ही घटना का खुलासा होने की उम्मीद है।

लश्कर का आतंकी हथियार और विस्फोटकों के साथ पकड़ा गया

जम्मू, 30 अक्टूबर (ब्यूरो)। कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने आतंकी संगठन लश्करे तैयबा के एक सदस्य को हथियारों समेत पकड़ा है। बारामुला में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पकड़े गए आतंकी के पास से एक भरी हुई पिस्तौल, एक मैगजीन, छह गोलियां और दो चीनी हथगोले बरामद किए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान फील्ड गैदरिंग टीम कुपवाड़ा द्वारा विशिष्ट खुफिया जानकारी प्राप्त करने के बाद शुरू किया गया था, जिसमें बारामुला जिले के बिजहामा बोनियार से संभावित आतंकवादी गतिविधि का संकेत दिया गया था। जिला कमांडर कुपवाड़ा द्वारा पुष्टि की गई इस सूचना के बाद 15 राष्ट्रीय राइफल्स और सीमा सुरक्षा बल द्वारा विलगाम क्षेत्र में छामपुरा के पास एक मल्टी-व्हीकल चेक पोस्ट स्थापित किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि 29 अक्टूबर को रात करीब 10.30 बजे एक काले रंग की होंडा लिवो मोटरसाइकिल को रोका गया। सवार की पहचान बिजहामा बोनियार निवासी शाहिद सलीम लोन (27) के रूप में हुई, जिसने पूछताछ की गई और तलाशी ली गई, जिसके बाद छिपे हुए हथियार और विस्फोटक बरामद हुए। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि वह इस खेप को सोपोर ले जाने का इरादा रखता था। वह फिलहाल आगे की जांच के लिए हिरासत में है, अधिकारी उसके जुड़ाव और जब्त की गई वस्तुओं के स्रोत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

दूसरी ओर संयुक्त सुरक्षा बलों ने बूटापथरी सेक्टर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद बारामुला जिले के कई इलाकों में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया है, जिसमें टंगमर्ग के फिरोजपुरा, पट्टन और ड्रंग जैसे हिस्से शामिल हैं। एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि इन अभियानों का उद्देश्य बूटापथरी घटना में शामिल आतंकवादियों का पता लगाना और बारामुला जिले में सुरक्षा को मजबूत करना है।

देश में नागरिक पंजीकरण सिस्टम लागू

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए करें घर बैठे आवेदन

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च की है। इसकी मदद से कोई भी व्यक्ति घर बैठे जन्म से लेकर मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। आवेदन को बाद आवेदक को सर्टिफिकेट भी ऑनलाइन मिल जाएगा। अब लोगों को इन प्रमाणपत्र के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। लोगों के समय की भी बचत होगी।

किसी भी सर्टिफिकेट को लेने के लिए सबसे यूजर को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके लिए आधिकारिक वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। यूजर को इस पर अपना नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, जन्म या मृत्यु का समय और पता संबंधी जानकारी देनी होगी। खास बात यह है कि जन्म के समय माता-पिता की तरफ से एक घोषणापत्र भी देना होगा। अगर किसी बच्चे का जन्म अस्पताल में होता है तो जानकारी देने की जिम्मेदारी अस्पताल की होगी। पते के प्रमाण पत्र के लिए वोटर आईडी कार्ड, बिजली का बिल, गैस का बिल, पानी का बिल, फोन का बिल, पासपोर्ट, राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता जैसे दस्तावेजों में से कोई एक दिया जा सकता है।

इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य लोगों को धोखाधड़ी से बचाना है। जन्म या मृत्यु के 21 दिन के भीतर आपको इसकी जानकारी देनी होगी। अगर कोई व्यक्ति 21 दिन में जानकारी नहीं देता है तो इसके लिए लेट फीस लगेगी। लेट फीस की स्थिति में उसका रसीद नंबर भी रजिस्ट्रेशन के समय देना होगा। अगर कोई व्यक्ति 21 दिन के भीतर जानकारी देता है तो उसके लिए यह पूरी प्रक्रिया फ्री रहेगी। 21 दिन से अधिक होने पर 22 से 30 दिन के लिए 2 रुपए और 31 दिन से एक साल तक के लिए 5 रुपए लेट फीस के रूप में देने होंगे। ज्यादा पुराने प्रमाण पत्रों के लिए 10 रुपए शुल्क तय किया गया है। इस ऐप में निजी अस्पतालों के लिए रिकॉर्ड दर्ज करने की सुविधा दी गई है। वह जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए इस ऐप पर जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

किसी व्यक्ति की घर में मौत होने की स्थिति में इसकी जानकारी 21 दिन के भीतर देनी होगी। परिवार को कोई भी सदस्य घोषणापत्र के साथ फॉर्म-2 भरकर उसके पते की जानकारी के साथ रजिस्ट्रेशन कर सकता है। वहीं अस्पताल में मौत की स्थिति में इसकी जानकारी अस्पताल को देनी होगी। अगर यह समयसीमा खत्म हो जाती है तो इसके लिए रजिस्ट्रार से संपर्क करना होगा।

किसानों की जमीन के रिकॉर्ड में गुपचुप घुसाया वक्फ बोर्ड का नाम

बेंगलुरु, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में वक्फ बोर्ड द्वारा विजयपुरा जिले में किसानों की 1200 एकड़ जमीन पर दावा ठोके जाने के बाद से हड़कंप है। इस बीच जानकारी सामने आई है कि इस मामले में वक्फ की भूमिका संदिग्ध है। कहा जा रहा है कि किसानों की जमीन के रेवेन्यू रिकॉर्ड में रातोंरात वक्फ का नाम जोड़ने का काम हुआ है वरना पहले रिकॉर्डों में ये नाम नहीं था। दस्तावेजों में छेड़छाड़ की बात का खुलासा हो गया है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी सोशल मीडिया पर यह जानकारी सार्वजनिक की है।

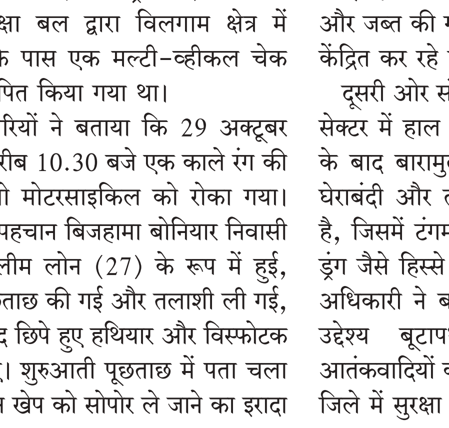

मालवीय ने बताया कि पिछले तीन हफ्तों में 44 संपत्तियों के भूमि अभिलेखों में वक्फ बोर्ड का नाम शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव रातोंरात हुआ और इसके लिए आरटीसी (अधिकारों का रिकॉर्ड, किरायेदारी और फसलों का रिकॉर्ड) में म्यूटेशन किया गया। इस प्रक्रिया में किसानों को कोई सूचना नहीं दी गई थी, जिससे वे हैरान हैं। वहीं किसानों द्वारा इस मामले में आवाज उठाए जाने के बाद कर्नाटक सरकार ने भी इस पर यूटर्न लिया है। राज्य के कानून मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि राजपत्रित अधिसूचना (गजट नोटिफिकेशन) में त्रुटि के कारण ऐसा हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का कोई इरादा किसानों की भूमि को वक्फ संपत्ति में बदलने का नहीं है और यदि कोई गलती हुई है तो उसे ठीक किया जाएगा।

गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में विजयपुरा में किसानों को उनकी जमीन खाली करने के लिए नोटिस मिला था। जिसके बाद उन्होंने इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर चेतावनी दी थी कि अगर उनकी जमीनें वक्फ को सौंपी गईं तो उनके पास जीविका चलाने का कोई विकल्प नहीं बचेगा। कई किसान नेताओं ने यह आरोप लगाया था कि कांग्रेस ऐसे काम एक विशेष समुदाय के लोगों को खुश करने के लिए उठा रही है।

शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12+8 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-6 | अंक-301

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज वित्तीय सुधार चाह रहें हैं तो मित्रों का सहयोग जरूर लें । स्थिति में सुधार आएगा । पडोस मे कुछ अच्छी खबर मिलेगी जिससे आप के परिवार मे भी खुशी का माहौल रहेगा सेहत के मामले में दिन ठीक नहीं है. पेट और कमर के रोग भी परेशान कर सकते हैं. वाणी पर संयम रखना आवश्यक है. नयी योजना को चालू करने के लिए और साझेदारी मे भी व्यापार करने के लिए समय श्रेष्ठ हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यापार मे नयी साझेदारी का काम कर सकते हैं आप का विरोधी आप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. स्थिर आय आपको व्यवसायिक क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यदि विवाह योग्य आयु है, तो विवाह हो सकता है. पारिवारिक जीवन शानदार रहेगा और बच्चे बहुत अच्छा फील करेंगे. स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आप छोटी–मोटी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. यात्रा का योग रहेगा दही का सेवन करके ही यात्रा का आरंभ करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज के दिन शरीर मे उर्जा रहेगी दिन बढ़िया रहेगा. सभी काम में आपको सफलता हासिल होने के योग हैं. आपके मान–सम्मान में बढ़ोतरी होगी. आपके किसी समारोह में जाने की योजना बना सकते हैं. वहां पर आपकी किसी बचपन के मित्र से मुलाकात हो सकती है. जीवनसाथी आपकी ईमानदारी से प्रभावित हो सकते हैं. कुछ नए अनुभवों के लिए आपको तैयार रहना चाहिए. माता–पिता की सलाह आपके लिए लाभदायक हो सकती है. मंदिर में कुछ समय के लिए ध्यान मे जरूर समय बिताएं शरीर मे रोमांच होगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप को चाहिए अपनी दिनचर्या मे देव पूजन और दान कर्म जरूर करना चाहिए जिससे मानसिक लाभ और सामाजिक लाभ भी होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. शत्रु परास्त होंगे. विवाद को बढ़ावा न दें. विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है. संतानों के लिए समय अनुकूल है. नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है. पदोन्नति के भी योग बन रहे हैं. निवेश करते समय सावधानी रखें. धार्मिक कार्यों के पीछे खर्च हो सकता है. दांपत्य जीवन की सभी जरूरतों को पूरा करना चाहिए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कोई जरूरी कामकाज पूरा करेंगे योजना में प्रवेश कर सकते हैं. यदि आप एक साझेदारी में प्रवेश करना चाहते हैं, तो सकारात्मक विकास संभव है.
राजनीति या सामाजिक कार्यों में शामिल लोगों को प्रतिष्ठा में वृद्धि देखने को मिलेगी और वह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आप को दे सकते हैं नौकरी के सन्दर्भ में आप में से जो लोग बदलाव की तलाश कर रहे हैं, उन्हें नए अवसर प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है.परिवार में उत्सव का माहौल रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज मित्रों के साथ दिन व्यतीत होगा . दोस्त से मिलकर आप पूरा दिन खुश होंगे. ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है. काम को लेकर आपका आत्मविश्वास भी बहुत शानदार रहेगा. सीनियर्स आपसे खुश होंगे. आपको अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है. बिजनेसमैन को अपने कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है.श्रीं श्रीयै नमः मंत्र का जप करें ।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को अपनी सपनों की दुनिया से बाहर आना चाहिए .और अपनी आंतरिक शक्ति को जगाना होगा। खुला व्यवहार लोगों को अखरेगा. खर्च की चिंता से मन अशांत रह सकता हैं. बुजुर्गों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद बढ़ सकते हैं. संचित धन में वृद्धि होगी। साथ काम करने वाले कुछ लोगों की मदद भी आपको मिल सकती है. परिवार में शांति का माहौल बना रहेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज गाय और नंदी को हरी सब्जी खिलाए सकारात्मकता रहेगी व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. नवीन सौदे लाभदायक रहेंगें और मददगार लोग आपको किसी भी मुश्किल पेंच को दूर करने में मदद करेंगे. छात्रों को अपने एकाग्रता के स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता है. पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा. विवाह योग्य जातकों का विवाह संबंध निश्चित हो सकता है. स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी हैं क्योंकि मौसमी बिमारी आप को परिवार को तकलीफ दे सकती हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रूके हुए कामों को पूरा करना हैं तो सुबह भोर मे जल्दी उठकर दिनचर्या को आरंभ करें आपको किसी मित्र की मदद भी मिल सकती है. साथ ही दोस्त से कोई खुशखबरी भी मिल सकती है. आज आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आयेंगी, जिन्हें पूरा करने में आप पूरी तरह से सफल होंगे. आप अपने करियर में सफलता के बेहद करीब होंगे. ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से आपको पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा. आपके दिमाग में कुछ नए विचार आयेंगे, जिससे आप अपेन कार्यों को और अच्छे से पूरा कर पायेंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन के व्यय को लेकर चिंतित रहेंगे. नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें.
सामाजिक कार्यों में शिरकत करेंगे परन्तु कार्य ख़र्चीले रहेंगें. शारीरिक रूप से आज खुद को आप बेहतर महसूस करेंगे. दोपहर बाद अच्छी खबर मिल सकती हैं कुछ हल्का ही भोजन करें आप का ब्लड प्रेशर जरूर बढ सकता हैं शान्त रहने की आवश्यकता हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जोखिम लेने का दिन नहीं हैं अपनी दैनिक कार्य रफ्तार की पर अंकुश लगाना जरूरी हैं किन्तु आपने पहले से जो भी जोखिम उठाए हैं, उन्हें भी कुछ समय के लिए स्थगित करें निवेश समझदारी से करें अन्यथा आर्थिक पक्ष कमजोर हो सकता है. आपके भाई–बहनों के साथ आपकी हल्की नोंक–झोंक हो सकती है, किन्तु वे अपनी ज़िम्मेदारियों का वहन करने से पीछे नहीं हटेंगें आपको अपने परिवार के किसी छोटे सदस्य पर खर्चा करना पड सकता हैं यात्रा का योग भी बनेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सकारात्मक माहौल मिलेगा आपको जीवनसाथी का सहयोग मिल सकता है. घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है. बच्चों को दोस्तों के साथ बेहतरीन समय बीताने का मौका मिल सकता है. किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर आप माता–पिता से सलाह ले सकते हैं. उनकी सलाह आपके बहुत काम आयेगी. आप सही फैसला ले पायेंगे. पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं, तो दिन मुनाफा दिलाने वाला हो सकता है. पीपल मे दूध जल चढ़ाए , घी का दीपक प्रज्वलित करें ।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 31 अक्टूबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी सायं 03:55 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 12:55 तक
योग : विष्कुंभ प्रातः 09:49 तक
करण : शकुन सायं 03:55 तक
चन्द्रराशि : कन्या प्रातः 11:15 तक
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रुप चतुर्दशी, अभ्यंग स्नान , यम तर्पण

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम सैनी ने वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर उन्हें किया नमन

चंडीगढ़, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बुधवार को देश के प्रथम गृह मंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर उन्हें शत्-शत् नमन किया और उनके चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की।श्री सैनी ने सिविल सेवकों का आह्वान किया कि वह राष्ट्रीय एकता दिवस पर यह संकल्प लें कि हरियाणा के लोगों की जो भी अपेक्षाएं हैं, उन पर हम खरा उतरेंगे और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करते हुए हरियाणा को मजबूती से आगे बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल उच्च कोटि के राजनेता और प्रशासनिक व्यक्ति थे। उनके जीवन से हमें जानने को मिलता है कि उनका जीवन सदैव देश के हित और देश के लोगों समस्याओं के समाधान करने के लिए समर्पित रहा, ताकि आने वाली पीढ़ियां खुली हवा में सांस ले सकें। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई, वहीं आजादी के बाद देश को एक सूत्र में पिरोने का अतुलनीय कार्य भी किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 व 35–ए को समाप्त करके जम्मू एवं कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाकर सरदार वल्लभभाई पटेल को दी सच्ची श्रद्धांजलि दी है। श्री सैनी ने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई– मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करुंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करुंगा।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने प्रदेशवासियों को दीपावली की बधाई दी

चंडीगढ़, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने दीपावली के पावन अवसर पर हरियाणा और पूरे देश के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

श्री दत्तात्रेय ने इस त्योहार को प्रकाश, आनंद और सद्भाव का उत्सव बताते हुए सभी समुदायों में प्रेम, करुणा और एकता फैलाने के लिए दीपावली के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिवाली अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा, आइए, हम शांति, भाईचारे और एकजुटता के मूल्यों को अपनाकर इस खुशी के अवसर को मनाएं। दिवाली का प्रकाश हमें समृद्ध और समावेशी भविष्य की ओर ले जाए और हमें समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करे। उन्होंने नागरिकों से पर्यावरण के प्रति जागरूकता के साथ जिम्मेदारी से त्योहार मनाने और वंचितों की देखभाल के महत्व को याद रखने का आग्रह किया, जिससे दिवाली की

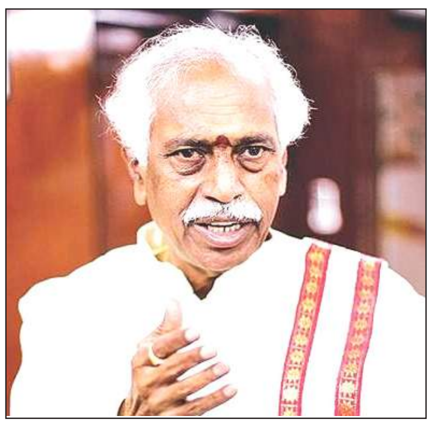

भावना समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। उन्होंने राज्य भर के किसानों, कारीगरों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को भी अपनी विशेष शुभकामनाएं दीं और हरियाणा के विकास और कल्याण में उनके समर्पण और अमूल्य योगदान को स्वीकार किया।

जयपुर में आयोजित पंजीयन शिविर में 8.98 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति

जयपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।
राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से की गयी बजट घोषणा के तहत अक्टूबर में राजकीय अवकाश के दिन आयोजित किए गए पंजीयन शिविरों में 1297 दस्तावेज पंजीकृत कर राज्य सरकार को लगभग 8.98 करोड़ राजस्व अर्जित हुआ। उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक जयपुर प्रथम डॉ.गोरधन लाल शर्मा द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री ने बजट में घोषणा की कि किसी स्थल पर किसी संस्थान द्वारा 20 से अधिक दस्तावेजों के पंजीयन के लिए पंजीयन शिविर का आयोजन किया जा सकता है। इसी के तहत महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग राजस्थान अजमेर द्वारा दिये निर्देशों की पालना में जयपुर शहर के उप पंजीयक कार्यालय जयपुर द्वितीय द्वारा झोटवाड़ा में 28 अक्टूबर को पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया ,जिसमें 42 दस्तावेजों का पंजीयन किया गया एवं 32,42,789 रूपये की राजस्व आय प्राप्त हुई।इस कम में उप पंजीयक जयपुर सप्त्म द्वारा वैशाली नगर में पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया जिसके फलस्वरूप कैम्प में 29 दस्तावेजों का पंजीयन किया गया, जिससे 4,78,900 रूपये की राजस्व आय प्राप्त हुई। इस प्रकार उक्त पंजीयन कैम्पों में कुल 71 दस्तावेज का पंजीयन किया गया तथा कुल 37,21,689 रूपये की राजस्व आय प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि आगे भी इसी प्रकार पंजीयन कैम्प आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। आमजन की सुविधाओं को ध्यान रखते हुए मुख्यालय के आदेशानुसार अवकाश के दिनों में भी पंजीयन कार्यालय खोलने के आदेश जारी किए गए है।इसी कम में 19 एवं 26 अक्टूबर को जिले के सभी उप पंजीयक कार्यालय खुलवाकर पंजीयन किये गये, जिसमें कुल 1297 दस्तावेज पंजीकृत किए गए। इनमें राज्य सरकार को लगभग कुल 8.98 करोड़ राजस्व अर्जित हुआ।

भजनलाल की दीपावली, गोवर्धन, भाईदूज पर शुभकामनाएं

जयपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।
राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली, गोवर्धन एवं भाईदूज के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुख–समृद्धि की कामना की है। श्री शर्मा ने कहा कि दीपों का यह पर्व अन्याय और शोषण के विरूद्ध न्याय एवं संघर्ष की विजय का उत्सव है। यह पर्व हमें सच्चाई एवं धर्म की राह पर चलने, विपदाओं से नहीं घबराने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे भगवान श्रीराम के महान आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर बेसहारा एवं अभावग्रस्त लोगों की मदद करने का संकल्प लें, जिससे कि सामाजिक समरसता की भावना मजबूत हो और देश–प्रदेश प्रगति के नए आयाम स्थापित कर सके। इससे पहले जारी एक वीडियो में श्री शर्मा ने प्रदेशवासियों को दिवाली की बधाई देते हुए आह्वान किया है कि वे सब दीपक जलाकर राजस्थान को रोशन एवं उन्नत करें और आगे बढ़ाएं। श्री शर्मा ने कहा एक दीपक आप जलाएं, एक दीपक मैं जलाऊं, एक दीपक सब जलाएं और हम हमारे राजस्थान को रोशन एवं उन्नत करें और आगे बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि किसान हो, मजदूर हो, महिला या युवा हो, सबके लिए काम किया जा रहा है। युवाओं से जो वादा किया गया, उस युवा को हर क्षेत्र में आगे देखना चाहते हैं । युवाओं के भविष्य के लिए दो वर्ष का कैलेंडर जारी कर एक साथ 90 हजार वैकेंसी मंजूर की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार महिला उत्थान के लिए काम कर रही है और किसानों ने जो कहा वह किया गया है। सबको पानी के लिए ईआरसीपी और यमुना समझौते पर काम किया गया है। इसी तरह अन्य कई जनहित के काम किए गए हैं।

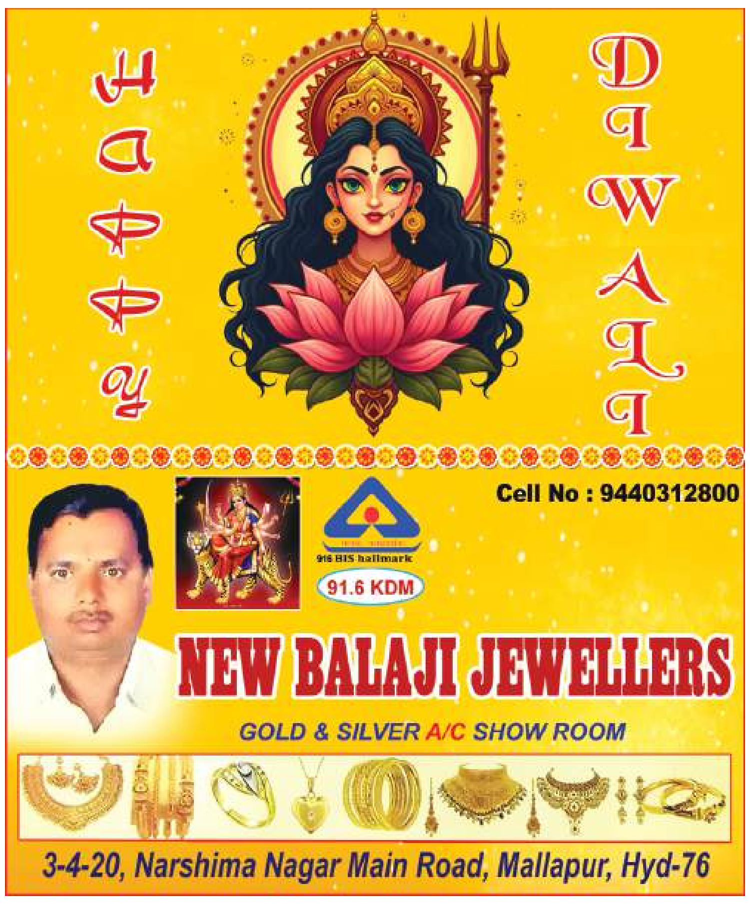

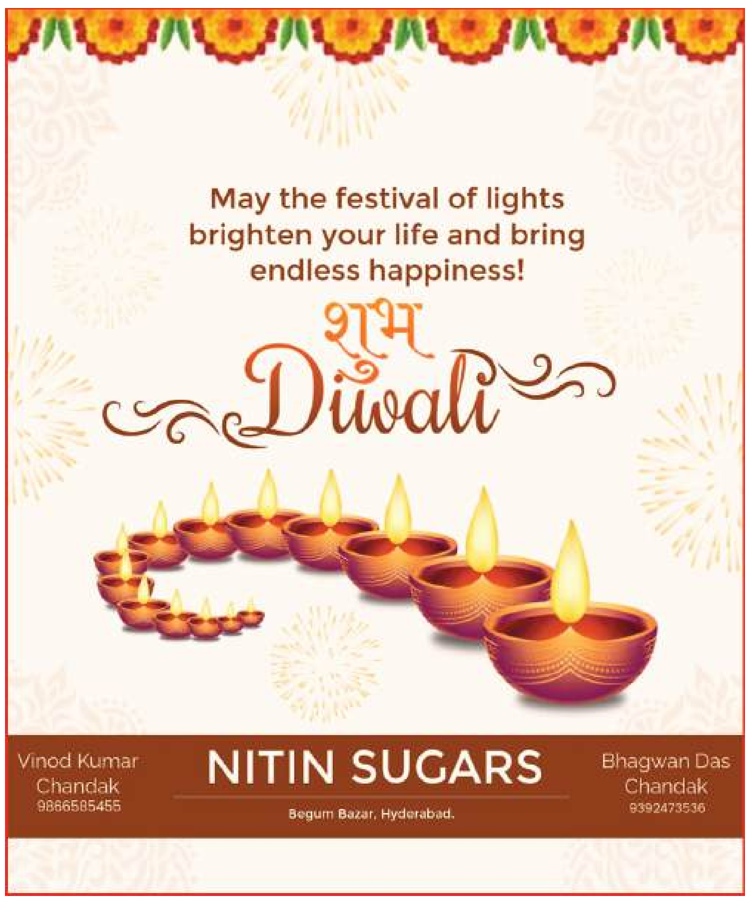

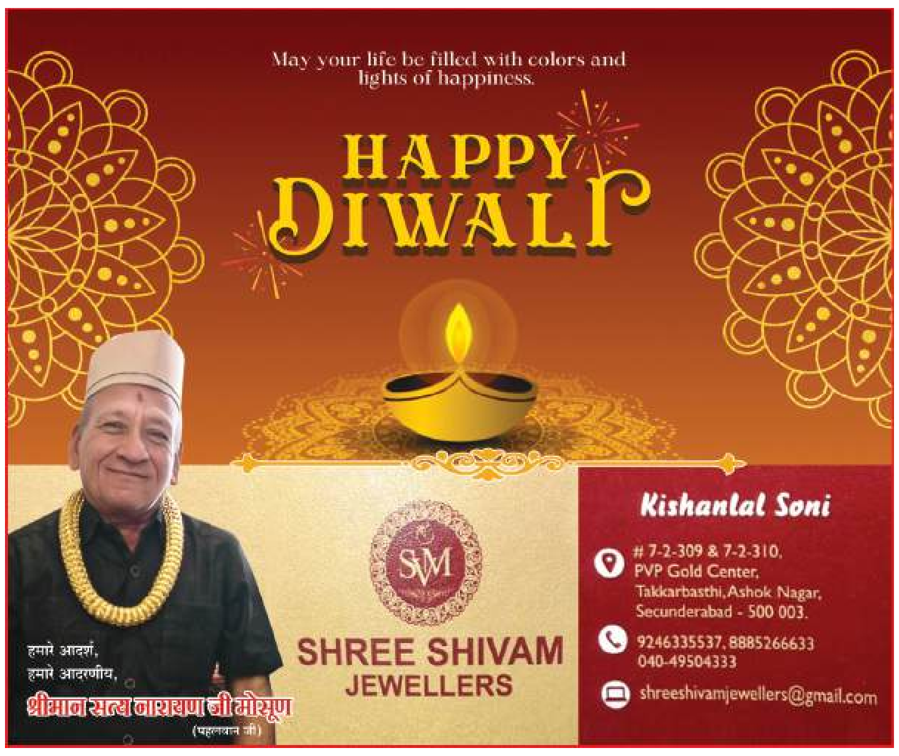

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12+8 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-301

हर महीने 3000 हिंदुओं को ईसाई बना रहा है कैलवरी चर्च

आंध्र में प्रसादम षडयंत्र के बाद धर्मांतरण षडयंत्र

अमरावती, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

साढ़े तीन लाख हिंदुओं को ईसाई बनाया जा चुका

आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसादम में घी के बजाय जानवरों की चर्बी मिलाने की घटना ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। तत्कालीन जगन रेड्डी सरकार द्वारा मंदिर प्रबंधन में गैर हिंदुओं को रखे जाने के कारण प्रसादम षडयंत्र परवान चढ़ा और हिंदू आस्था को हिला कर रख दिया। आंध्र प्रदेश में अब सत्ता बदल चुकी है। चंद्रबाबू नायडू मुख्यमंत्री हैं और सनातन धर्म के प्रति गहरी आस्था रखने वाले प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पवन कल्याण प्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं। उनके प्रदेश में हिंदुओं का ईसाई धर्म में धर्मांतरण तीव्र गति से हो रहा है, लेकिन प्रशासन कोई सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं कर रहा और सरकार को अंधेरे में रख रहा है।

सोशल मीडिया पर पिछले दिनों दि क्रिश्चियन ब्रॉडकास्टिंग नेटवर्क के एक वीडियो से आंध्र प्रदेश के काकीनाडा स्थित कैलवरी

शुभ-लाभ चिंता

चर्च की करतूतें सार्वजनिक हुईं। लेकिन राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। काकीनाडा जिला प्रशासन ने चर्च परिसर को सील करने का दावा किया है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि धर्मांतरण का धंधा जारी है। धर्मांतरण कराने वाले लोगों और पादरी के खिलाफ पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। कैलवरी चर्च व्यापक पैमाने पर और बहुत तेज गति से हिंदुओं को ईसाई बना रहा है। यह चर्च हर महीने तीन हजार से अधिक हिंदुओं को ईसाई धर्म में धर्मांतरित करा रहा है। कैलवरी चर्च के पादरी सतीश कुमार ने खुद ही कहा है कि उसने अभी तक 3.5 लाख हिंदुओं को धर्मांतरित किया है। कैलवरी चर्च अब देशभर में 40 शाखाएं खोल कर पूरे देश में हिंदुओं का धर्मांतरण कराने की योजना पर काम कर रहा है।

काकीनाडा जिला प्रशासन द्वारा कैलवरी चर्च परिसर को सील किए जाने के दावे के बरक्स सच्चाई यह है कि मुख्य चर्च के अलावा इस चर्च की 10 ब्रांच और चल रही हैं, जहां धर्मांतरण का धंधा निर्बाध गति से जारी है। ▶8पर

साइबर अपराध पर पीएम की चिंता के बाद गृह मंत्रालय सक्रिय

लोगों के बैंक खातों को जरिया बना रहे अपराधी

आंतरिक सुरक्षा सचिव की निगरानी में गठित हुई समिति

गृह मंत्रालय ने राज्यों से मांगी रिपोर्ट, सख्त कार्रवाई होगी

साइबर अपराध को बढ़ाने में मदद दे रहा है सोशल मीडिया

गृह मंत्रालय के साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने किया अलर्ट

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश में तेज गति से बढ़ रहे साइबर अपराध पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चिंता व्यक्त किए जाने के फौरन बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले और साइबर धोखाधड़ी के मामलों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति को अपराधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। समिति की निगरानी गृह मंत्रालय के आंतरिक सुरक्षा सचिव करेंगे। गृह मंत्रालय ने इस मामले पर देशभर के राज्यों से रिपोर्ट मांगी है।

गृह मंत्रालय ने साइबर धोखाधड़ी से संबंधित 3.25 लाख फर्जी बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया है। देश भर में डिजिटल गिरफ्तारी के मामलों में अचानक

वृद्धि को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में लोगों को इस तरह के घोटालों के खिलाफ चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे को उठाया और इस तरह के साइबर अपराध के खिलाफ जागरूकता और कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कानून में डिजिटल गिरफ्तारी जैसी कोई चीज नहीं है। ये सब ठगी करने का तरीका है। लोगों को डरा-धमका कर उनसे पैसे एंठते हैं।

गृह मंत्रालय के साइबर अपराध समन्वय केंद्र (14-सी) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस से संपर्क कर उन्हें केंद्र के आदेश और समिति के गठन के बारे में जानकारी दी है। इस साल अब तक 6,000 से अधिक डिजिटल गिरफ्तारी की शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिसमें साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने घोटाले के संबंध में 6 लाख मोबाइल नंबर ब्लॉक किए हैं, जो ड्रग और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में झूठे तरीके से फंसाकर अनजान व्यक्तियों को निशाना बनाते हैं। इसके अलावा साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने कम से कम 709 मोबाइल एप्लिकेशन को भी ब्लॉक किया है।

डिजिटल गिरफ्तारी साइबर धोखाधड़ी का एक नया तरीका है जिसमें धोखेबाज कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर लोगों को ऑडियो या वीडियो कॉल पर धमकाते हैं और गिरफ्तारी के झूठे बहाने से उन्हें डिजिटल रूप से बंधक बनाते हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम ऑफ इंडिया ने एक सूची साझा की, जिसमें देश में धोखेबाजों द्वारा ऑनलाइन घोटाले करने के एक दर्जन से अधिक तरीकों के बारे में बताया गया है, जिसमें लोगों के पैसे और निजी डेटा चुराकर उन्हें ठगने के लिए डिजिटल गिरफ्तारी भी शामिल है।

गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ख4-सी) ने अंतरराष्ट्रीय संगठित साइबर अपराधियों द्वारा अवैध गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फर्जी बैंक खातों का उपयोग कर बनाए गए उन गैर-कानूनी पेमेंट गेट-वे के खिलाफ़ अलर्ट जारी किया है, जो मनी लॉन्ड्रिंग में लिप्त हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय, साइबर सुरक्षित भारत के निर्माण के लिए हर संभव कदम उठा रहा है।

गुजरात पुलिस और आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा हाल ही में की गई राष्ट्रव्यापी छापेमारी में पता चला कि अंतरराष्ट्रीय अपराधियों ने फर्जी या ▶8पर

रूस ने अपने मित्र देश भारत को दिया अहम प्रस्ताव

रूस में भी घरेलू उड़ानें भरें भारत के विमान

स्थानीय मांगें पूरी करने में असमर्थता के कारण लिया फैसला

मित्र देशों की एयरलाइंस को अंदरूनी उड़ान की अनुमति देगा

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पिछले दो वर्षों से पश्चिमी प्रतिबंधों से जूझ रहे रूस ने भारतीय एयरलाइनों को अपने क्षेत्र में घरेलू मार्गों पर उड़ान संचालित के लिए आमंत्रित किया है। रूस ने यह कदम स्थानीय मांग को पूरा करने में अपनी रूस की देसी एयरलाइनों की असमर्थता के कारण उठाया है।

अपनी विमानन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, रूस ने एक कैबोटेज समझौते का प्रस्ताव रखा है, जो विदेशी एयरलाइनों को अपनी सीमाओं के भीतर यात्रियों को ले जाने की अनुमति देगा। यह प्रस्ताव भारत, चीन और कई मध्य एशियाई देशों के समक्ष लगभग एक महीने पहले प्रस्तुत किया गया था और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की रूस यात्रा के दौरान इस पर आगे चर्चा की गई थी। पश्चिमी प्रतिबंधों ने रूसी एयरलाइनों की अमेरिकी और यूर-ोपीय विमान निर्माताओं और आवश्यक भागों तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया है।

हालांकि, भारतीय एयरलाइनों ने रूस में ऐसे परिचालन की व्यवहार्यता पर चिंता व्यक्त की है। एयरलाइन कंपनियों ने विमान पट्टेदारों और बीमा कंपनियों से संभावित विरोध सहित कठिनाइयों का हवाला दिया है, दोनों ही यूक्रेन संघर्ष के बाद रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों से प्रतिबंधित हैं। इसके

अतिरिक्त, भारतीय वाहक पहले से ही घरेलू मांग को पूरा करने के लिए विमानों की कमी से जूझ रहे हैं, जिससे रूस में किसी भी संभावित परिचालन को और जटिल बना दिया है।

अधिकांश भारतीय एयरलाइनें पट्टे पर विमान चलाती हैं और इनमें से कई पट्टेदार रूस में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण विमान को उड़ान भरने की अनुमति देने के लिए तैयार नहीं हैं। एक भारतीय एयरलाइंस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह प्रतिबंध, बीमा कवरेज खोने के जोखिम के साथ मिलकर, प्रस्ताव को अत्यधिक अव्यवहारिक बनाता है। एयरलाइन उद्योग विमानों की सीमित आपूर्ति से जूझ रहा है, जिससे भारत के भीतर उनके नियोजित विस्तार पर असर पड़ रहा है।

यूक्रेन संघर्ष से पहले, बोइंग और एयरबस विमान रूस के बेड़े का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे। हालांकि, प्रतिबंधों के कारण रूसी एयरलाइनों को नियोजित डिलीवरी में रुकावट आई है ▶8पर

राजनाथ और रिजिजू सेना के साथ मनाएंगे दिवाली

दिवाली मनाने के लिए चुना गया अरुणाचल प्रदेश का तवांग

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पड़ोसी देश चीन के साथ पिछले दिनों पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर सालों से चला आ रहा विवाद सुलझ गया है। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश के सीमाई इलाके तवांग में दिवाली मनाने का फैसला किया है। इसके लिए वे अरुणाचल प्रदेश के तवांग के लिए रवाना हो गए हैं।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, अरुणाचल प्रदेश की दो दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली से तवांग के लिए रवाना हो रहा हूं। सशस्त्र बलों के कर्मियों के साथ बातचीत करने और बहादुर भारतीय सेना अधिकारी मेजर रालेंगनाओ बॉब खातिंग को समर्पित एक संग्रहालय के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इससे पहले अक्टूबर 2023 में भी तवांग गए थे। उस दौरान उन्होंने सैनिकों के साथ शस्त्र पूजा की थी। ▶8पर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 23^0

सुलझते दिख रहे भारत-चीन के रिश्ते

विवादित जगह से दोनों देशों की सेनाएं हटीं

नई दिल्ली/बीजिंग, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और चीन के बीच 2020 से शुरू हुआ विवाद आखिरकार सुलझता दिख रहा है। सेना के अनुसार तय समय-सीमा के अनुसार, भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में तनाव कम करने का काम पूरा कर लिया गया है। इस क्षेत्र में जल्द ही गश्त शुरू हो जाएगी। इस रिश्ते की बेहतर शुरुआत को ध्यान में रखते हुए गुरुवार को दिवाली के अवसर पर चीनी पक्ष के सैनिकों के साथ मिठाइयों का आदान-प्रदान भी किया जाएगा।

भारत में चीन के राजदूत जू फेहोंग ने भी कहा कि दोनों देशों ने आपसी सहमति से मुद्दे को सुलझाया है। उन्होंने कहा, हम आपसी सहमति के बिंदु पर पहुंच गए हैं। पड़ोसी होने के नाते,

दिवाली पर एक-दूसरे को भेंट करेंगी मिठाइयां

हमारे बीच कुछ मुद्दे होंगे, लेकिन राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच पिछले सप्ताह रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई बैठक के बाद दोनों देश संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। हम जल्द ही भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेंगे। भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले दो बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी पर कहा कि स्थानीय कमांडर स्तर पर वार्ता जारी रहेगी। फिलहाल पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले दो बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी पूरी हो गई है। इसके बाद पूर्वी लद्दाख के डेमचोक, देपसांग में जल्द ही गश्त शुरू होगी। भारत और चीन के बीच हुए महत्वपूर्ण समझौते के बाद, दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख के देमचोक और देपसांग में टकराव वाले स्थानों से सैनिकों को पीछे हटाना शुरू किया था।भारत और चीन के बीच हुए इस अहम समझौते के बाद दोनों देशों ने दो अक्टूबर को पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचौक में टकराव वाले दो बिंदुओं पर सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया शुरू की थी। ▶8पर

अमेरिका ने एलएसी से सैन्य वापसी का स्वागत किया

वाशिंगटन, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से भारत और चीन सैनिकों की वापसी का स्वागत किया है। सैनिकों के पीछे हटने से दोनों देशों के बीच तनाव में कमी आई है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि वाशिंगटन स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने इस मामले में भारतीय पक्ष के साथ चर्चा की है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने इस समाधान में कोई भूमिका नहीं निभाई है। ▶8पर

दीपावली की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, एजेंटों, हॉकरों, विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन एजेंसियों व शुभचिंतकों को **शुभ-लाभ** की ओर से **दीपावली** की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

-गोपाल अग्रवाल
प्रधान संपादक

अवकाश-सूचना

दीपावली के उपलक्ष्य में शुभ-लाभ कार्यालय में गुरुवार दिनांक 31 अक्टूबर, 2024 को अवकाश रहेगा। शुभ-लाभ का अगला अंक शनिवार दि. 02 नवंबर 2024 को आपके समक्ष प्रस्तुत होगा।

-प्रबंधक

मोबाइल फोन के निर्यात में भारत हासिल कर रहा बढ़त

छह महीने में 50448 करोड़ का आईफोन भेजा गया

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिग्गज अमेरिकी कंपनी एपल के भारत से आईफोन निर्यात में इस साल सितंबर तक छह महीने में एक तिहाई की वृद्धि दर्ज की गईहै। यह एपल की ओर से भारत में आईफोन मैनुफैक्चरिंग बढ़ाने और चीन पर से निर्भरता घटाने का स्पष्ट संकेत है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस छह महीने में एपल ने भारत से करीब 6 अरब डॉलर (करीब 50,448 करोड़ रुपए) के आईफोन का निर्यात किया है।मूल्य के लिहाज से यह आंकड़ा एक साल पहले की तुलना में एक तिहाईअधिक है।सूत्रों के मुताबिक, आंकड़ों को देखकर लगता है कि कंपनी का भारत से सालाना निर्यात 2023-24 के 10 अरब डॉलर को पार कर जाएगा।

चीन को लेकर अमेरिका के साथ बीजिंग के तनाव ने एपल की चिंताएं बढ़ा दी हैं।ऐसे में चीन पर निर्भरता घटाने को लेकर भारत एपल के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। कंपनी भारत में अपने विनिर्माण नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है। ▶8पर

मद्रास हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

शरिया काउंसिल नहीं जारी कर सकती तलाक सर्टिफिकेट

शरिया काउंसिल महज एक निजी संस्था है

मदुरै, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने हाल ही में यह निर्णय दिया कि शरिया काउंसिल एक निजी संगठन है और कानूनी अदालत नहीं है। यह निर्णय एक मुस्लिम दंपति के तलाक से जुड़े मामले में दिया गया। मामला तमिलनाडु शरिया काउंसिल के 2017 में एक शौहर को तलाक प्रमाणपत्र जारी करने से जुड़ा था, जिसने अपनी बीवी से 2010 में निकाह किया था। कोर्ट ने कहा कि शरिया काउंसिल परिवार और वित्तीय मुद्दों में मदद कर सकती है, लेकिन तलाक सर्टिफिकेट जारी नहीं कर सकती और न ही किसी पर जुर्माना लगा सकती है। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच के जस्टिस जीआर स्वामीनाथन ने इस तलाक सर्टिफिकेट को चौंकाने वाला बताया और कहा, केवल राज्य द्वारा स्थापित अदालतें ही फैसले दे सकती हैं। जस्टिस स्वामीनाथन ने शौहर की याचिका को खारिज करते हुए यह पुष्टि की कि निकाह तब तक मान्य रहेगा जब तक कि कोई अधिकार प्राप्त अदालत इसे भंग नहीं करती। ▶8पर

बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों को कानूनी कवच

हिंदुओं पर अत्याचार करने वालों को सरकार ने माफ किया

ढाका, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के बाद की स्थिति अब और भी खतरनाक होती जा रही है। शेख हसीना के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शनों के बाद हिंदुओं, बौद्धों, अहमदियों को बांग्लादेश में धार्मिक और मजहबी पहचान के लिए इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा निशाना बनाया गया, लेकिन अब मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने उन कथित छात्रों (इस्लामिक कट्टरपंथियों) को कानूनी संरक्षण देने का फैसला किया है, जिन्होंने पूरे बांग्लादेश में उथल-पुथल मचाई थी। मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली नई सरकार ने 15 जुलाई से 8 अगस्त के बीच हुए प्रदर्शनों में शामिल प्रदर्शनकारियों को किसी भी सजा से मुक्त रखने का आदेश जारी किया है। यूनुस सरकार के इस कदम से विवाद भी पैदा हो रहा है, क्योंकि कई लोग इसे उस समय की हिंसा के लिए जिम्मेदारी से बचने का तरीका मानते हैं। इस नियम की व्याख्या को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि इससे यह आशंका है कि यह गंभीर अपराधों में शामिल लोगों को ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

संपादकीय

रुको, सोचो, टांग दो

साइबर अपराधियों और जालसाजों का खौफ इतना बढ़ चुका है कि प्रधानमंत्री मोदी को भी 'मन की बात' में इसका जिक्र करना पड़ा। प्रधानमंत्री को देश की चिंताओं के साथ अपने सरोकार साझा करने पड़े। उन्होंने आह्वान किया कि ऐसी घटनाओं से डरना नहीं है, क्योंकि यह सब कुछ फर्जीवाड़ा है। प्रधानमंत्री ने एक मूल मंत्र का सुझाव भी दिया है कि जब भी कोई ऐसी कॉल आए और आपको 'डिजिटल अरेस्ट' करने की कोशिश की जाए, तो आपको यह करना चाहिए-'रुको, सोचो और फिर एक्शन लो।' किसी भी प्रधानमंत्री ने पहली बार देश को स्पष्ट किया है कि सीबीआई, ईडी, कस्टम, पुलिस आदि सरकारी एजेंसियां फोन पर गिरफ्तारी की धमकियां नहीं देती हैं और न ही यह उनकी कार्यप्रणाली है। यदि कोई अपराध हुआ है, तो उसकी जांच करने और दंड देने की कार्यप्रणालियां तय हैं। दरअसल देश का आम आदमी इन सरकारी एजेंसियों की प्रक्रिया नहीं जानता और उनसे खौफ खाता है, लिहाजा उनकी आड़ में जालसाज लूट रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को आश्वस्त भी किया है कि सरकार साइबर अपराध, जालसाजी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने जा रही है। एजेंसियों ने अपने काम आरंभ भी कर दिए हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री के इस सरोकार का अपना ही महत्व है, क्योंकि यह जालसाजी और डिजिटल अरेस्ट किसी महामारी की तरह फैल रही है। साइबर अपराधियों ने किसी उद्योगपति से 7 करोड़ रुपए लूट लिए, तो एक सेवानिवृत्त यूनिवर्सिटी प्रोफेसर को 75 लाख रुपए किसी अनाम बैंक खाते में ट्रांसफर करने को विवश कर दिया। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में किसी से 19 लाख रुपए लूट लिए और जालसाज ने खुद को 'मुंबई फाइनेंशियल टास्क फोर्स' का सदस्य बताया। साइबर अपराधियों ने हर रोज अखबार बेचने वाले को भी नहीं बख्शा और उसके खाते से 1 लाख रुपए झटक लिए। दरअसल यह जालसाजी और लूटने की आधुनिकतम प्रौद्योगिकी है। ये अपराधी पढ़े-लिखे इंजीनियर नहीं, बल्कि बेहद औसत किस्म के होते हैं, लेकिन वे 'साइबर अपराध' के पक्के खिलाड़ी हैं। हरेक जालसाजी में एक पुलिसवाला होता है, जिसकी वर्दी नकली होती है। उसके अलावा, सीबीआई, ईडी, कस्टम, नारकोटिक्स, कभी-कभार रिजर्व बैंक आदि का प्रतिनिधि भी बताते हैं। नकली सर्वोच्च अदालत भी दिखा दी जाती है और फर्जी वारंट भी पेश कर दिया जाता है। वीडियो कॉल पर बात करते हुए अपराधी बार-बार कहते हैं कि पास में कोई तीसरा आदमी नहीं होना चाहिए। कभी-कभार पुलिसिया रौब भी दिखाते हैं। जालसाज इतना मनोवैज्ञानिक दबाव डालते हैं कि डिजिटल अरेस्ट वाला व्यक्ति, अंततः, पैसा ट्रांसफर करने को विवश हो जाता है। ये अपराधी अपने नकारात्मक हुनर में इतने सिद्धहस्त होते हैं कि किसी के बेटा, बेटी या अन्य परिजन की आवाज 'क्लोन' करके भी सुना देते हैं। आप उस आवाज को ही 'असली' मान कर समझौता करने को तैयार हो जाते हैं। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में इस फर्जीवाड़े को पूरी तरह साझा किया है। 'नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल' पर 1 जनवरी से 30 अप्रैल, 2024 के बीच 7.4 लाख शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। 'इंडियन साइबर क्राइम कॉऑरडिनेशन सेंटर' के मुताबिक, जालसाजियों की कई किस्में हैं-डिजिटल अरेस्ट, ट्रेडिंग स्कैम, निवेश घोटाला, रोमांस, डेटिंग स्कैम आदि। इसी साल जनवरी से अप्रैल के बीच भारतीयों ने डिजिटल फ्रॉड में 120.3 करोड़ रुपए गंवाए हैं, जबकि ट्रेडिंग घपले में 1420.48 करोड़, निवेश घोटाले में 222.58 करोड़ और रोमांस, डेटिंग स्कैम में 13.23 करोड़ रुपए खोए हैं। रपटों के मुताबिक, कई जालसाज, अपराधी म्यांमार, लाओस, कंबोडिया आदि देशों में हो सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रपट में उल्लेख है कि 2023-24 में कार्ड और इंटरनेट संबंधी फ्रॉड केस हुए हैं। सवाल यह है कि सरकार इन अपराधों से आम आदमी को कैसे मुक्ति दिला सकती है? भारत में साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, लेकिन उसकी विशेषज्ञ पुलिस हमारे पास नहीं है। जो सामान्य पुलिस है, उसे ही बदल-बदल कर साइबर का काम सौंप लिया जाता है। उन्हें जालसाजों की तरह महारत हासिल नहीं है और न ही वे बदलती प्रौद्योगिकी के जानकार हैं। औसतन 3-4 लाख लोगों पर एक पुलिसवाला है।

प्रधानमंत्री को देश की चिंताओं के साथ अपने सरोकार साझा करने पड़े। उन्होंने आह्वान किया कि ऐसी घटनाओं से डरना नहीं है, क्योंकि यह सब कुछ फर्जीवाड़ा है। प्रधानमंत्री ने एक मूल मंत्र का सुझाव भी दिया है कि जब भी कोई ऐसी कॉल आए और आपको 'डिजिटल अरेस्ट' करने की कोशिश की जाए, तो आपको यह करना चाहिए-'रुको, सोचो और फिर एक्शन लो।' किसी भी प्रधानमंत्री ने पहली बार देश को स्पष्ट किया है कि सीबीआई, ईडी, कस्टम, पुलिस आदि सरकारी एजेंसियां फोन पर गिरफ्तारी की धमकियां नहीं देती हैं और न ही यह उनकी कार्यप्रणाली है। यदि कोई अपराध हुआ है, तो उसकी जांच करने और दंड देने की कार्यप्रणालियां तय हैं।

दीपावली रौशनी का त्यौहार है,जो हमारे जीवन में रौशनी लाता है

सत्व, रज व तम के समन्वयक हैं दीपक

सुनील कुमार महला

हर वर्ष हम कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को दीपावली का पावन त्योहार बहुत ही हर्ष,खुशी, उमंग व उल्लास के साथ मनाते हैं। त्योहार कोई भी हो, हंसी-खुशी, समृद्धि, सकारात्मकता, पवित्रता व असीम ऊर्जा का प्रतीक होता है। आज भी दीपावली मनाई जाती है, पहले भी मनाई जाती थी लेकिन समय का रंग हमारे सभी त्योहारों पर ऐसा चढ़ गया है कि अब हर त्योहार आधुनिकता, शहरीकरण,दिखावे, बनावटीपन व पाश्चात्य संस्कृति के रंग में रंगते चले जा रहे हैं, और दीपावली का त्योहार भी इन सबसे अछूता नहीं रहा है। दीपावली (संस्कृतः दीपावलिः = दीप + आवलिः = पंक्ति, का अर्थ ही पंक्ति में रखे हुए दीपकों से होता है, लेकिन अब दीपावली पर मिट्टी के दीपक कम, चाइनीज़ लाइटें, लड़ियां, रंग-बिरंगे बल्ब, एलईडी लाइटें अधिक जलतीं नजर आतीं हैं। दीपावली रौशनी का त्योहार है,जो हमारे जीवन में रौशनी लाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि दिवाली के त्योहार का धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। प्रकाश का यह पर्व हम सभी को सीख देता है कि केवल बाहरी चकाचौंध ही नहीं, अपने मन के भीतर भी प्रकाश उत्पन्न करना जरूरी है। रौशनी के इस पवित्र त्योहार पर पंच तत्वों के प्रतीक मिट्टी के दीपक आज जलते तो हैं लेकिन धीरे-धीरे इनकी संख्या में लगातार कमी देखी जा रही है। जो बात मिट्टी के दीपकों में है वह चाइनीज़ लाइटों, झालरों व बल्बों में कहां है ? हमारी भारतीय सनातन संस्कृति और हमारे शास्त्रों में मिट्टी के दीपक को तेज, शौर्य और पराक्रम का प्रतीक माना गया है। जब भगवान श्रीराम चौदह साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, तब अध्योध्यावासियों ने मिट्टी के दीये(घी के दीपक) जलाकर उनका स्वागत व अभिनंदन किया था। वास्तव में, दिवाली पर मिट्टी के दीपक जलाने के पीछे धार्मिक महत्व भी है। मिट्टी के दीपक न केवल हमारे पर्यावरण व प्रकृति का ध्यान रखते हैं, अपितु यह हमारी सादगी,संपन्नता, सुख-समृद्धि , शांति व ऐश्वर्य के भी प्रतीक हैं। यह बात तो हम सभी जानते हैं कि इस संपूर्ण ब्रह्मांड की रचना पंचतत्वों से हुई है, जिसमें जल, वायु, आकाश, अग्नि और भूमि शामिल हैं। वास्तव में,मिट्टी का दीपक भी इन पांच तत्वों का प्रतिनिधित्व करता है। मिट्टी का दीपक वर्तमान का प्रतीक माना गया है, जबकि उसमें जलने वाली

प्रज्ज्वलित 'लौ' भूतकाल का प्रतीक होती है। जब हम रुई की बाती डालकर दीप प्रज्जवलित करते हैं तो वह आकाश, स्वर्ग और भविष्यकाल का प्रतिनिधित्व करती है। मिट्टी मंगल ग्रह का प्रतीक है और मंगल साहस और पराक्रम का। तेल शनि भगवान का प्रतीक है। वहीं पर मिट्टी के दीपक में घी समृद्धि व शुक्र का प्रतीक माना जाता है।आज दीपावली इलैक्ट्रिक लाइटों का त्योहार हो गई है। सच तो यह है कि आधुनिकता, शहरीकरण की चकाचौंध में हमारे प्राचीन रीति-रिवाज आज बहुत पीछे छूट रहे हैं। हिंदू धर्म में मिट्टी के दीपकों का बहुत महत्व है। पूजा-अर्चना से लेकर जन्म-मरण के विधि-विधानों में मिट्टी के दीपक जलाने की परंपरा हमारे देश में रही है। दीपक में ईश्वर का वास माना जाता है, इनमें देवी-देवताओं का तेज होता है, सकारात्मक ऊर्जा होती है। ऋग्वेद काल से लेकर हर युग व काल में दीपकों का महत्व किसी से छुपा नहीं हुआ है। हमारे वेदों, उपनिषदों में गाय के घी से दीपक जलाने के अनेक वर्णन मिलते हैं। वर्णन मिलता है कि द्वापर युग में कृष्ण के नरकासुर राक्षस वध के बाद वहां के वासियों ने दीपक जलाकर जीत की खुशी को प्रकट किया था। वास्तव में दीपक आत्मा के परमात्मा से मिलन का मार्ग खोलता है। मिट्टी का दीपक वास्तु दोष को समाप्त करने की अद्भुत क्षमता रखता है। आज घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों में रंग-बिरंगी लाइटें, झालरें भले ही जगमगाती हों लेकिन मिट्टी के दीपकों की आभा और नूर कुछ अलग ही दमकता व झलकता है। मिट्टी के दीपक जब जलते हैं तो वे हमें किसी दिव्यलोक का सा अहसास कराते हैं। मिट्टी के दीपक दुःख, आलस्य, निर्धनता को दूर करके जीवन में सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य, खुशी, स्फूर्ति, आनंद, ऐश्वर्य लाते हैं। आज मिट्टी के दीपकों से भले ही महंगाई के कारण, आधुनिकता व पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति के प्रभाव के कारण, मिट्टी के दीपकों में तेल-बाती डालने के झंझटों के कारण भले ही मोह भंग हो गया हो, लेकिन मिट्टी के दीये के मुकाबले इलैक्ट्रोनिक लाइटें, झालरें, लड़ियों के प्रकाश की आभा कहीं भी नहीं ठहरती है। मिट्टी के दीपक जहां कीट-पतंगों का नाश करते हैं और हमारे पर्यावरण को शुद्ध बनाते हैं वहीं इलैक्ट्रोनिक लाइटें यह सब संभव नहीं कर पातीं हैं। आज कृत्रिम लाइटें, झालरें, लड़ियां कुम्हारों के रोजगार पर भी आफ़त बनकर टूट रही है। चाइनीज़ लाइटों, झालरों, लड़ियों के उपयोग से हम अपने देश की अर्थव्यवस्था पर भी कहीं न कहीं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डाल रहे होते हैं। पर्यावरण संरक्षण तो दूर की बात इसलिए रह जाती है क्योंकि दिवाली पर होने वाले पटाखों के प्रदूषण को हम मिट्टी के दीपक जलाकर रोकते नहीं है। हमारा संपूर्ण ध्यान आधुनिक चकाचौंध पर होता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि मिट्टी का एक छोटा सा दीया गहरे अंधकार में भी उजास की लौ जलाकर रखता है। मिट्टी से मानवजाति का जन्म-जन्मांतर का रिश्ता है और हम इस रिश्ते को लगातार भूल रहे हैं। मिट्टी हमारे पर्यावरण, हमारे परिवेश का अहम और महत्वपूर्ण हिस्सा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला हो या माता पार्वती के जन्म की कहानी, मिट्टी का हर युग में वर्णन मिलता है। भारतीय संस्कृति में दीपों का इतिहास अति प्राचीन है। विशेषज्ञों व इतिहासकारों के मत के अनुसार शुरूआत में दीपक पत्थर को तराशकर बनाए गए होंगे, लेकिन धीरे-धीरे सभ्यता के विकास के साथ मिट्टी के दीपक बने। जानकारी मिलती है कि दीयाबत्ती या मोमबत्ती का आविष्कार भी 5 हजार साल से पहले हो गया था और इसके लिए वनस्पति तेल या जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल होता था। ऐसी जानकारी मिलती है कि घरों में रौशनी के लिए मशालों, दीपकों और लालटेनों का विकास प्राचीन भारत, चीन और मिस्र की सभ्यताओं में हो गया था।पुरातत्विदों को सिंधु घाटी सभ्यता से आगे हर सभ्यताओं व विभिन्न राजवंशो के खुदाई में विभिन्न प्रकार के दीये प्राप्त हुए हैं।

दीपावली का पावन त्योहार बहुत ही हर्ष,खुशी, उमंग व उल्लास के साथ मनाते हैं। त्योहार कोई भी हो, हंसी-खुशी, समृद्धि, सकारात्मकता, पवित्रता व असीम ऊर्जा का प्रतीक होता है। आज भी दीपावली मनाई जाती है, पहले भी मनाई जाती थी लेकिन समय का रंग हमारे सभी त्योहारों पर ऐसा चढ़ गया है कि अब हर त्योहार आधुनिकता, शहरीकरण,दिखावे, बनावटीपन व पाश्चात्य संस्कृति के रंग में रंगते चले जा रहे हैं, और दीपावली का त्योहार भी इन सबसे अछूता नहीं रहा है।

दृष्टि कोण

कश्मीर युद्ध के गुमनाम नायक शेर जंग थापा

बाईस अक्तूबर 1947 को पाक सेना ने हजारों कबायली लड़ाकों के साथ जम्मू-कश्मीर रियासत पर हमला कर दिया था। जम्मू-कश्मीर के शासक 'हरि सिंह' के लिए परिस्थितियां गंभीर हो चुकी थीं। 26 अक्तूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर रियासत का भारत में इलहाक हुआ तो रियासत की स्टेट फोर्सेज भितरघात का शिकार हो गई। गिलगित व बलोचिस्तान की सुरक्षा में तैनात जम्मू-कश्मीर राज्य की फोर्स 'गिलगित स्काउट' तथा सैंकड़ों मुस्लिम सैनिक विद्रोह करके पाक सेना से जा मिले थे। गिलगित स्काउट के कमांडर मेजर 'विलियम ए ब्राउन' ने गिलगित के गवर्नर ब्रिगेडियर 'घनसारा सिंह' को कैद करके एक नवंबर 1947 को अपने मुख्यालय पर पाकिस्तान का परचम फहरा दिया था। गिलगित एजेंसी की सीमा पर 'बुंजी' में तैनात 'जम्मू कश्मीर इन्फैंट्री' की 'छठी' बटालियन के कर्नल 'अब्दुल मजीद खान' को भी कैद कर लिया गया था। उसी बटालियन के कैप्टन 'मिर्जा हसन खान' ने सैंकड़ों मुस्लिम सैनिकों के साथ मिलकर बगावत को अंजाम देकर बुंजी के निकट 'जंगलोट' में तैनात अपनी ही सिख कंपनी पर हमला करके कई सिखों को हलाक कर दिया तथा पाक सेना से जा मिले थे। उसी छठी जम्मू कश्मीर इन्फैंट्री में सेवारत हिमाचल के 'शेर जंग थापा' उस समय अपनी एक कंपनी के साथ लद्दाख सेक्टर में तैनात थे। शेर जंग थापा को कर्नल पद पर पदोन्नत करके स्कर्दू में अपनी बटालियन की कमान संभालने का आदेश मिला। लद्दाख से स्कर्दू तक का सफर पैदल तय करके शेर जंग तीन दिसंबर 1947 को स्कर्दू पहुंचे। शेर जंग ने कैप्टन कृष्ण सिंह के नेतृत्व में सिख सैनिकों को 'त्सारी' तथा कैप्टन 'गंगा सिंह' के नेतृत्व में एक सैन्य दस्ता 'कारगिल' में तैनात किया। मात्र साठ सैनिकों के साथ शेर जंग ने स्कर्दू में मोर्चा संभाला। दस फरवरी 1948 को कैप्टन प्रभात सिंह दो कंपनियों के साथ शेर जंग की सहायता के लिए स्कर्दू पहुंचे, मगर शेर जंग की बटालियन के कैप्टन 'नेक आलम' ने अपने मुस्लिम सैनिकों के साथ पाक फौज से मिलकर दस फरवरी 1948 को स्कर्दू के त्सारी में तैनात सिख कंपनी पर हमला करके कैप्टन कृष्ण सिंह सहित लगभग पूरी कंपनी को हलाक करके पाक सेना में शामिल हो गया। 12 फरवरी 1948 को पाक फौज ने स्कर्दू किले की घेराबंदी करके हमले शुरू कर दिए। शेर जंग के नेतृत्व में सैनिक पाक फौज के हमलों को नाकाम करते रहे, लेकिन पाक फौज की उस बड़े पैमाने की घेराबंदी के बाद शेर जंग को सैन्य सहायता नसीब नहीं हुई थी। जम्मू-कश्मीर राज्य बलों से बगावत करके पाक सेना से जा मिले कर्नल बुरहानुद्दीन, मोहम्मद खान व बाबर खान गिलगित स्काउट की कमान संभाल कर स्कर्दू किले को घेर चुके थे। शेर जंग की बटालियन के भगोड़े कर्नल 'एहसान अली' की कयादत में 'आईबेक्स फोर्स' तथा चित्राल रियासत के 'चित्राल स्काउट व चित्राल बाडीगार्ड' के साथ सैंकड़ों कबाइली व पश्तून लड़ाकों को कर्नल मताउल मुल्क की कमान में पाक सिपाहसालारों ने स्कूर्द किले की घेराबंदी में तैनात किया था। मिर्जा हसन खान को बुंजी सेक्टर का गर्वनर तथा कर्नल 'असलम खान' 'पाशा' को गिलगित स्काउट का कमांडर नियुक्त कर दिया था। शेर जंग की मदद के लिए ब्रिगेडियर 'फकीर सिंह' तथा कर्नल संपूर्ण बचन सिंह की कमान में दो बड़े सैन्य दल श्रीनगर से सैंकड़ों मीलों का पैदल सफर तय करके स्कर्दू के लिए जरूर निकले थे। मगर उसी गिलगित स्काउट के सैनिकों ने उन सैन्य दस्तों पर घात लगाकर हमले किए जिसमें बड़ी संख्या में सैनिक शहीद हुए। नतीजतन कोई भी सैन्य दल स्कर्दू तक नहीं पहुंच सका। दरअसल जम्मू से श्रीनगर, जोजिला, कारगिल, द्रास से स्कर्दू तक का सैंकड़ों मीलों का पैदल सफर, भीषण ठंड, बेहद दुर्गम क्षेत्र हमारे सैनिकों के लिए चुनौती बन चुका था। पाक सेना सभी रास्तों पर किलेबंदी कर चुकी थी। जम्मू कश्मीर रियासत के सैंकड़ों मुस्लिम सैनिक पाक सेना का हिस्सा बनकर कश्मीर के स्कर्दू व लद्दाख के महाज पर लड़ रहे थे। स्कर्दू के बचाव के लिए जितनी सेना व हथियारों की जरूरत थी, उतनी तादाद में सैनिक व असलाह शेर जंग तक नहीं पहुंचा। 17 जून 1948 को पाक फौज ने शेर जंग को आत्मसमर्पण का पैगाम भेजा जिसे शेर जंग ने ठुकरा दिया था। 12 अगस्त 1948 को पाक फौज ने स्कर्दू किले पर जोरदार हमला किया। शेर जंग के सैनिकों ने पलटवार करके कई पाक सैनिकों को हलाक करके वो हमला नाकाम किया, मगर स्कर्दू किले में गोला बारूद व खाद्य आपूर्ति समाप्त हो चुकी थी। आखिर भारतीय सेना के श्रीनगर डिवीजन के कमांडर के अनुरोध पर कर्नल शेर जंग थापा ने स्कर्दू किले को छोडने का फैसला लिया।

कुछ अलग

मध्यमवर्गीय व्यथा अनंता

कामलीला मैदान समस्त मैदानों में सबसे खास है। वहां पर वर्ग इंतकाम यज्ञ चल रहा था। एक दिन सोमेश मुनि वहां पधारे। तब वहां पर एकत्रित समस्त पाक शास्त्रियों ने उनसे अनुरोध किया कि वे उन्हें लोकतंत्र के वर्ग महापुराण की कथा व्यथा सुनाएं। उनके अनुरोध पर पहले उन्होंने उच्च वर्ग की कथाएं विस्तार से सुनाईं और फिर निम्न वर्ग की। अंत में उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण मध्मवर्गीय जीव की कथा सुनाते कहा, 'हे मस्तशास्त्रीगण! तीनों वर्गों में यह वर्ग सबसे महत्वूपर्ण है। ये जो मध्यमवर्ग है, यह वर्ग अनंत, इसकी कथा व्यथा अनंता। इस वर्ग के माहात्मय का वैसे तो कोई वर्णन नहीं कर सकता। मध्यमवर्ग अनंत असफल इच्छाएं-आकांक्षाएं धारण करने वाला वर्ग है। इसके मुख पर पल में प्रसन्नता के तो पल में दुःख के भाव आते-जाते रहते हैं। इस वर्ग के कदम-कदम पर विघ्नों का वास रहता है। इस वर्ग का जीव बहुत भावुक टाइप का जीव होता है। यह दिखावे को ही हुंकार भरता है। इसके पास डरपोक भावनाओं के सिवाय और कुछ नहीं होता। भावनाएं ही इसकी पूंजी होती हैं। इसका शोषण करने की कुंजी होती है। इस वर्ग का जीव अपने मरने को लेकर उतना भावुक नहीं होता जितना वह दूसरों के जीने को लेकर भावुक होता है। यह खुद जीते-जीते मरो और दूसरों के जीने दो के सिद्धांत का मौन समर्थक होता है। इस वर्ग का जीव शर्म से बहुत डरता है। इसीलिए भगवान का नाम लेते हुए कदम कदम पर ईमानदारी की बात करता है। इसे हुज्जत नहीं, इज्जत प्यारी होती है। इसे लगता है जो इसकी इज्जत की पतलून उतर गई तो वह निम्न मध्यमवर्ग में जा गिरेगा। वह गिरना नहीं, उठना चाहता है। इसी चक्कर में वह लूटना नहीं लुटना चाहता है। इस वर्ग का जीव रिश्तों को लेकर बहुत भावुक होता है। इसे लगता है कि जो उसने जो रिश्ते न निभाए तो इस दुनिया से रिश्तों पर से विश्वास उठ जाएगा। रिश्तेदार उस पर थूकेंगे। रिश्तेदार उस पर मूतेंगे। इसलिए यह रिश्ते बचाते बचाते मर जाता है। मरने के बाद भी रिश्ते निभाते निभाते रिश्तेदारों से जूते खाता है। जिसकी किस्मत में मरने के बाद भी जूते खाना लिखा हो, उसे आप मजे से आंखें बंद किए मध्यमवर्ग श्रेणी के जीव में रख सकते हैं। इसके जीते जी तो जीते जी, इसके मरने के बाद भी आपके मन में जो आए उसे पूरे उत्साह से बक सकते हैं। यह किसी के बके का बुरा नहीं मानता। क्योंकि मरने से पहले और मरने के बाद जूते खाना इस वर्ग के जीव की नियति होती है। परिवार को उच्च वर्ग में लाने की कोशिश में मरते मरते मरने के बाद पैसे बचाने के चक्कर में बिन गाय के ही यह वैतरणी पार कर जाता है। फिर मरने के बाद भी मर चुके रिश्ते निभाता है। रिश्तों के बचे कर्ज चुकाता है। यमलोक के किसी भी बैंक से जैसे तैसे फिर लोन लेकर। मृत्युलोक के बैंकों का डिफाल्टर रहा हो तो रहा हो। मरने के बाद भी बैंक का डिफाल्टर होना इस वर्ग के हेड जीव का सौभाग्य है। जिस मध्यमवर्गीय परिवार का हेड जीव लिया लोन चुका मरता है, वह नरक को जाता है। जो मध्यवर्गीय हेड दसियों बैंकों का डिफाल्टर होकर मरता है, स्वर्ग में उसकी जय जयकार होती है। इस वर्ग का जीव उतना अपने को लेकर भावुक नहीं होता जितना वह तीज त्योहारों वारों को लेकर भावुक होता है। इसे लगता है कि जो यह तीज त्योहार नहीं मनाएगा तो तीज त्योहारों को अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। इसलिए यह हर तीज त्योहार को अपनी जेब को ताक पर रख उसे पूरे उल्लास से डरते मरते पूरे अधूरे उल्लास, उखड़ी सांस से मनाता है। हर त्योहार को मनाने के बाद रात को त्योहार को मनाने के लिए लोन को हटाने के बारे में सोचता सोचता नींद न आने पर भी सो जाता है। जब भी कोई त्योहार आता है तो बीवी और विज्ञापन इसके दिमाग की धडकनें और बढ़ा देते हैं। तब इसका बीपी बढ़ जाता है। पर इसकी विवशता! न तो वह बीवी को छोड़ सकता है, न विज्ञापनों को।

देश दुनिया से

भ्रष्टाचार-महंगाई रोकने के उपाय

भ्रष्टाचार और महंगाई दो ऐसे सुरसा के खुले मुंह जैसे रोग हैं जो देश में बढ़ते ही जा रहे हैं और हर सरकार यह घोषणा करती है कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन देगी और महंगाई नियंत्रित करेगी, पर जिस देश में आधे से ज्यादा सांसद, विधायक दागी हों, अरबपति हों और नोट देकर वोट खरीदते हों, वहां भ्रष्टाचार समाप्त करने की बात दिवास्वप्न जैसी ही लगती है। सबसे पहला भ्रष्टाचार तो वहां शुरू हो जाता है जहां चुनाव लडने वाले जो विवरण चुनावी खर्च का देते हैं, उसे 99 प्रतिशत प्रत्याशियों का चुनाव आयोग स्वीकार कर लेता है। कौन नहीं जानता कि धन बल, बाहुबल और शराब की नदियां बहाकर अधिकतर चुनावी संग्राम जीते जाते हैं। जीतने वाले और हारने वाले दोनों इन्हीं शस्त्रों का सहारा लेते हैं, पर पूरे देश में न महंगाई नियंत्रण में हुई और न भ्रष्टाचार। यह ठीक है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भ्रष्टाचार नियंत्रण करने की बात कही थी और उन्होंने अपने समय में विधायक समेत कई प्रमुख लोगों को जेल में भिजवाया। आईएएस, आईपीएस तक के अधिकारी पकड़े गए और अभी कुछ दिन पूर्व ही पंजाब के मुक्तसर के एडीसी भी सलाखों के पीछे पहुंच गए। मेरा यह मानना है कि जो भी नेता या अधिकारी अनुचित अवैध साधनों से कमाया धन घर लाता है, उसके परिवार को, बच्चों को, पत्नी को उसकी पूरी जानकारी होती है, क्योंकि उसी धन के बल पर वे आकाश पर उड़ते हैं और देश-दुनिया घूमते हैं। वैसे यह हर दिन का समाचार है कि पुलिस के कनिष्ठ, वरिष्ठ बहुत से कर्मचारी पकड़े गए। नागरिक प्रशासन के लोग भी पकड़े गए और सत्ता पक्ष के कुछ कार्यकर्ता भी जो रिश्वत मांगते या बिचौलिये का काम करते थे, पकड़ लिए। यह भ्रष्टाचार को नकेल डालने का एक स्वस्थ प्रयास है। वैसे रिश्वत लेने वाले कुछ ज्यादा ही हिम्मत रखते हैं। यह देखने के बाद भी कि रिश्वत लेने वाले पकड़े गए, अपमानित हुए, जेलों में भेजे गए और उनके रिटायरमेंट के सारे लाभ खत्म हो रहे हैं, फिर भी वे हिम्मत करके रिश्वत ले ही लेते हैं, लेकिन यह मानना पड़ेगा कि जब तक नैतिक मूल्यों की समाज में ज्यादा मान्यता नहीं होती, दंड से ही भ्रष्टाचार रोकना होगा। लड़ाई अभी बहुत लंबी है, पर इसके लिए एक काम तो करना ही पड़ेगा, वह है परिवार का रिश्वत के पैसे को नकार देना। मैं यह विश्वास रखती हूं कि अगर परिवार की महिलाएं, माता, पत्नी, बेटियां अपने पति-पिता-पुत्र को यह सख्ती से समझा दें कि घर में मेहनत की कमाई आएगी, रिश्वत की नहीं, तब बहुत अंतर पड़ सकता है, पर अब तो महिला अधिकारी भी रिश्वत लेने में संकोच नहीं करतीं। इसलिए यह परिवार के किशोर और युवा बच्चों को निर्णय लेना होगा कि उन्हें पिता की रिश्वत की कमाई से सुख सुविधाएं चाहिए या पिता का सम्मान और मेहनत की रोटी चाहिए। जिस दिन बच्चे पिता द्वारा आमदनी से अधिक लाया धन, उपहार और अन्य सुविधाएं पूरी तरह से नकार देंगे तब एक बहुत बड़ा परिवर्तन समाज में देखने को मिलेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। वैसे महिलाएं भी बहुत कुछ बदल सकती हैं। मैंने बार-बार यह लिखा है व समाज को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि अगर देश की महिलाएं और परिवार के बच्चे यह तय कर लें कि वे सीमित साधनों में ही अपना गुजर बसर कर लेंगे तो रिश्वत लेने-देने की बीमारी काफी कम हो जाएगी। मेरा यह भी मानना है कि अगर विवाह शादियों पर भारी खर्च और अमीरी का प्रदर्शन बंद हो जाए तब भी कुछ ऐसे अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार से दूर रहेंगे जो यह तर्क देते हैं कि बच्चों की शादी के कारण उन्हें अनुचित साधनों से धन कमाना पड़ता है। राजस्थान के इतिहास में महारानी महामाया का बहुत सुंदर उदाहरण मिलता है। जब उसने यह तय कर लिया कि युद्ध में पीठ दिखा कर आए पति को किले में प्रवेश नहीं करने देगी और पति को यह आदेश सुना दिया कि उसका स्वागत होगा, पर जब वह विजयी अथवा रण क्षेत्र में शहीद होकर आएगा। इसका पूरा असर हुआ और पूरी शक्ति से शत्रुओं से जूझते हुए महाराजा जसवंत सिंह विजयी होकर वापस आए। इसी प्रकार अगर आज की महिलाएं, परिवारों के बच्चे यह संकल्प कर लें कि पिता, पति अथवा पुत्र द्वारा अनुचित साधनों से कमाया, घर लाया धन स्वीकार नहीं करेंगे तो अधिकतर लोग रिश्वत के मोह से बचेंगे और अपने देश को दीमक की तरह खा रही यह भ्रष्टाचार की बीमारी नियंत्रण में आ जाएगी। वैसे भी होना यह चाहिए कि जो अधिकारी या कर्मचारी, महिला या पुरुष कोई भी हो, अनैतिक साधनों से धन कमा कर लाता है, अगर उसका परिवार इस धन संपत्ति को स्वीकार कर ले तो उसे भी अपराधी घोषित किया जाना चाहिए। कुछ वर्ष पहले ही दिल्ली की एक अदालत ने रिश्वत लेने वाले अधिकारी की पत्नी को रिश्वत लेने के आरोप में दंडित किया था। भारतीय दंड संहिता की धारा 379, 380, जो अब बदल गई, के अंतर्गत चोरी का अपराध करने वाले को सजा होती है, पर साथ ही जो व्यक्ति जानते हुए भी कि वह जो वस्तु या धन संपत्ति स्वीकार कर रहा है चोरी का माल है, उसे भी भारतीय दंड संहिता की धारा 411 (पुरानी) के अंतर्गत गिरफ्तार करके सजा दिलवाई जाती है। अब इसका सीधा अर्थ यह है कि जो परिवार पति या परिवार के मुखिया द्वारा रिश्वत के रूप में लाई हुई धन संपत्ति को स्वीकार करता है उसे भी सलाखों के पीछे होना ही चाहिए। अगर इस धारा का सख्ती से पालन किया जाए तो बहुत से परिजन अपने परिवार के मुखिया को भ्रष्ट साधनों से धन कमाने से रोक लेंगे। एक पटवारी या एक डॉक्टर या एक वरिष्ठ अधिकारी पकड़ में आ गया तो यह नहीं समझ लेना चाहिए कि रिश्वतखोरों पर नकेल कसी गई। जब तक इस देश के चुनाव लडने वाले नेताओं के परोक्ष धन स्रोतों का पता लगा कर सब कुछ पकड़ा नहीं जाएगा, तब तक प्रशासनिक क्षेत्र से भी रिश्वत बंद नहीं हो सकती। जब तक ट्रांसफर करवाने और मनचाहे पदों पर नियुक्ति पाने के लिए इस देश और समाज में चांदी के पहियों का सहारा लिया जाएगा, तब तक कुछ वरिष्ठ अथवा कनिष्ठ अधिकारियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार करके पीठ थपथपाने वाली सरकारी मशीनरी कभी भी इस बुराई को दूर नहीं कर सकती।

भ्रष्टाचार मुक्त शासन देगी और महंगाई नियंत्रित करेगी, पर जिस देश में आधे से ज्यादा सांसद, विधायक दागी हों, अरबपति हों और नोट देकर वोट खरीदते हों, वहां भ्रष्टाचार समाप्त करने की बात दिवास्वप्न जैसी ही लगती है। सबसे पहला भ्रष्टाचार तो वहां शुरू हो जाता है जहां चुनाव लडने वाले जो विवरण चुनावी खर्च का देते हैं, उसे 99 प्रतिशत प्रत्याशियों का चुनाव आयोग स्वीकार कर लेता है।

आप का नजरिया

त्यौहार के साथ लौटता हिमाचल

हिमाचल को देखने और मिलने आती दिवाली के पहियों पर, पथ परिवहन निगम की भूमिका के दीये भी जलते हैं साल जब-जब मनाता है त्योहार। इस बार विशेष गाडियों की रफ्तार सौ से शुरू होकर 155 सरकारी बसों तक पहुंच गई। त्योहार की पलकों पर हिमाचल की लौटती आशाएं पहाड़ पर समृद्धि की चांदनी लेकर भी आती हैं। यह चांदनी दूर किसी मंजिल पर जिंदगी को फतह करने के मंसूबों से रूबरू है, तो कदमताल करते प्रदेश के रास्तों को संभावना के अक्स पर खड़ा कर देती है। इस दौरान अगर सरकारी बसों में दस हजार लोग लौट रहे हैं, तो निजी वाहनों, वोल्वो व अन्य प्रदेशों की बसों से हजारों युवा अपने रोजगार के सेतु से घर-परिवार तक कुशलक्षेम पूछने पहुंच जाते हैं। रोजगार होना और रोजगार के योग्य होने में अंतर है। लौटते बीबीएन से युवा भी अपनी कहानी सुना देते हैं, लेकिन जिन मुहानों को छूकर बाहरी प्रदेशों से आते हैं, वहां प्रवासी होने के मायने दिखाई देते हैं। दिवाली मोटे तौर पर हजारों लोगों की वापसी नहीं, बल्कि जिंदगी से हासिल लम्हों के साथ लौटना है। अब यह हिमाचल रोजाना भी दौड़ता है और जब से फोरलेन निर्माण के साथ मंजिलें और गंतव्य नजदीक आ रहे हैं, रफ्तार का आलम राज्य में भी तस्वीर बदल रहा है। ऐसे में हमें रोजगार के हब खड़े करने हैं। विडंबना यह है कि औद्योगिक क्रांति ने प्रदेश के सीमांत इलाकों में आर्थिकी की पदचाप तो सुनी, लेकिन ये क्षेत्र रोजगार के सही मायने में डेस्टिनेशन नहीं बने। क्यों हिमाचली युवा प्रदेश की सीमा लांघते ही क्षमतावान हो जाता है। उसके चेहरे पर आत्मविश्वास और करियर की संभावना का विस्तार हो जाता है। बेशक हिमाचल के औद्योगिक क्षेत्रों में नौकरियां बढ़ रही हैं, लेकिन रोजगार की सीढियां वहीं की वहीं हैं। वहां रोजगार का चेहरा दिहाड़ी सरीखा और भविष्य का एक कमजोर पक्ष है, जबकि देश की खाक छानकर युवा जो प्रोफेशन अपना रहे हैं, वहां का माहौल बीबीएन में स्थापित नहीं हो सका। रोज शाम ढलते बीबीएन की पोशाक में वह रुतबा नहीं, जो चंडीगढ़, दिल्ली, नोएडा, हैदराबाद, पुणे, मुंबई या ऐसे अनेक शहरों की अमानत में है। बीबीएन से एक पूरा राज्य अन्य प्रदेशों को लौटता और पूरे हिमाचल से लौटते हैं हर दिन सैंकड़ों प्रवासी। यहां की गाडियों के पहिए उन्हें उठाकर लाते हैं ताकि चिमनियों के धुएं में इनसान का परिश्रम उनके नाम हो जाए। हिमाचल का रोजगार हिमाचल के काम आए, इसके लिए भूमि और भूमिका में बदलाव चाहिए। जिस जमीन पर उद्योग या व्यापार खड़ा हो रहा है, वहां का रोजगार हिमाचली युवाओं के लिए सुनिश्चित हो, इसके लिए सोच, समझ और रास्ते बदलने पडेंगे। लौटते हिमाचल की रगों में सफलता का ऐसा नशा, यहां रहते हुए भी तो पैदा हो सकता है, बशर्ते रोजगार के सृजन में प्रदेश की क्षमता के अवसर मिलें। हिमाचल प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों, कालेजों व विभिन्न संस्थानों ने सूचना प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रम को बेहद बांट दिया, लेकिन डिग्री कंगाल हो गई।

दीपोत्सव 2024 : ऐसा लग रहा फिर से लौट आया है त्रेतायुग: संत समाज

अयोध्या, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।
अयोध्या में इस वर्ष का दीपोत्सव एक ऐतिहासिक पर्व बन गया है। प्रभु श्रीरामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद इस पर्व ने संतों और श्रद्धालुओं में एक विशेष उत्साह उत्पन्न किया है। अयोध्या के संत समाज ने इस दीपोत्सव पर विशेष हर्षोल्लास व्यक्त करते हुए इसे एक अद्वितीय आयोजन बताया है, जो 500 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद संभव हुआ है।

अयोध्या के दशरथ महल के महंत बिंदु गद्याचार्य स्वामी देवेन्द्र प्रसादाचार्य ने दीपोत्सव को सनातन धर्म की धरोहर बताया।

उन्होंने कहा, दीपावली और दीपोत्सव सनातन धर्म का आधार हैं, और इस बार का दीपोत्सव विशेष है क्योंकि प्रभु श्रीराम का अयोध्या में अपने धाम पर पुनः आगमन हुआ है। यह दीपोत्सव हमारे प्रभु श्रीराम को आस्था और श्रद्धा व्यक्त करने का एक अद्वितीय अवसर है, जिससे संतजन हर्षित और पुलकित हैं। संतों का मानना है कि अयोध्या वही दृश्य फिर से प्रस्तुत कर रही है जो त्रेतायुग में श्रीराम के आगमन पर देखने को मिला था।

संत समाज ने मौजूदा योगी सरकार का आभार भी व्यक्त किया है। उनका मानना है कि श्रीरामलला के पुनः विराजमान होने का यह दिव्य अवसर सरकार के प्रयासों का परिणाम है। संतों का कहना है कि सरकार ने अयोध्या की इस धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को फिर से संजीवित किया है, जिससे संपूर्ण संत समाज में प्रसन्नता है।

चौभुजी मंदिर के महंत बृजमोहन दास महाराज ने दीपोत्सव के इस अद्वितीय अवसर पर अपनी रचित पंक्तियों के माध्यम से अपनी भावना व्यक्त की। उनका कहना है कि श्रीरामलला के अयोध्या में विराजमान होने से न केवल संत समाज, बल्कि अयोध्या की पूरी जनता गर्वित है और इस दीपोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है।

बधाई भवन मंदिर के संत महंत राजीव लोचन शरण महाराज ने कहा, जैसे त्रेतायुग में भगवान के अयोध्या आगमन पर जो दिव्य दृश्य था, वह आज पुनः हमारे सामने है। हम संतजन इस ऐतिहासिक क्षण को देखकर हर्षित हैं और इस दीपोत्सव में अद्वितीय उत्साह के साथ शामिल हो रहे हैं।

अयोध्या में सरयू तट से लेकर श्रीराम लला मंदिर और अन्य विभिन्न मंदिरों में दीप जलाकर इस अद्वितीय दीपोत्सव को मनाने की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। संत समाज, श्रद्धालुओं और सरकार के सामूहिक प्रयासों से यह दीपोत्सव न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह संपूर्ण विश्व में अयोध्या की दिव्यता और आस्था का संदेश भी प्रसारित कर रहा है। इस ऐतिहासिक दीपोत्सव में संतों की भावनाएं और आस्था झलक रही हैं, जो अयोध्या को एक विशेष आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान कर रही है।

महाकुंभ 2025 : विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन की भव्य तैयारियां

प्रयागराज, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुंभ की नव्यता, दिव्यता और भव्यता का एहसास करना चाहती है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में हजारों करोड़ की विकास परियोजनाएं मूर्त रूप ले रही हैं। इसके परिणाम स्वरूप महाकुंभ ने एक नया आकार लेना शुरू कर दिया है।

प्रयागराज आने वाले श्रद्धालु और यहां कई महाकुंभ के साक्षी बने पुरोहित इतने बड़े स्तर पर हो रहे विकास कार्य को किसी आश्चर्य से कम नहीं मानते। उनका कहना है कि यह केवल योगी आदित्यनाथ की सरकार में ही संभव है। नहीं तो पूर्व की सरकारों ने यहां पर कोई ध्यान नहीं दिया। प्रयागराज की धार्मिक एवं आध्यात्मिक विरासत के लेखक अनुपम परिहार ने अपनी पुस्तक में योगी सरकार के कई ऐतिहासिक निर्णयों का स्पष्ट उल्लेख किया है। उन्होंने लिखा है कि पूर्व की सरकारों के रुचि न लेने के कारण यहां द्वादश माधव की परिक्रमा तक बंद कर दी गई थी। तीर्थराज में द्वादश माधव की परिक्रमा 1991 के बाद से नहीं हो पा रही थी। जिसे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत स्वर्गीय नरेंद्र गिरि और महामंत्री महंत हरि गिरि की पहल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधिवत रूप से शुरू करवाया। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर 6 फरवरी 2019 में कुंभ के दौरान द्वादश माधव की परिक्रमा शुरू की गई। जिसका लाभ देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ साथ स्थानीय पुरोहितों और संतों को भी हुआ। सीएम योगी की शुरुआत के बाद से आज भी यह परिक्रमा जारी है। प्रदेश सरकार ने महाकुंभ के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं। इसके साथ साथ धार्मिक स्थलों के लिए अलग से करोड़ों रुपए का बजट जारी किया गया है।

धार्मिक आस्था एवं पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण प्रयागराज के विभिन्न मंदिरों और पौराणिक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इनमें अक्षयवट, सरस्वती कूप, पातालपुरी, बड़े हनुमान मंदिर, द्वादश माधव मंदिर, भरद्वाज आश्रम, नागवासुकी मंदिर और श्रृंगवेरपुर धाम का सौंदर्यीकरण सरकार की प्राथमिकता में है। यहां कई करोड़ खर्च कर सरकार जीर्णोद्धार का कार्य कर रही है। इन धार्मिक स्थलों के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से योगी सरकार की योजना महाकुंभ के साथ-साथ प्रयागराज के पुरातन वैभव को वापस लाने की है। महाकुंभ के दौरान यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र होंगे।

यूपी और उत्तराखंड में दीपावली पर दो दिन की छुट्टी

लखनऊ/देहरादून, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और उत्तराखंड की धामी सरकार ने दिवाली पर दो दिन के अवकाश की घोषणा की है। दोनों प्रदेशों में 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक दीपावली के अवकाश की घोषणा की है। हालांकि इसके बदले 9 नवंबर को सरकारी दफ्तर सामान्य दिनों की तरह खुलेंगे। वहीं उत्तराखंड में प्रकाश पर्व दीपावली पर सरकारी कर्मचारियों को दो दिन की छुट्टी मिलेगी। सरकार ने 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को छुट्टी संबंधी शासनादेश बुधवार को जारी कर दिया है। उत्तराखंड में पहले 1 नवंबर को दीपावली का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था, फिर 31 अक्टूबर कर दिया गया। इसी बीच उत्तराखंड शासन ने 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को दो दिन का दीपावली का अवकाश घोषित कर दिया है।

यूपी में एक नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया है। दिवाली 31 अक्टूबर को है। पहले इस दिन सरकारी कार्यालय खुले हुए थे। आज सरकार ने इसकी घोषणा की है।

इस घोषणा के बाद प्रदेश सरकार के विभिन्न कार्यालय और माध्यमिक स्कूल एक नवंबर को बंद हो जाएंगे। सरकार के इस फैसले से सरकारी कर्मचारियों को एक तरह से दिवाली का तोहफा मिला है।

प्रदेश में एक तरफ जहां बेसिक विद्यालयों में 30 अक्टूबर से तीन नवंबर तक नरक चर्तुदशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज आदि की छुट्टियां हैं। वहीं माध्यमिक विद्यालयों में 30-31 अक्टूबर को ही छुट्टी है। एक नवंबर शुक्रवार को विद्यालय खुलेंगे और दो को फिर गोवर्धन पूजा की छुट्टी है।

इसे लेकर शिक्षकों में नाराजगी है तो छात्र और अभिभावक भी परेशान हैं।

दरअसल, 30 अक्टूबर से तीन नवंबर तक लगातार त्यौहार पड़ रहे हैं। इसकी वजह से न सिर्फ बेसिक बल्कि कई विश्वविद्यालयों ने भी 30 अक्टूबर से तीन नवंबर तक छुट्टी घोषित कर रखी है। किंतु एक नवंबर को माध्यमिक विद्यालय खुले हैं।

हालांकि इस दिन कार्तिक अमावस्या पड़ रही है। शिक्षकों व अभिभावकों को कहना है कि बीच में एक दिन स्कूल खुलने से बाहर जाने वाले लोग दीपावली पर भी अपने घर नहीं जा पाएंगे। सरकार के इस आदेश के बाद माध्यमिक स्कूलों के साथ-साथ प्रदेश सरकार के कर्मचारियों को राहत मिलेगी।

दीपावली 31 अक्टूबर को मनाएं या 1 नवंबर को, इसे लेकर चल रहे भ्रम को प्रमुख ज्योतिषाचार्यों ने दूर किया है। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक 31 अक्टूबर को दीपावली मनाना उत्तम होगा।

31 को सूर्यास्त के डेढ़ घंटे बाद लक्ष्मी और गणेश पूजा का मुहूर्त शुरू होगा। विशेष मुहूर्त शाम 6:48 से 8:18 बजे के बीच है। सूर्यास्त के बाद पूरी रात पूजन के लिए अच्छा समय रहेगा। दीपावली के मुहूर्त को लेकर फैले भ्रम को दूर करने के लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आचार्यों की मौजूदगी में विभिन्न राज्यों और नेपाल के प्रमुख ज्योतिषाचार्यों की मंगलवार को ऑनलाइन बैठक हुई। करीब ढाई घंटे तक यह बैठक चली। लखनऊ परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने बताया कि धर्मशास्त्र निर्णय सिंधु में रजनी शब्द का इस्तेमाल हुआ है। इस शब्द के अर्थ को लेकर भ्रम के चलते कुछ विद्वानों ने एक नवंबर को दीपावली का निर्धारण किया है, जो गलत है।

प्रो. झा के मुताबिक रात के आदि और अंत के डेढ़-डेढ़ घंटे को छोड़कर रजनी काल होता है। यानी बीच के नौ घंटे का समय ही रजनी काल कहलाता है। इसलिए दीपावली 31 अक्टूबर को मनाना उत्तम रहेगा।

ऑनलाइन बैठक में दरभंगा से प्रो. शिवाकांत झा, लखनऊ से प्रो. मदनमोहन पाठक, तिरुपति से प्रो. श्रीपाद भट्ट, नागपुर से प्रो. कृष्णकांत पांडेय, कर्नाटक से प्रो. हंसधर झा आदि शामिल रहे।

सरकारी जमीन पर अवैध मस्जिद खड़ी कर दी

कुशीनगर में हो रहा व्यापक विरोध

कुशीनगर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले से सरकारी जमीन पर कब्जा कर मस्जिद और ईदगाह बनाने का मामला सामने आया है। इसे गिराने की मांग करने पर हिंदू शिकायतकर्ता को दाऊद इब्राहिम के नाम से धमकी दी जा रही है। ये मजहबी स्थल जिले के तमकुहीराज के गहड़िया चिंतामणि गाँव में सड़क किनारे बने हैं।

बताया जा रहा है कि ये निर्माण उस समय किए गए जब प्रदेश में सपा की सरकार थी। इस मामले में गांव के पूर्व प्रधान इस्लाम अंसारी की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गांव गड़हिया चिंतामणि को आसपास के कस्बों से लोक निर्माण विभाग की एक सड़क जोड़ती है। इसी गाँव के रविंद्र शाही ने प्रशासन से शिकायत की है कि इस सड़क के किनारे एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर एक मस्जिद और ईदगाह का निर्माण करवाया गया है। शाही सहित कई अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि इन मजहबी स्थलों की वजह से लोगों

को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

अवैध निर्माण का आरोप गड़हिया चिंतामणि गांव के पूर्व प्रधान इस्लाम अंसारी पर लगा है। शाही के मुताबिक समाजवादी पार्टी की सरकार में इस्लाम अंसारी की हनक हुआ करती थी।

उसी सरकार में पीडब्लूडी की जमीन घेर कर पहले बाउंड्री करवाई गई और बाद में इस पर इमारत खड़ी कर दी गई। अब इस मस्जिद में नमाज़ भी होती है। सड़क से सटी इस मस्जिद में माइक आदि भी लगवा दिए गए हैं। धीरे-धीरे मस्जिद के आसपास की भी काफी जमीन घेर ली गई और वहां ईदगाह का निर्माण करवा दिया गया।

शिकायतकर्ता के अनुसार राजस्व विभाग की टीमें मौके की जांच कर रिपोर्ट उच्चधिकारियों को भेज चुकी हैं। इस रिपोर्ट में मस्जिद और ईदगाह सरकारी जमीन पर बने होने की बात कही गई है। हालांकि इस रिपोर्ट पर अभी तक सीनियर अधिकारियों ने कोई निर्णय नहीं लिया है।

बकौल रविंद्र शाही जब से उन्होंने इस अवैध निर्माण की शिकायत प्रशासनिक अधिकारियों से की है तभी से उनको परिवार सहित जान से मार डालने की धमकियां मिल रहीं हैं।

ये धमकियां दाऊद इब्राहिम के नाम से दी जा रही हैं। धमकी सोशल मीडिया के जरिए दी गई है। धमकाने वाले व्यक्ति ने फेसबुक पर दाऊद इब्राहिम की प्रोफ़ाइल फोटो लगा रखी है।

निराश्रित महिलाओं को मिली पेंशन की तीसरी किस्त

29 लाख महिलाओं के खाते में पहुंची पेंशन की धनराशि

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।
दीपावली और छठ के त्यौहार को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर निराश्रित महिलाओं के खाते में उनके पेंशन की तीसरी किस्त भेज दी गई है। पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत प्रदेश की लाखों महिलाओं के खाते में तीसरी तिमाही की पेंशन राशि सीधे जमा की गई है। इसके जरिए योगी सरकार ने सुनिश्चित किया है कि इन महिलाओं के घरों में भी दीपावली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया जा सके। यह सीएम योगी की उन महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता जो अपने पति की मृत्यु के बाद आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही हैं।

योगी सरकार ने प्रदेश के 29 लाख से अधिक निराश्रित महिलाओं को यह आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके जीवन में स्थिरता और राहत प्रदान की है। पेंशन की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित कर दी गई है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार पर हर जरूरतमंद महिला को यह सहायता समय पर मिलनी चाहिए। योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश की सभी गरीब और निराश्रित महिलाएं भी दीपावली का उत्सव उसी खुशी के साथ मना सकें जैसे अन्य वर्ग के लोग मना रहे हैं।

पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत वे महिलाएं लाभार्थी हैं, जिनकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक है और जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 2 लाख रुपए से अधिक नहीं है। साथ ही यह भी अनिवार्य है कि लाभार्थी महिला किसी अन्य राज्य या केंद्र सरकार की पेंशन योजना से लाभान्वित न हो रही हो। यह योजना उन महिलाओं के लिए एक संजीवनी है जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही हैं और जिन्हें किसी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं प्राप्त हो रही है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत इस योजना की तीन तिमाही किस्तों में पेंशन राशि का वितरण किया गया है। पहली तिमाही में 26.12 लाख लाभार्थियों को 78,838.54 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। दूसरी तिमाही में 28.47 लाख लाभार्थियों के खातों में 91,517.75 लाख रुपए भेजे गए। वहीं तीसरी तिमाही में दीपावली के अवसर पर 29.03 लाख लाभार्थियों को 90,176.91 लाख रुपए की राशि दी गई है। दीपावली से पहले लाभार्थियों के खाते में धनराशि भेजकर उनकी आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित की गई है, जिससे वे बिना किसी चिंता के त्योहार मना सकें।

वित्तीय वर्ष 2024-25 से पेंशन वितरण प्रक्रिया को आधार आधारित भुगतान प्रणाली/पीएफ़एमएस (सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली)से जोड़ा गया है। इस तकनीक के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधी पेंशन राशि हस्तांतरित की जा रही है। यह कदम वितरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और त्वरित बनाता है, जिससे लाभार्थियों को राशि का इंतजार नहीं करना पड़ता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य में कोई भी पात्र महिला इस पेंशन योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि दीपावली के पर्व पर हर घर में रौशनी होनी चाहिए, और राज्य सरकार इस दिशा में पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। योगी सरकार ने प्रदेश के वंचित वर्गों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। निराश्रित महिला पेंशन योजना उनमें से एक महत्वपूर्ण योजना है, जो महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजना के माध्यम से सरकार न केवल आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति अपने दायित्व का बखूबी निर्वाहन भी कर रही है। योगी सरकार का यह कदम प्रदेश के विकास और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है, जो यह सुनिश्चित करता है कि राज्य का प्रत्येक नागरिक सम्मान और गरिमा के साथ जीवन यापन कर सके

छोटी दिवाली के दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में छोटी दिवाली के दिन सोना 620 से 670 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत में 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना एक बार फिर 80 हजार रुपये के स्तर को पार कर के 80,610 रुपये से लेकर 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,910 रुपये से लेकर 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इस चमकीली धातु की कीमत 99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 80,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी कीमत में तेजी आने के कारण सोना महंगा हुआ है।

न्यूज़ ब्रीफ

तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप डीलर्स का कमीशन बढ़ाया, आम ग्राहकों को होगा फायदा

नई दिल्ली। पेट्रोल पंप मालिकों की कमाई में वृद्धि करने के उद्देश्य से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप डीलर्स के कमीशन में संशोधन का एलान किया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने एलान किया है कि डीलर मार्जिन में बढ़ोतरी के फैसले को 30 अक्टूबर यानी बुधवार से लागू कर दिया है। इस बदलाव के बाद पेट्रोल पंप डीलर्स की प्रति लीटर कमाई में वृद्धि होगी, जबकि आम ग्राहकों पर इसका अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। विशेष रूप से कुछ राज्यों, जैसे ओडिशा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, और अरुणाचल प्रदेश में कीमतों में कमी आने का अनुमान है, जिससे ग्राहकों को लाभ मिलेगा। इंडियन ऑयल के मुताबिक इस फैसले से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संतुलन लाना और डीलरों की लंबे समय से मांग को पूरा करना है। अभी तक डीलर्स को पेट्रोल पर 1,868.14 रुपए प्रति किलोलीटर और डीजल पर 1,389.35 रुपए प्रति किलोलीटर के हिसाब से कमीशन दिया जाता था, जो अब बढ़ा दिया गया है। साथ ही बिल योग्य मूल्य का भी एक फीसदी कमीशन मिलता है। कंपनी का दावा है कि इस बढ़ोतरी से डीलरों को बेहतर ग्राहक सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे करीब सात करोड़ ग्राहकों को लाभ होगा और करीब 83 हजार पेट्रोल पंपों पर कार्यरत 10 लाख कर्मचारियों को भी इसका फायदा मिलेगा।

कई शानदार नए बाइक्स मॉडल लॉन्च करेगी रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली। नई रॉयल एनफील्ड कंपनी आने वाले दिनों में अपने कई शानदार बाइक्स मॉडल लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इनमें कंपनी के लोकप्रिय मॉडल का अपडेटेड वर्जन भी शामिल है। आइए, जानते हैं उन तीन संभावित मॉडल्स के बारे में, जो जल्द ही बाजार में दस्तक देने वाले हैं। रॉयल एनफील्ड की टॉप-सेलिंग मोटरसाइकिलों में से एक, हंटर 350, का अपडेटेड वर्जन अगले साल 2025 में लॉन्च होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई मोटरसाइकिल में हैलोजन हेडलैंप के बजाय एक मॉडर्न एलईडी सेटअप दिया जा सकता है। हालांकि, मोटरसाइकिल के पावरट्रेन में किसी बदलाव की उम्मीद नहीं है, जो इसे मौजूदा मॉडल के समान बनाए रखेगा। रॉयल एनफील्ड अपनी प्रतिष्ठित बुलेट सीरीज के 650सीसी वर्जन को भी भारतीय बाजार में पेश करने की योजना बना रही है। उम्मीद है कि बुलेट 650 को 2025 के मध्य तक लॉन्च किया जाएगा। इस मोटरसाइकिल में सर्कुलर हेडलैंप, सिंगल पीस सीट, वायर स्पोक व्हील और टियर ड्रॉप फ्यूल टैंक जैसे आकर्षक डिजाइन तत्व शामिल होंगे, जो इसे एक क्लासिक लुक देंगे। रॉयल एनफील्ड क्लासिक के 650सीसी वर्जन को भी जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। हाल ही में, इसे यूके में टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया था। इस मॉडल में 648सीसी का पैरेलल ट्विन इंजन दिया जाएगा, जो इसे शानदार पावर और परफॉर्मेंस प्रदान करेगा। यह मोटरसाइकिल कंपनी की क्लासिक लाइनअप को और भी मजबूत बनाएगी। इन सभी अपकमिंग मॉडल्स से यह स्पष्ट होता है कि रॉयल एनफील्ड भारतीय बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। यदि आप एक रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल के खरीदने का विचार कर रहे हैं, तो इन नए लॉन्चों का इंतजार करना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। बता दें कि भारतीय ग्राहकों के बीच रॉयल एनफील्ड की मोटरसाइकिलों की हमेशा से उच्च स्तरीय मांग रही है। यदि आप निकट भविष्य में एक नई रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह मौका आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है।

महिंद्रा बोलेरो का नया 2024 वेरियंट भारत में पेश

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने महिंद्रा बोलेरो का नया 2024 वेरिएंट पेश किया है, जो नई ताकत और स्टाइल के साथ आती है। महिंद्रा बोलेरो 2024 का डिजाइन पिछले मॉडल की तुलना में अधिक आधुनिक और आकर्षक है। इसमें नई ग्रिल, स्टाइलिश एलईडी हेडलाइट्स, और फॉग लैम्प्स जैसे तत्व इसे स्पोर्टी और बोल्ड लुक देते हैं। एसयूवी के साइड प्रोफाइल पर नए डुअल-टोन अलॉय व्हील्स और बॉडी कलर्ड ओआरवीएमएस इसे प्रीमियम फिनिश प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, रूफ रेल्स और स्पोर्टी बंपर इसके एडवेंचर लुक को और बढ़ाते हैं। महिंद्रा बोलेरो 2024 में 1.5 लीटर एमहॉक डीजल इंजन है, जो 75 बीएचपी की पावर और 210 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आंध्र में...

सरकार के रडार में आने से बचने के लिए चर्च द्वारा धर्मांतरण और जबरन धर्मांतरण जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाता बल्कि कहा जाता है कि चर्च नेक उद्देश्यों से गरीबों को भोजन देते हैं और उनका संरक्षण करते हैं। चर्च का यह भी कहना है कि उनके काम से सरकार खुश है। चर्च यह भी दावा करता है कि कोरोना महामारी के दौरान चर्च की तरफ से गरीबों में 700 टन खाना बांटा गया था।

कैलवरी चर्च की स्थापना 2005 में डॉ. सतीश कुमार ने की थी। आज सतीश कुमार को दुनिया के सामने एक सम्मानित पादरी, लेखक और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता के रूप में बताया जाता है, लेकिन उनकी संदेहास्पद मिशनरी गतिविधियों पर कोई बात नहीं होती। भारत में उनकी मिशनरी गतिविधियों और आक्रामक धर्मांतरण रणनीति को लेकर चिंता है। कैलवरी चर्च का दावा है कि उसके पास 400,000 सदस्य हैं जो लगातार बढ़ रहे हैं। उनके लिए यह विस्तार एक उपलब्धि है, लेकिन हिंदुओं के लिए यह चिंता का विषय है, क्योंकि यह संख्या उन्हीं की मजबूरियों का फायदा उठाकर बढ़ाई जा रही है।

विडंबना यह है कि कैलवरी चर्च हर महीने तीन हजार से अधिक हिंदुओं को ईसाई बनाने के काम को अपनी उपलब्धि बताता है। आंध्र प्रदेश के इस चर्च को देश का सबसे बड़ा चर्च कहा जाता है, जिसका कैंपस बहुत बड़ा है। हर रविवार सैकड़ों लोग सभा में आते हैं। सुबह 4 बजे से भीड़ लगनी शुरू हो जाती है। चर्च के सदस्य भीड़ को नियंत्रित करते हैं। लोगों पर दबाव होता है कि वे चर्च जरूर आएं।

कैलवरी चर्च निर्धन हिंदुओं की गरीबी और आर्थिक अस्थिरता का फायदा उठाकर उन्हें धर्मांतरित कराता है। रविवार को सभा में आने वाले लोगों को तीन बार फ्री में खाने का लालच देकर बुलाया जाता है और दावा किया जाता है कि रविवार को यहां आने वाले लोगों की संख्या 50,000 तक पहुंच जाती है जिनके खाने की व्यवस्था महीने में दिए गए 2 लाख मुफ्त मील के बराबर है। इसके अलावा यहां मेडिकल सेवाएं, विवाह व्यवस्था और अंतिम संस्कार के लिए सुविधा आदि देने की बात होती है। बाद में इन्हीं सेवाओं का हवाला देकर हिंदुओं को ईसाई धर्म की ओर आकर्षित किया जाता है।

यह चर्च पहले ही अपनी 11 ब्रांच खोल चुका है और 40 और बड़े चर्च खोलने की योजना पर काम कर रहा है। पादरी की यह मंशा चिंताजनक इसलिए है क्योंकि इस विस्तार के जरिए चर्च हिंदू और अन्य समुदाय के लोगों से जुड़ेगा और विदेशी ईसाई संस्थाओं की घुसपैठ होगी। यह चर्च पहले ही भारतीय भाषाओं में टेलीविजन कार्यक्रम प्रसारित करता है तथा खाड़ी देशों में लाखों लोगों तक पहुंचाता है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस चर्च से जुड़ने के बाद यह चर्च लोगों को ट्रैक करता है। जब हर रविवार भीड़ जुटती है तो उसकी एंट्री के लिए एक एक्सेस कार्ड दिया जाता है। चर्च का कहना है कि इससे ये अनुपस्थित लोगों के बारे में पता लगाते हैं, लेकिन असलियत यह है कि चर्च लोगों को कड़ी निगरानी में रखता है।

कैलवरी चर्च को फंडिंग कहां से मिलती है इसकी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। पता चला है कि चर्च को दो मौकों पर ब्रिटेन स्थित क्रिश्चियन विजन से पर्याप्त फंडिंग मिली थी। वर्ष 2020 में कैलवरी चर्च को 74,467 और 2021 में 727,394 पौंड मिले थे। यह छानबीन का विषय है कि कैलवरी टेम्पल इंडिया के पास एफसीआरए लाइसेंस प्राप्त है या नहीं।

लोगों के...

किसी और के खातों का संचालन कर अवैध डिजिटल पेमेंट गेट-वे बनाए हैं। मनी लॉन्ड्रिंग में लिप्त इस अवैध तंत्र का इस्तेमाल साइबर अपराधों से हासिल अवैध धन की लॉन्ड्रिंग के लिए किया जाता है। 14-सी ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे अपने बैंक खाते/कंपनी पंजीकरण प्रमाणपत्र/ उद्यम आधार पंजीकरण प्रमाणपत्र किसी को न बेचें और न ही किराए पर दें। ऐसे बैंक खातों में किसी और द्वारा जमा अवैध धनराशि के लिए गिरफ़्तारी सहित अन्य कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। बैंक उन खातों के दुरुपयोग की पहचान करने के लिए जांच कर सकते हैं, जिनका इस्तेमाल अवैध पेमेंट गेट-वे बनाने के लिए किया जाता है। नागरिक किसी भी साइबर अपराध की सूचना हेल्पलाइन नंबर 1930 या आधिकारिक वेबसाइट पर तुरंत दे सकते हैं।

राज्यों की पुलिस एजेंसियों से प्राप्त जानकारी और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र द्वारा किए गए विश्लेषण से पता चला है कि साइबर अपराधियों द्वारा चालू खाते (करंट एकाउंट) और बचत खाते (सेविंग्स एकाउंट) सोशल मीडिया, खासकर टेलीग्राम और फेसबुक के माध्यम से खोजे जाते हैं। ये खाते शेल कंपनियों, एंटरप्राइजेज या व्यक्तियों के होते हैं। इन म्यूल खातों को विदेशों से संचालित किया जाता है। फिर इन म्यूल खातों का उपयोग कर अवैध पेमेंट गेट-वे बनाया जाता है, जिसे आपराधिक सिंडिकेट को फर्जी इन्वेस्टमेंट स्कैम साइटों, ऑफशोर सट्टेबाजी और जुए से जुड़ी वेबसाइटों, फर्जी स्टॉक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म आदि जैसे अवैध प्लेटफार्मों पर जमा हुई धनराशि प्राप्त करने के लिए दिया जाता है। जैसे ही अपराध से अवैध धन प्राप्त होता है, उसे तुरंत दूसरे खाते में डाल दिया जाता है। इसके लिए बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली बल्कि पेआउट की सुविधा का दुरुपयोग किया जाता है।

अभियान के तहत जिन पेमेंट गेट-वे की पहचान की गई, उनमें पीस-पे, आरटीएक्स-पे, पोक्को-पे, आरपी-पे आदि शामिल हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ये गेट-वे, मनी लॉन्ड्रिंग को एक सेवा के रूप में उपलब्ध कराते हैं और इन्हें विदेशी नागरिकों द्वारा संचालित किया जाता है।

रूस में भी...

और मूल रूप से रूसी वाहकों के लिए बनाए गए विमानों को अन्य बाजारों में भेज दिया गया है। एक उदाहरण एयर इंडिया है, जिसे हाल ही में रूसी वाहक एयरोफ्लोट के लिए शुरू में आवंटित एयरबस ए-350 प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी कंपनियों ने रूसी विमानों के लिए घटक और सॉफ़्टवेयर समर्थन बंद कर दिया है, जिससे लंबे समय तक ग्राउंडिंग और बेड़े के विस्तार में रुकावट आ रही है। प्रतिबंधों ने रूसी एयरलाइनों के लिए विकास की संभावनाओं को कम कर दिया है। सेंटर फॉर एविएशन (सीएपीए) की रिपोर्ट है कि रूस के सक्रिय बेड़े 874 से घटकर 771 हो गए हैं।

प्रतिबंधों के बावजूद, भारत और रूस के बीच मजबूत व्यापारिक संबंध बने हुए हैं, भारत उन कुछ देशों में से एक है जो रूसी एयरलाइनों को उड़ानें संचालित करने की अनुमति देते हैं। एयर इंडिया रूसी हवाई क्षेत्र का लाभ उठाते हुए रूस के ऊपर से उड़ान भरना जारी रखती है, जिससे उसे यूरोपीय और अमेरिकी एयरलाइनों की तुलना में कम उड़ान समय का लाभ मिलता है। अभी यह कहना दूर की बात होगी कि भारतीय विमान सेवाएं रूस का यह प्रस्ताव स्वीकार करती हैं या नहीं। इसकी वजह भारतीय विमान कंपनियों की वह आशंका है कि उन्होंने जिन कंपनियों से अपने विमान पट्टे पर ले रखे हैं, कंपनियां रूस पर पश्चिमी देशों के कड़े प्रतिबंधों के चलते शायद इस प्रस्ताव पर सहमत न हों।

रूस ने भारत के साथ ही मध्य एशिया के अन्य देशों और मित्र देशों से कहा हे कि वे रूस में घरेलू उड़ानें संचालित करने में मदद करें। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले करीब ढाई वर्ष से ज्यादा समय से युद्ध छिड़ा है जिसके खत्म होने के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं। पश्चिमी देशों ने रूस पर इतने अधिक प्रतिबंध लगा दिए हैं कि रूस के लिए अपनी विमानन सेवाओं को सुचारु रखने में समस्याएं आ रही हैं। रूसी एयरलाइन्स विमानों की कथित कमी का भी सामना कर रही हैं। उनके लिए हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करना बेहद मुश्किल हो रहा है।

मास्को इसी कमी की पूर्ति के लिए दोस्तों की तरफ मुड़ा है और उनसे कहा है कि उसकी घरेलू उड़ानें सुचारू रखने में मदद करें। इसमें सबसे पहले भारत का नाम है। बताते हैं, रूस ने इस संबंध में भारतीय विमान सेवा प्रदाता कंपनियों से चर्चा भी चलाई है। पता चला है कि इस चर्चा में कैबोटेज प्रस्ताव का नाम भी सुनाई दिया है। कैबोटेज के मायने हैं कोई विदेशी विमान सेवा किसी दूसरे देश में वहां की घरेलू सेवाओं की उड़ानें संचालित करे। पिछले महीने चीन तथा कुछ मध्य एशियाई देशों में यह प्रस्ताव चर्चा में लाया गया था। गत दिनों रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा के वक्त भी यह प्रस्ताव चर्चा में आया था।

भारत की विमानन कंपनियों को डर यह भी है कि अगर वे रूस में सेवाएं देती हैं तो कहीं पट्टे पर विमान देने वाली कंपनियों को नाराज करने से उनका बीमा कवर न खो जाए। ऐसे में रूस के प्रस्ताव को कहां तक कामयाबी मिलेगी, कहना मुश्किल है। रूस ने संभवत: उज्बेकिस्तान और कजाकिस्तान से भी इस प्रस्ताव पर बात की है। इस माह के शुरू में रूस के परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवोइट ने कहा भी था कि मास्को घरेलू उड़ानें संचालित करने के लिए मित्र देशों के संपर्क बनाए हुए है।

इस संदर्भ में कजाकिस्तान के परिवहन विभाग ने पिछले सप्ताह कहा था कि वैसे अभी तक इस मुद्दे पर रूस की तरफ से कोई आधिकारिक अनुरोध तो नहीं किया गया है। अभी तो वह देश अपनी ही बढ़ती घरेलू मांग की पूर्ति करने पर गौर कर रहा है। करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस दृष्टि से वह देश भी रूस को कितना संतुष्ट कर पाएगा, कहा नहीं जा सकता। दिलचस्प बात है कि रूस की विमानन सेवाओं के बेड़े में कई पश्चिमी विमान शामिल हैं। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला बोलने से पहले, रूस की विमान सेवाओं में बोइंग और एयरबस विमानों की अच्छी-खासी संख्या थी। लेकिन प्रतिबंधों के बाद, पश्चिमी देशों की इन कंपनियों ने रूसी एयरलाइंस को विमानों की आपूर्ति रोक दी है, साथ ही उनकी साथी कंपनियों ने सॉफ़्टवेयर तक रूस की पहुंच बंद कर दी है।

एक आंकड़े के अनुसार, यूक्रेन युद्ध से पहले, रूसी एयरलाइंस के पास 850 विमानों का विशाल बेड़ा था। लेकिन 2023 की शुरुआत तक यह आंकड़ा गिरकर 736 रह गया था। अंदाजा लगाया गया है कि पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण 2026 तक यह बेड़ा आधा रह सकता है। हालांकि रूस ने अपनी विमान सेवाओं के लिए 2030 तक 1,000 विमान अपने ही देश में बनाने की योजना बनाई हुई है। लेकिन उत्पादन में लगातार देर होती रहती है।

राजनाथ और ...

रक्षा मंत्रा ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात सैनिकों के साथ बातचीत की थी और दशहरा का उत्सव मनाया था। इससे पहले उसी साल लेह में उन्होंने सेना के जवानों के साथ होली का त्योहार मनाया था। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सीमा पर तैनात जवानों के साथ उत्सव मनाते रहे हैं।

तवांग सेक्टर में साल 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान चीनी पक्ष की ओर से पहली बार तोप से गोले दागे गए थे। बता दें कि दिसंबर 2022 में अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (ङ-उ) चीन की सेना से झड़प भी हुई थी। तवांग में 50 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। चीन इसे छोटा तिब्बत कहता है। इस क्षेत्र को लेकर चीन अक्सर ही बखेड़ा खड़ा करता रहता है।

विवादित जगह...

पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत के बाद से पूर्वी लद्दाक में एलएसी पर डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया का मतलब सैनिकों की वापसी से होता है। भारतीय सेना के अधिकारी देपसांग और डेमचौक में इस डिसइंगेजमेंट पर नजर रख रहे हैं। इन सब के बीच डेमचौक में दोनों ही तरफ से अभी तक कई टेंट हटाए जा चुके हैं। हालांकि, ये प्रक्रिया अब पूरी कर ली गई है।पूर्वी लद्दाख में सात ऐसे पॉइंट हैं, जहां चीन के साथ टकराव की स्थिति रहती है। ये हैं पेट्रोलिंग पॉइंट 14 यानी गलवान, 15 यानी हॉट स्प्रिंग, 17-ए यानी गोगरा, पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण छोर, डेपसांग प्लेन और डेमचॉक में चारदिंग नाला हैं, जहां तनाव रहता है। अप्रैल 2020 में चीन ने एक सैन्य अभ्यास के बाद पूर्वी लद्दाख के 6 इलाकों में अतिक्रमण किया था। 2022 तक चार इलाकों से चीन की सेना पीछे हट गई। दौलत बेग ओल्डी और डेमचॉक पर भारतीय सेना को पेट्रोलिंग नहीं करने दी जा रही थी। अप्रैल 2020 से पहले सैन्य अभ्यास के नाम पर चीनी सेना हजारों की तादाद में सीमा पर जमा हो गई। जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना ने भी तैनाती की। जून 2020 में गलवान में चीनी सैनिकों और भारतीय जवानों के साथ खूनी झड़प हुई। इस दौरान भारत के 20 जवान शहीद हो गए। जबकि चीन के इससे भी दोगुनी संख्या में सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन ने सिर्फ तीन सैनिकों के मारे जाने की बात मानी थी। फिर कई दौर की बातचीत के बाद सितंबर 2022 में गोगरा और हॉट स्प्रिंग पर डिसएंगेजमेंट की सहमति बन चुकी थी, जिसके तहत चीन की सेना वहां से पीछे हट गई थी।

फिर दो अहम पॉइंट डेपसांग, डेमचॉक बचे रह गए थे। इनपर 21 अक्टूबर को डिसएंगेजमेंट पर सहमति बनी है। और डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है।

भारत और चीन के बीच 21 अक्टूबर 2024 के बीच हुए समझौते के तहत पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर अप्रैल 2020 की स्थिति बहाल करने के लिए दोनों देश राजी हो गए। इस समझौते के बाद अब चीन की सेना उन इलाकों से पीछे हटेगी जहां उसने अतिक्रमण किया था। इस समझौते को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्त्री ने बताया था कि सीमा से लगने वाले इलाकों में पेट्रोलिंग के साथ 2020 के बाद उठे मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। अब इस समझौते के तहत ही दोनों देश कदम उठाएंगे।

अमेरिका ने एलएसी ...

मैथ्यू मिलर ने संवाददातों से बात करते हुए कहा, हम इस मामले पर करीब से नजर रख रहे हैं। हमें पता है कि दोनों देशों ने एलएसी पर तनाव बिंदुओं से सैनिकों को हटाने के लिए शुरुआती कदम उठाए हैं। हम सीमा पर तनाव कम होने का स्वागत करते हैं। हमने अपने भारतीय साझेदारों से बात की है और इस पर जानकारी ली है, लेकिन हमने इस प्रस्ताव में कोई भूमिका नहीं निभाई है।

मोबाइल फोन के ...

यहां वह स्थानीय सब्सिडी, कौशलयुक्त श्रमबल और भारत की तकनीकी क्षमताओं में प्रगति का पूरा लाभ ले रही है।

संघीय व्यापार आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, भारत के स्मार्टफोन निर्यात में आईफोन की बड़ी हिस्सेदारी है।इस उत्पाद श्रेणी के दम पर भारत ने चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीने में अमेरिका को सबसे ज्यादा 2.88 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया है।पांच साल पहले जब एपल ने भारत में मैनुफैक्चरिंग का विस्तार नहीं किया था, तब देश से अमेरिका को सालाना स्मार्टफोन निर्यात मात्र 52 लाख डॉलर था।

शरिया काउंसिल ...

2018 में बीवी ने इस तलाक को चुनौती दी थी और घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत राहत के लिए मामला दायर किया था। उन्होंने दावा किया कि तीसरी बार तलाक उन्हें कभी नहीं दिया गया था। साल 2021 में मजिस्ट्रेट ने उनके पक्ष में फैसला दिया और घरेलू हिंसा के लिए उन्हें 5 लाख रुपए का मुआवजा और उनके नाबालिग बच्चे के लिए मासिक भत्ता देने का आदेश दिया। शौहर की इस आदेश के खिलाफ अपील को भी खारिज कर दिया गया, जिसके बाद उन्होंने मौजूदा पुनरीक्षण याचिका दाखिल की।

जस्टिस स्वामीनाथन ने यह भी कहा कि अदालत की मान्यता के बिना शौहर का एकतरफा तलाक देकर निकाह को तोड़ नहीं सकता। उन्होंने कहा कि दूसरा निकाह करना मानसिक उत्पीड़न का कारण बनता है, जो कि क्रूरता के दायरे में आता है। जस्टिस स्वामीनाथन ने यह साफ कहा कि दूसरी शादी का मामला किसी भी धर्म में क्रूरता की श्रेणी में आता है, और इससे प्रभावित जीवनसाथी घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत राहत पाने के हकदार होते हैं।

हिंदुओं पर...

भी सुरक्षा दे सकता है, क्योंकि इस दौरान बहुत सारे मजलूमों को भी निशाना बनाया गया।

बता दें कि छात्र-नेतृत्व वाले आंदोलन में सैकड़ों लोग मारे गए, लेकिन जो लोग इस हिंसा से प्रभावित हुए हैं, उन्हें डर है कि नए अधिकारियों द्वारा किया गया न्याय का वादा अब उन्हें न्याय नहीं देगा। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय के आधिकारिक बयान में कहा गया, एक नए गैर-भेदभावपूर्ण बांग्लादेश की यात्रा शुरू हो गई है। जो छात्र और नागरिक इस उथल-पुथल में शामिल थे, उन्हें 15 जुलाई से 8 अगस्त के बीच उनके कार्यों के लिए दंड, गिरफ्तारी या परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। महत्वपूर्ण यह है कि बांग्लादेश में हिंदू, मुस्लिम अहमदिया सूफी समुदाय, बौद्ध और ईसाई जैसे अल्पसंख्यक समुदायों पर भयानक हमले हुए हैं।

5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया, जब उनके खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हो रहे थे। उनके जाने के बाद, बांग्लादेशी सेना ने सत्ता संभाली और मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनी। इस बीच, बांग्लादेश के हिंदू इस्लामिस्टों द्वारा देशभर में निशाना बनाए जाने लगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

तेलंगाना में 6 नवंबर से शुरू होगी जाति जनगणना : रेवंत

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने 6 नवंबर से शुरू होने वाली अपनी पहली जाति जनगणना कराने की योजना की घोषणा की है।

विस्तृत जनसांख्यिकीय डेटा इकट्ठा करने के उद्देश्य से की गई इस पहल की पुष्टि बुधवार को गांधी भवन में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में एक बैठक में की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कोमाटिरेड्डी वेंकटरेड्डी और जुपल्ली कृष्ण राव उपस्थित थे।

अपने संबोधन में सीएम रेड्डी ने पार्टी कैडर को तेलंगाना को जाति जनगणना के लिए एक राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने राजनीतिक चुनौतियों की परवाह किए बिना सोनिया गांधी द्वारा किए गए वादे को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और जनगणना की प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार की। रेड्डी ने डेटा संग्रह प्रक्रिया की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले के लिए 33 विशेष पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की सिफारिश की और प्रभावशाली परिणाम प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार काम करने का आग्रह किया।

उन्होंने जनगणना के लिए राहुल गांधी के दृष्टिकोण का पालन करने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि इस पहल को कमजोर करने वाले किसी भी व्यक्ति को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। रेड्डी ने जनगणना को 30 नवंबर तक पूरा करने का भी आह्वान किया और इस जनगणना को तेलंगाना के लिए मेगा स्वास्थ्य जांच बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस की नीति सामाजिक न्याय के आधार पर सरकारी संसाधनों का आवंटन करना है। भविष्य में राष्ट्रीय जनगणना के संभावित मॉडल के रूप में तेलंगाना के दृष्टिकोण की वकालत करते हुए केंद्र सरकार को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि हर जिले में जाति जनगणना पर बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण का उद्देश्य सामाजिक असमानताओं को दूर करने की राहुल गांधी की प्रतिबद्धता के अनुरूप सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समुदायों की पहचान करना और उनका समर्थन करना है। भट्टी ने उम्मीद जताई कि तेलंगाना की जनगणना पहल अन्य राज्यों के लिए एक मिसाल कायम करेगी।

टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने जाति जनगणना शुरू करने के लिए साहसिक कदम उठाने के लिए सीएम रेड्डी और डिप्टी सीएम भट्टी की प्रशंसा की और इस पहल के लिए कांग्रेस पार्टी के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की। गौड़ ने सुझाव दिया कि कार्यक्रम के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए 2 नवंबर को सभी 33 जिलों में जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) की बैठकें आयोजित की जानी चाहिए। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि व्यापक जाति जनगणना के लिए तैयारियां जोरों पर हैं, जिसे हाल ही में विधान सभा द्वारा मंजूरी दी गई थी।

उन्होंने संपूर्ण और सटीक सर्वेक्षण सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों से सहयोग का आह्वान किया। सीएम रेड्डी के नेतृत्व में एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी और कांग्रेस नेताओं ने इस प्रक्रिया में सार्वजनिक और आधिकारिक दोनों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया। बैठक में कांग्रेस सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की भागीदारी देखी गई, जो ऐतिहासिक जनगणना पहल के लिए पार्टी के सामूहिक समर्थन को दर्शाता है।

श्री बालवीर हनुमान मंदिर में अन्नकूट महोत्सव 10 नवम्बर को

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री बालवीर हनुमान मंदिर नामपल्ली रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 1 पर अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन रविवार 10 नवंबर आंवला नवमी को किया जाएगा। इसी कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र का लोकार्पण श्री श्री प्रभुदास जी महाराज के हाथों मंदिर पर हुआ। इस अवसर पर भेरुलाल उपाध्याय, रामेश्वरलाल उपाध्याय

(एसके), रामदेव नागला, घनश्याम दमावत, द्वारका प्रसाद तिवारी, मुरलीधर तिवारी, नरेश पांड्या, विष्णु गोपाल उपाध्याय, विष्णु कोलरिया, ज्ञानचंद व अन्य उपस्थित रहे।

रेवंत ने दीपावली की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को दीपावली के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। बुधवार को एक संदेश में रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य को 10 साल के विनाशकारी शासन से छुटकारा मिल गया और लोगों की सरकार ने सर्वांगीण विकास और सभी के कल्याण के लक्ष्य के साथ सभी वर्गों के लोगों के जीवन में रोशनी ला दी।

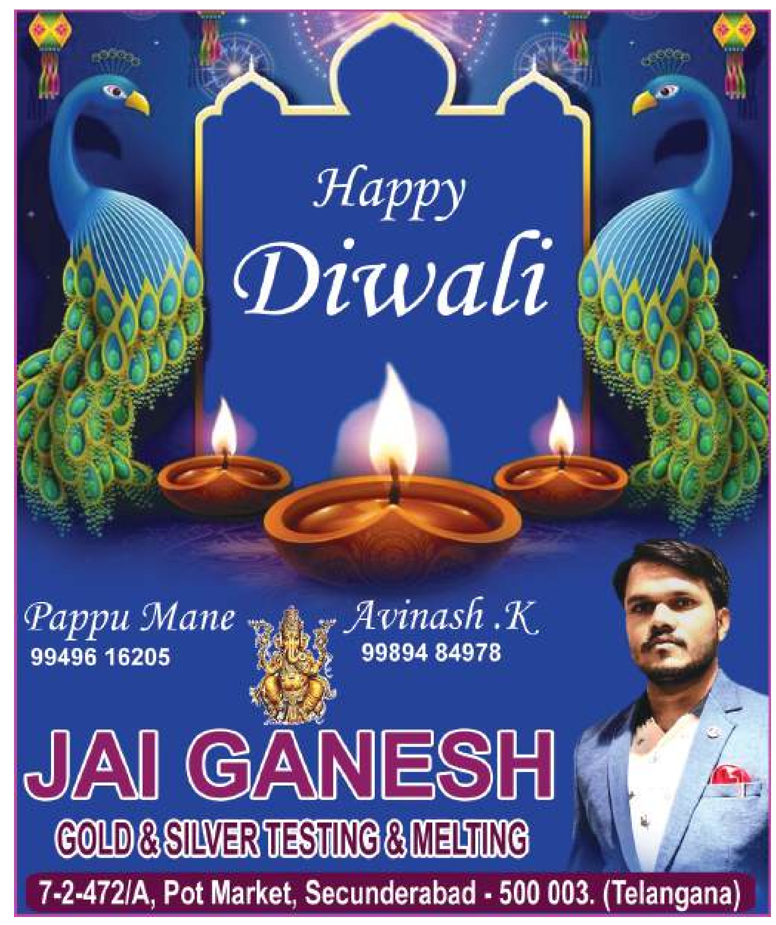

निवेदक : कार्य समिति

ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD, Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL

शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD, Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002

जय गौमाता
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
आज गुरुवार, 31-10-2024 एवं कल शुक्रवार 1-11-2024 अमावस्या है।
दीपावली के शुभ अवसर पर साक्षात मां लक्ष्मी स्वरुपा गौमाता की सेवा करें।
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हे सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।

गोपाष्टमी
अन्नकुट महोत्सव
शनिवार, दि. 9-11-2024
©9849379735, 9100353375
राजस्थानी महिला संघ द्वारा भजन अपराह्न 3 से 5 बजे तक

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज गुरुवार, 31-10-2024 एवं कल शुक्रवार 1-11-2024 अमावस्या है।
दीपावली एवं अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गुड़ - दलिया या चुनिभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाड़ी घास या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतबीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजुराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

श्री जैन कुशल शांति गौ सेवा, हैदराबाद
आप सभी को "दीपावली" के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ।
कार्तिक अमावस्या सभी अमावस्या में सबसे अधिक शक्तिशाली मानी गई है। अमावस्या पर दान-पुण्य करने से व्यापार में वृद्धि एवं घर में सुख समृद्धि, खुशहाली आएगी।
गाय को रोटी की सेवा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है!
एक पैकेट 50 रोटी ₹ 125/-
"पहली रोटी गाय की"
प्रतिदिन ताजी रोटी की सेवा कि जाती है।
आप सेवा में आगये बहुत बढ़िया ना आपाये तो हम आपके नाम पर खुद खिला देयेंगे।
निम्न कोई भी स्कीम में अपना नाम लिखा सकते है।
1 साल की रोटी सेवा ₹ 46021/- ✲ 6 महीने की रोटी सेवा ₹ 23021/-
3 महीने की रोटी सेवा ₹ 12021 ✲ 1 महीने की रोटी सेवा ₹ 4121/-
1 सप्ताह रोटी सेवा ₹ 921/-
1 दिन की गौ सेवा (41 पैकेट) ₹ 5121/- (दो दिन पहले ऑर्डर करें)
आज ही अवश्य जुडे एवं गौ सेवा का लाभ प्राप्त करे।
SCAN & PAY
7842223545
UPI : 7842223545@centralbank
पेमेंट करने के बाद स्क्रीन शॉट 7842223545 जरूर शेर करे।
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करे : टिम अशोक रामपुरिया 9395508877
लोवर टैंक वण्ड गौशाला में सेवा : प्रति दिन सुबह 8.00 से 8.30 बजे तक

श्री पहाडी श्याम मंदिर, महेन्द्रा हिल्स में साँवरे के बावरे के तत्वावधान में नारायण परिवार द्वारा आयोजित भजन कार्यक्रम आओ कीर्तन करें के अन्तर्गत भजन प्रस्तुत करते हुए प्रियंका गुप्ता एवं अंकित शर्मा। विशेष अतिथियों एवं साँवरे के बावरे के सदस्यों का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, रवि सबलका, श्यामसुन्दर बजाज एवं अवसर पर उपस्थित भक्तगण।

नरक चतुर्दशी एवं रूप चौदस के पावन अवसर पर भाग्यलक्ष्मी मंदिर में दर्शन करते हुए अखिल भारत हिंदू महासभा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री स्वामी कमलेश महाराज, लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेयरमैन जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार एवं मंदिर की ट्रस्टी शशिकला।

स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए गुलाबी रंग से रौशन हुआ राजभवन

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और शीघ्र पता लगाने के महत्व के तहत राजभवन को बुधवार को गुलाबी रंग में रोशन किया गया।

॥ विश्व शांति, लोक कल्याणार्थ, सर्व कामना हेतु ॥
एक वर्षीय अखंड श्री रामचरितमानस पारायण
कार्यक्रम स्थल : श्री रंगनाथ मंदिर, नैमिषारण्य धाम, सीतापुर (उ.प्र.)
ऑनलाइन संकल्प रामायण एक दिवस ब्राह्मण भोज रु.1500/-
अष्ट वैकुंठ श्री नैमिषारण्य धाम में शुक्रवार दि. 30 अगस्त 2024 को प्रारंभ कर अगस्त 2025 तक समापन में यज्ञ किया जाएगा।
ऑनलाइन संकल्प एक यजमान न्योछावर राशि रु. 3100/-
आज के यजमान : 31-10-2024
मेवा बाई
अतिविशिष्ट यजमान : श्रीमती अरुणा किशोर अग्रवाल
विशिष्ट यजमान :
संकल्पकर्ता : श्री जगन्नाथ मठ एवं श्री रंगनाथ मंदिर नैमिष धाम
मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी (मो. 8099563154)

सभी को दीपावली एवं नूतन वर्ष की स्नेहिल मंगलकामनाएँ
श्री कृष्णा गौ-सेवा ट्रस्ट (गौशाला)
कार्तिक अमावस्या
काला हनुमान मंदिर, अनंतगिरि, एक्सप्रेस हाई-वे ब्रिज - पिल्लर नं. 161, अत्तापुर, हैदराबाद. फोन : 9885441501, 9390013492
अब आप गोग्रास हेतु ऑनलाईन भी अपनी सेवा प्रदान कर सकते हैं।
Bank Details : SRI KRISHNA GAUSEVA TRUST | AP Mahesh Co-Op. Urban Bank Ltd. Attapur Branch | A/c No. : 029001200000023 | IFSC : APMC0000029
PAN : AALTS8474R | UNI : AALTS8474RE20231 | 80G : AALTS8474RE20231 | CSR No. : CSR00054876
1 गौ-माता हेतु वर्ष तक आपकी ओर से चारा व चिकित्सा के लिए ₹ 5,100/- दान करें।
You can also Google Pay PhonePe Paytm on 9676160498
नोट : गौशाला में अग्रिम सूचना देने पर गायों के लिए लापसी की व्यवस्था भी की जाती है।
सभी दानदाताओं का हार्दिक आभार !!
शुभकामनाओं सहित नवीन अग्रवाल
LUXXURO MODULAR FURNITURES
Gagan Pahad, Hyderabad. M: 9391043141

मारेडपल्ली सिकंदराबाद में स्थित पहाड़ी हनुमान मंदिर में छोटी दीपावली के दिन माता लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना करते हुए अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल एवं पत्नी संतोष अग्रवाल।

ALWAYS DRINK COW MILK
Visit Gaushala with childrens every Sunday for feeding grass
Wish you all a Shubh Deepavali & Prosperous New Year
Start your new year with Gau Seva
Donate one rupee daily for grass
Jasmat Patel Ridesh Jagirdar
98488 65900 98499 88999

Save Cow - Save Nation
Shubh Diwali & New Year
Prani Mitra Ramesh Jagirdar Memorial Foundation
Ridesh Jagirdar 98499 88999

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
।। जय गौ माता ।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
आज गुरुवार, 31-10-2024 एवं कल शुक्रवार 1-11-2024 अमावस्या है।
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
Online गौ सेवा के लिये
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317

जय जगन्नाथ जय गौ माता
श्री जगन्नाथ स्वामी गौ सेवा संस्थान
आज कार्तिक अमावस्या है, गौशाला अवश्य पधारें
कार्तिक अमावस्या सभी अमावस्या में सबसे अधिक शक्तिशाली मानी गई है. इस दिन विधि विधान से भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा करने का विधान बताया गया है. भगवान गणेश सभी विघ्नों को समाप्त करने वाले हैं. यदि उनके 12 नामों का उच्चारण पूजा के दौरान किया जाए और उसके बाद 'नवग्रह स्तोत्र' का पाठ किया जाए तो सभी नवग्रह का नकारात्मक प्रभाव खत्म हो जाएगा और घर में धन-धान्य, धन संपत्ति की वृद्धि होगी।
गौ सेवा एवं गौ रक्षा हमारा परम धर्म और प्रथम कर्तव्य
श्री श्री श्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामी जी
श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संचालित सेवाएं
श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्धाश्रम
श्री जगन्नाथ गुरुकुल वेद विद्यालय
महंत अच्युत रामानुजाचार्य
श्रीमन नारायण शरणागति सेवा ट्रस्ट, श्री रंगनाथ मंदिर, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, श्री जगन्नाथ सेवा ट्रिप एवं श्री जगन्नाथ गो सेवा संस्थान
निवेदक : श्री जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा, सीतारामबाग, हैदराबाद
श्री जगन्नाथ स्वामी गौ सेवा संस्थान के तीन वर्षीय कमेटी पदाधिकारी
मेघराज अग्रवाल (अध्यक्ष) दीनबंधु अग्रवाल (उपाध्यक्ष) कृष्णचंद्रा बांगड़ (कोषाध्यक्ष)
गोपी किशन बंग कार्यकारिणी सदस्य
फोन नं. : 8099563154

गायत्री वेद फाउण्डेशन संचालित
श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय श्री गौ सेवा सदन
गायत्री मन्दिर, भास्कर मेडिकल कॉलेज के पास, चिल्कूर, मोईनाबाद, आर. आर. जिला, फोन : 9989994814
श्री गौ सेवा सदन
भारत की तीन पहचान गंगा, गायत्री और गौ माता... गौ माता की सेवा सबसे सर्वश्रेष्ठ सेवा है... जिसे हर एक को आत्मसात करना चाहिए...। – श्रीश्री संविदानंद सरस्वतीजी महाराज
दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
मोइनाबाद में गायत्री वेद फ़ाउण्डेशन द्वारा संचालित श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय में श्री गो सेवा सदन चल रहा है। सभी गौभक्तों का नवनीत गो सदन में हार्दिक स्वागत है। आज कार्तिक अमावस्या पर गौ सदन अवश्य पधारें एवं गौ माता की सेवा कर पुण्य के भागी बनें।
पं. पुरुषोत्तम लाला पं. विशेष शर्मा

Save Cow Save Nation Shubh Diwali & New Year
Prani Mitra Ramesh Jagirdar Memorial Foundation
Ridesh Jagirdar 98499 88999
ATLAS ADVERTISING
ADVERTISMENTS IN NEWS PAPER
DESIGNING & All PRINTING
Jobworks, BULK SMS
Supply & Printing on SCHOOL DIARIES & DRESSES, CAPS, T SHIRTS & ID CARDS
Computerised Horoscope (Kundli & Match Making)
Ph: 9949981999, 8802759999
atlas.jagirdar@gmail.com

Shubh Deepavali & Prosperous New Year
AssetNX
SIMPLIFYING REAL ESTATE
AMPLIFYING WEALTH
www.AssetNX.com
BUY - SELL - RENT
Villas | Plots | Flats | Warehouse
Commercial | Rental Income Properties
AssetNX India Private Limited
Unit no. 1, Apeejay Business Centre, The Park Hotel, Raj Bhavan Road, Hyd.
Sidharth Shah 95505 99990
90006 56585, 98663 54207
Call AssetNX for best options and deals

गौ माता, गौ माता की संतान की सेवा और पोषण क्षेत्र में कार्य कर रहा
Dhyan Foundation Journey of Spirit
शुभ दीपावली
आज अमावस्या
ध्यान फाउण्डेशन गौशाला
पेद्दाशापुर, गोलुर रोड (स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप)
अवैध कत्लखानों से बचाए गए 3000 से अधिक गौवंश का घर
ध्यान फाउण्डेशन द्वारा पेद्दाशापुर, गोलुर रोड गौशाला तथा यादगिरीगुट्टा में सहयोग नन्दीशाला में गौवंश की सेवा की जा रही है।
गौवंश हेतु गौशाला में चारे के विकट समस्या के कारण सभी से अनुरोध है कि कृपया गौशाला में सहयोग करें।
प्रति एकादशी सायं 4:30 बजे से इच्छापूर्ति यज्ञ का आयोजन
सभी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्नलिखित बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।
Account Name : DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No. : 00812020002930 HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code : HDFC0000081 - Call : 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.
CSR Regn. No. CSR00003498 FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code : SBIN0000691 SWIFT : SBININBB104

दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
आज 31 अक्टूबर, 2024 को कार्तिक अमावस्या के अवसर पर गौशाला अवश्य पधारें
नारायणी गो सेवा सदन
रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321
आज कार्तिक अमावस्या है अपने पितरों के मोक्ष के लिए गौशाला अवश्य पधारें। गो ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बनें। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail:
NARAYANI GOW SEVA SADAN,
A/C No. 50200065063209,
for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996,
TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889
JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.
गौ माता के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागीदार बनें। सभी गौभक्त सपरिवार पधारकर, दान-पुण्यकर गौसेवा का लाभ लेवें।
निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन
शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद

।। श्री गणेशाय नमः ।।
श्री आईजी गौशाला
मल्कारम, बालाजीनगर (कापरा मंडल) (रजि. नं. 720/2008)
प्रकाश व खुशियों के महापर्व दीपावली में आपके जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि आए
कार्तिक अमावस्या सभी अमावस्या में सबसे अधिक शक्तिशाली मानी गई है. इस दिन विधि विधान से भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा करने का विधान बताया गया है. भगवान गणेश सभी विघ्नों को समाप्त करने वाले हैं. यदि उनके 12 नामों का उच्चारण पूजा के दौरान किया जाए और उसके बाद 'नवग्रह स्तोत्र' का पाठ किया जाए तो सभी नवग्रह का नकारात्मक प्रभाव खत्म हो जाएगा और घर में धन-धान्य, धन संपत्ति की वृद्धि होगी. साथ ही व्यापार में वृद्धि और नौकरी में प्रमोशन मिलेगा. कार्तिक अमावस्या के दिन नवग्रह स्तोत्र का पाठ करने से घर में सुख समृद्धि, खुशहाली आएगी और परिवार के सभी सदस्यों का स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहेगा।
कार्तिक अमावस्या पर सपरिवार गौशाला पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्यकर लाभ लेवें।
गौशाला के बैंक एकाउंट में भी दान राशि जमा कराकर पुण्य के भागीदार बनें
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c No. 62492036580, IFSC : SBIN0020435)
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुक्माराम सानपुरा 9441118022

सीएम रेवंत ने सरदार पटेल को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की एक प्रमुख नेता के रूप में सराहना की, जिन्होंने सभी रियासतों के विलय के माध्यम से पूर्ण संप्रभु स्वतंत्र भारत का निर्माण किया।मुख्यमंत्री ने बुधवार को सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी सेवाओं को याद किया। रेड्डी ने कहा, स्वतंत्र भारत के पहले उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार पटेल की पहल और प्रयासों के कारण सैकड़ों प्रांतों का भारत में विलय हुआ है। उन्होंने सभी से सरदार पटेल की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

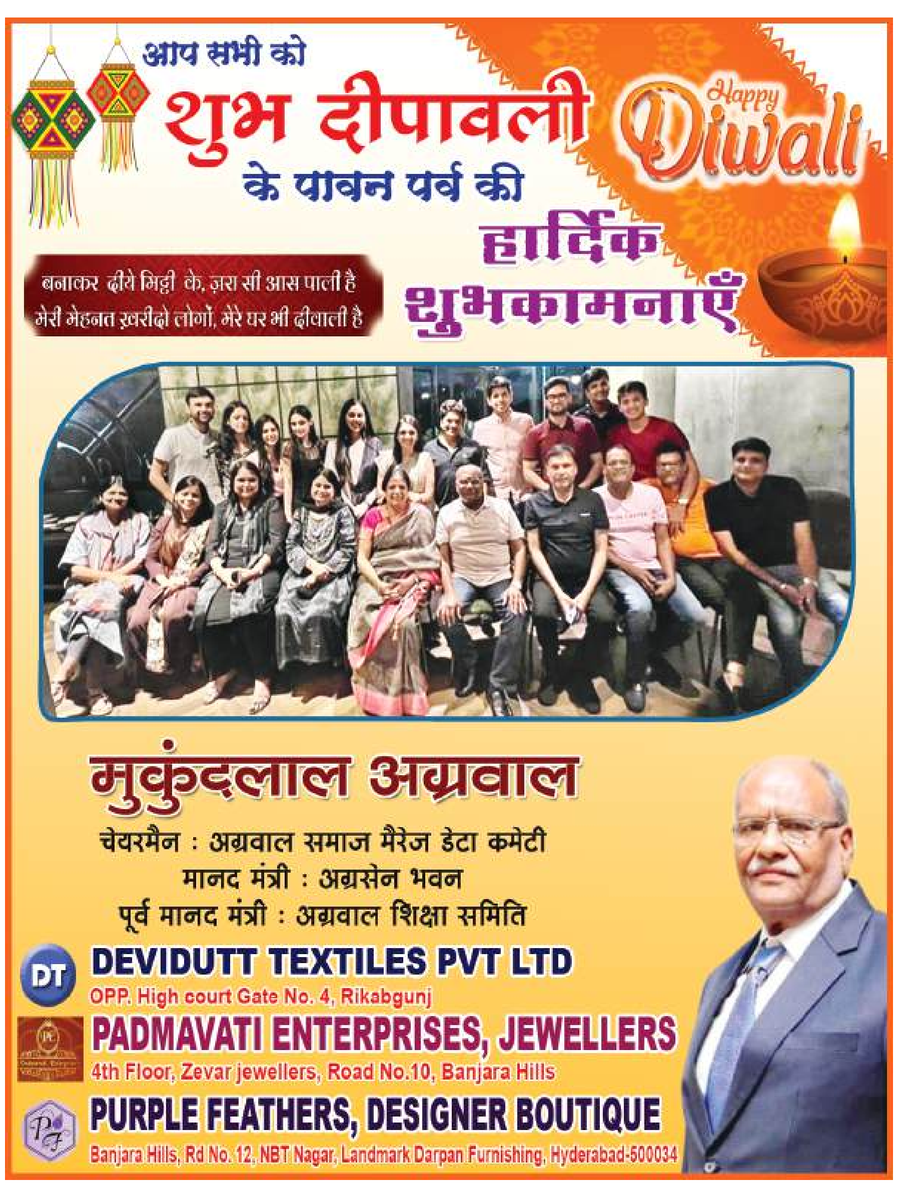

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

MPL®

STEEL PIPES

Issi par hai bharosa

May your celebrations be strengthened
by prosperity and happiness

MPL Steel Pipes wishes you a

Happy Diwali

MPL Steel Pipes has been a trusted name since 1959, synonymous with high-quality steel. Our pipes undergo more than 40 quality checks, ensuring unmatched strength and durability. We cater to your residential and commercial structural requirements with 4000+ applications, backed by our product range of 450+ product sizes.

- SMOOTH EDGES
- EYE CATCHING AND ATTRACTIVE
- STRAIGHT PIPE
- CONSISTENT THICKNESS & WEIGHT
- QUALITY CHECKS
- WORLD CLASS MANUFACTURING PROCESS
- DEFECT FREE SEAM WELD
- EASY TO USE/ FABRICATE
- EASY IDENTIFICATION THICKNESS WISE COLOR CODING & BUNDLE TAGS
- WIDE RANGE 450 + SIZES
- MADE FROM THE FINEST IRON ORE IN THE WORLD
- BIS STANDARD HR COILS

TÜV INDIA
ISO 9001 + ISO 14001 + ISO 45001 Certified

MADE WITH PRIMARY STEEL

Reach out to us on 040-67330000 www.mplsteelpipes.com

MPL House, Pillar No. 75, 13-6-439/1/A/111/10&11, Balaji Nagar, Mehdipatanam Road, Hyderabad – 500006.

MADE FROM 100% IS 10748 CERTIFIED HR COIL

दीपावली पर करे मां लक्ष्मी का पूजन पाएं आर्थिक समृद्धि

कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला खुशियों और रोशनी का त्योहार दीपावली हिंदू धर्म का सबसे बड़ा और प्राचीन त्योहार है। यह त्योहार मां लक्ष्मी के सम्मान में मनाया जाता है। कुछ जगहों पर इस त्योहार को नए साल की शुरुआत भी माना जाता है। दीपोत्सव से कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं।

यह त्योहार भगवान राम और माता सीता के 14 वर्ष के वनवास के बाद घर आगमन की खुशी में मनाया जाता है। कथाओं के अनुसार दीपावली के दिन ही भगवान विष्णु ने नरसिंह रूप धारण कर हिरण्यकश्यप का वध किया था। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार दीपावली 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी। यह भी कहा जाता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया तब ब्रजवासियों ने इस दिन दीप प्रज्ज्वलित कर खुशियां मनाईं। जैन धर्म के लोग इस त्योहार को भगवान महावीर के मोक्ष दिवस के रूप में मनाते हैं। दीपावली की रात को इस रूप में जाना जाता है कि मां लक्ष्मी ने पति के रूप में भगवान विष्णु को चुना और फिर उनसे विवाह किया। दीपावली का त्योहार भगवान विष्णु के वैकुंठ में वापसी के दिन के रूप में भी मनाया जाता है। यह भी मान्यता है कि कार्तिक अमावस्या के दिन मां लक्ष्मी समुद्र से प्रकट हुई थीं। इसी दिन अमृतसर में स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास हुआ था। दीपावली की रात मां काली की पूजा का भी विधान है।

भारत के त्योहारों में दीपावली काफी विशिष्ट स्थान रखती है। इस त्योहार के अवसर पर घरों और दूकानों को सजाया-संवारा जाता है। उनकी साफ-सफाई की जाती है। इस दिन धन की देवी लक्ष्मी की पूजा विशेष रुप से की जाती है। हिन्दू धर्म के अनुसार दीपावली के दिन धन की देवी महालक्ष्मी के साथ विघ्न-विनाशक श्री गणेश की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की भी पूजा-आराधना की जाती है। कहा जाता है कि कार्तिक मास की अमावस्या की आधी रात में देवी लक्ष्मी धरती पर आती हैं और हर घर में जाती हैं। जिस घर में स्वच्छता और शुद्धता होती है वह वहां निवास करती हैं।

दीपावली हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है। हर देशवासी को इस त्यौहार का इंतजार रहता है। यह रोशनी और प्रकाश का त्यौहार है। इस दिन बच्चों को खाने के लिए तरह तरह की मिठाइयां मिलती हैं और पटाखे चलाने को मिलते हैं। दीपावली के दिन गणेश लक्ष्मी की पूजा की जाती है। यह त्यौहार अंधकार पर प्रकाश की विजय को दिखाता है। इस दिन घरों में दिए जलाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार की लाइटें, रंग बिरंगी रोशनी लगाई जाती हैं। लोग नए वस्त्र पहनते हैं। शाम को मिठाइयां बांटी जाती हैं, लोग दावतों में जाते हैं।

दीपावली का महत्व– ज्योतिषाचार्य ने बताया कि 14 वर्ष के वनवास के बाद भगवान राम अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटने का प्रतीक है दीवाली। अपने पिता राजा दशरथ के आदेश के बाद भगवान राम 'वनवास' के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने भारत के जंगलों और गांवों में 14 साल बिताए। अपने वनवास के अंत में दस मुखी लंका के राजा रावण ने सीता का अपहरण कर लिया था। इसके बाद भगवान राम ने रावण से युद्ध किया और रावण को मारकर अपनी पत्नी को लेकर वापिस अयोध्या लौटे। महाकाव्य रामायण में भगवान राम की जीत बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

दीपावली का त्योहार आते ही घर में एक अलग सा माहौल नजर आने लगता है। जहां एक तरफ पूरे घर को सजाया जाता है, वहीं भगवान गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन मां लक्ष्मी घर में वास करती हैं। अगर दीवाली में मां लक्ष्मी को खुश कर लिया तो घर में कभी भी धन की समस्या नहीं होती। लेकिन इसी दिन भगवान गणेश को भी पूजा जाता है। बुद्धि और विवेक के प्रतीक माने जाने वाले गणेश को इस दिन मां लक्ष्मी के साथ क्यों पूजा जाता है। इसके बारे में काफी कम लोग जानते हैं। लेकिन हमारे देश में हर त्योहार और उसे मनाने के तरीके के पीछे एक कहानी छिपी होती है। दीवाली पर गणेश और लक्ष्मी की पूजा के पीछे भी एक ऐसी कहानी है।

कहानी – ग्रंथों के मुताबिक एक बार एक वैरागी साधु को राजसुख भोगने की इच्छा जागृत हुई, इसके लिए उसने मां लक्ष्मी की आराधना शुरू की। उसकी कड़ी तपस्या और आराधना से लक्ष्मी जी प्रसन्न हुईं और उसे दर्शन देकर वरदान दिया कि उसे उच्च पद और सम्मान प्राप्त होगा। इसके बाद वह साधु राज दरबार में पहुंचा। वरदान मिलने से उसे अभिमान हो गया था। उसने भरे दरबार में राजा को धक्का मारा जिससे राजा का मुकुट नीचे गिर गया। राजा व उसके साथी उसे मारने के लिए दौड़े। लेकिन इसी बीच राजा के गिरे हुए मुकुट से एक कालानाग निकल कर बाहर आया। सभी चौंक गए और साधु को चमत्कारी समझकर उसकी जय जयकार करने लगे। राजा ने इस बात से प्रसन्न होकर साधु को अपना मंत्री बना दिया। उस साधु को रहने के लिए अलग से महल भी दे दिया गया। राजा को एक दिन वह साधु भरे दरबार से हाथ खींचकर बाहर ले गया। यह देख दरबारी जन भी पीछे भागे। सभी के बाहर जाते ही भूकंप आया और भवन खण्डहर में तब्दील हो गया। लोगों को लगा कि साधु ने सबकी जान बचाई। इसके बाद साधु का मान-सम्मान और भी ज्यादा बढ़ गया। अब इस वैरागी साधु में अहंकार और भी ज्यादा बढ़ गया।

हटवा दी गणेश की प्रतिमा

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि राजा के महल में एक गणेश जी की प्रतिमा थी. एक दिन साधु ने यह कहकर वह प्रतिमा हटवा दी कि यह देखने में बिल्कुल अच्छी नहीं है। कहा जाता है कि साधु के इस कार्य से गणेश जी रुष्ठ हो गए। उसी दिन से उस मंत्री बने साधु की बुद्धि भ्रष्ट होना शुरू हो गई और वह ऐसे काम करने लगा जो लोगों की नजरों में काफी बुरे थे।. इसे देखते हुए राजा ने उस साधु से नाराज होकर उसे कारागार में डाल दिया।. साधु जेल में एक बार फिर से लक्ष्मी जी की आराधना करने लगा।. लक्ष्मी जी ने दर्शन देकर उससे कहा कि तुमने भगवान गणेश का अपमान किया है। इसके लिए गणेश जी की आराधना करके उन्हें प्रसन्न करो। इसके बाद वह साधु गणेश जी की आराधना करने लगा। उसकी इस आराधना से गणेश जी का क्रोध शान्त हो गया। एक रात गणेश जी ने राजा के स्वप्न में आकर कहा कि साधु को फिर से मंत्री बनाया जाए। राजा ने आदेश का पालन करते हुए साधु को मंत्री पद दे दिया। इस घटना के बाद से मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा एक साथ होने लगी।

बिना बुद्धि के धन नहीं

भगवान गणेश बुद्धि के प्रतीक हैं तो मां लक्ष्मी धन-समृद्धि की। घरों में इन मूर्तियों को स्थापित कर पूजन करने से धन और सद्बुद्धि दोनों आएगी। शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी जी को धन का प्रतीक माना गया है, जिसकी वजह से लक्ष्मी जी को इसका अभिमान हो जाता है। विष्णु जी इस अभिमान को खत्म करना चाहते थे इसलिए उन्हों ने लक्ष्मी जी से कहा कि स्त्री तब तक पूर्ण नहीं होती है, जब तक वह मां न बन जाये। लक्ष्मी जी के कोई पुत्र नहीं था, इसलिए यह सुन के वे बहुत निराश हो गयी। तब वे देवी पार्वती के पास गयीं। पार्वती जी को दो पुत्र थे इसलिए लक्ष्मी जी ने उनसे एक पुत्र को गोद लेने को कहा। पार्वती जी जानती थीं कि लक्ष्मी जी एक स्थान पर लंबे समय नहीं रहती हैं। इसलिए वे बच्चे की देखभाल नहीं कर पाएंगी, लेकिन उनके दर्द को समझते हुए उन्होंने अपने पुत्र गणेश को उन्हें सौंप दिया। इससे लक्ष्मी जो बहुत प्रसन्न हुईं। उन्होंने कहा कि सुख-समृद्धि के लिए पहले गणेश जी की पूजा करनी पड़ेगी, तभी मेरी पूजा संपन्न होगी

इन मंत्रों से करें मां को प्रसन्न

यह मां लक्ष्मी के अलग-अलग नाम हैं, जिनका जप करने से मां प्रसन्न होती है।

ॐ आद्यलक्ष्म्यै नम:, ॐ विद्या-लक्ष्म्यै नम:, ॐ सौभाग्यलक्ष्म्यै नम:, ॐ अमृतलक्ष्म्यै नम:, ॐ कामलक्ष्म्यै नम:, ॐ सत्यलक्ष्म्यै नम:,

ॐ भोगलक्ष्म्यै नम:, ॐ योगलक्ष्म्यै नम:.

ऊं अपवित्र: पवित्रोवा सर्वावस्थां गतो पिवा ।

य: स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तर:।।

ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

दीपावली के पूजन के शुभ प्रतीक

दीपावली के पूजन महालक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस पूजा के साथ ही घर और पूजा घर को सजाने के लिए मंगल वस्तुओं का उपयोग किया जाता है। आइए विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास से जानते हैं कि गृह सुंदरता, समृद्धि और दीपावली के पूजन के कौन-से शुभ प्रतीक हैं।

दीपक– दीपावली के पूजन में दीपक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सिर्फ मिट्टी के दीपक का ही महत्व है। इसमें पांच तत्व हैं मिट्टी, आकाश, जल, अग्नि और वायु। अतः प्रत्येक हिंदू अनुष्ठान में पंचतत्वों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। कुछ लोग पारंपरिक दीपक की रोशनी को छोड़कर लाइट के दीपक या मोमबत्ती लगाते हैं जो कि उचित नहीं है।

रंगोली– उत्सव-पर्व तथा अनेकानेक मांगलिक अवसरों पर रंगोली या मांडने से घर-आंगन को खूबसूरती के साथ सजाया जाता है। यह सजावट ही समृद्धि के द्वार खोलती है।घर को साफ सुथरा करके आंगन व घर के बीच में और द्वार के सामने और रंगोली बनाई जाती है।

कौड़ी– पीली कौड़ी को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। दीवापली के दिन चांदी और तांबे के सिक्के के साथ ही कौड़ी का पूजन भी महत्वपूर्ण माना गया है। पूजन के बाद एक-एक पीली कौड़ी को अलग-अलग लाल कपड़े में बांधकर घर में स्थित तिजोरी और जेब में रखने से धन समृद्धि बढ़ती है।

तांबे का सिक्का– तांबे में सात्विक लहरें उत्पन्न करने की क्षमता अन्य धातुओं की अपेक्षा अधिक होती है। कलश में उठती हुई लहरें वातावरण में प्रवेश कर जाती हैं। यदि कलश में तांबे के पैसे डालते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि के द्वार खुलेंगे। देखने में ये उपाय छोटे से जरूर लगते हैं लेकिन इनका असर जबरदस्त होता है।

मंगल कलश– भूमि पर कुंकू से अष्टदल कमल की आकृति बनाकर उस पर कलश रखा जाता है। एक कांस्य, ताम्र, रजत या स्वर्ण कलश में जल भरकर उसमें कुछ आम के पत्ते डालकर उसके मुख पर नारियल रखा होता है। कलश पर कुंकूम, स्वस्तिक का चिह्न बनाकर, उसके गले पर मौली (नाड़ा) बांधी जाती है।

श्रीयंत्र–धन और वैभव का प्रतीक लक्ष्मीजी का श्रीयंत्र। यह सर्वाधिक लोकप्रिय प्राचीन यंत्र है। श्रीयंत्र धनागम के लिए जरूरी है। श्रीयंत्र यश और धन की देवी लक्ष्मी को आकर्षित करने वाला शक्तिशाली यंत्र है। दीपावली के दिन इसकी पूजा होना चाहिए।

फूल–कमल और गेंदे के पुष्प को शांति, समृद्धि और मुक्ति का प्रतीक माना गया है। सभी देवी-देवताओं की पूजा के अलावा घर की सजावट के लिए भी गेंदे के फूल की आवश्यकता लगती है। घर की सुंदरता, शांति और समृद्धि के लिए यह बेहद जरूरी है।

नैवेद्य–लक्ष्मीजी को नैवद्य में फल, मिठाई, मेवा और पेठे के अलावा धानी, बताशे, चिरौंजी, शक्करपारे, गुझिया आदि का भोग लगाया जाता है। नैवेद्य और मीठे पकवान हमारे जीवन में मिठास या मधुरता घोलते हैं।

दीपावली पूजन मुहूर्त– इस दिन पूरा दिन ही शुभ माना जाता है। इस दिन किसी भी समय पूजन कर सकते हैं लेकिन प्रदोष काल से लेकर निशाकाल तक समय शुभ होता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दीवाली के दिन क्या करें, सुबह से लेकर शाम तक की 15 जरूरी बातें

दीपावली भारत का महत्वपूर्ण और मनमोहक त्योहार है। यह त्यौहार हर साल कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों को दीपों, मोमबत्तियों और रंगोली से सजाते नए कपड़े पहनते हैं, परिवार के साथ समय बिताते हैं, मिठाइयां बांटते हैं, जिससे चारों ओर एक खुशनुमा माहौल बनता है। ऐसे में कोई काम छूट न जाए, इसलिए आइए बताते हैं, दीवाली के दिन सुबस से शाम तक क्या-क्या करें।

सुबह– दीवाली की सुबह से ही तैयारियां शुरू जाती हैं। सुबह अपने घरों की सफाई करते हैं और उसे नया रूप देते हैं। इसके बाद, रंगोली बनाना एक पारंपरिक गतिविधि होती है। विभिन्न रंगों से बनी रंगोली दरवाजे के सामने सजावट का काम करती है।

साफ-सफाई: घर की अच्छी तरह से सफाई करें।

रंगोली: मुख्य द्वार पर बनाएं।

दीप जलाना: सुबह के समय भगवान का ध्यान करते हुए दीपक जलाएं।

दोपहर– दोपहर में देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। यह पूजा धन और समृद्धि के लिए होती है। घर के लिए विशेष व्यंजन बनाएं, जिसमें मिठाइयां, नमकीन और अन्य स्वादिष्ट व्यंजन शामिल हैं। पूजा के बाद परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन का आनंद लें।

पूजा: देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करें।

प्रसाद तैयार करना: पूजा के लिए मिठाई और फल का प्रसाद तैयार करें।

परिवार के साथ भोजन: खास व्यंजन बनाकर परिवार के साथ भोजन का आनंद लें। शाम को, दीप जलाने का समय होता है। घर के हर कोने में दीपक जलाएं। मुहुर्त के समय देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करें। प्रसाद बांटें। इसके बाद बारी आती है पटाखों की, जो परिवार के साथ आनंद और उत्साह को बढ़ाता है।

दीप जलाना: घर के कोनों में दीपक और मोमबत्तियां जलाएं।

पटाखे: सुरक्षित स्थान पर पटाखे जलाएं।

गिफ्ट्स: परिवार और दोस्तों को उपहार दें।

दूसरों के साथ खुशियां बांटना: पड़ोसियों और दोस्तों के साथ मिलकर दीवाली मनाएं।

रात – दीवाली का असली जादू तब है जब लोग एक-दूसरे को उपहार देते हैं और खुशियां बांटते हैं। यह दिन केवल व्यक्तिगत खुशी का नहीं, बल्कि सामूहिक एकता का भी प्रतीक है। परिवार, मित्र और पड़ोसी मिलकर इस पर्व को मनाते हैं, जिससे रिश्तों में मजबूती आती है।

परिवार के साथ समय बिताना: साथ में बिताएं, गप्पें करें या फिल्म देखें।

सामुदायिक उत्सव: अगर संभव हो तो सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लें।

दीपोत्सव में 5 अलग-अलग देवताओं का होगा पूजन आरोग्य

आरोग्य, ऐश्वर्य, उन्नति व प्रकाश का पांच दिवसीय पर्व दीपावली मंगलवार को धनत्रयोदशी के शुरू होगा। भाई दूज तक चलने वाले उत्सव में पांच दिन पांच अलग-अलग देवताओं का पूजन किया जाएगा। इस बार तिथि मतांतर के कारण नर्कहरा चतुर्दशी व दीपावली एक ही दिन है। वहीं, गोवर्धन पूजा दीपावली के एक दिन बाद 2 नवंबर को होगी। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं.अमर डब्बावाला बताया पंचांगीय गणना व धर्मशास्त्र की मान्यता के अनुसार इन तारीखों में पांच त्योहार मनाना शुभ फलदायी रहेगा।इस दिन आयु, आरोग्य व अज्ञात भय निवृत्ति के लिए यमराज के निमित्त दीपदान अवश्य करना चाहिए। तिल्ली के तेल का दीपक जलाने से यमराज की कृपा प्राप्त होती है। ऐसा करने से परिवार में अकाल मृत्यु नहीं होती है।

प्रदोष काल में होगा माता लक्ष्मी का पूजन

दीपावली के दिन सुख, समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी के पूजन का विधान है। इस बार 31 अक्टूबर को प्रदोष काल व मध्य रात्रि में अमावस्या तिथि होने से यह दिन लक्ष्मी पूजन के लिए विशेष है। शाम को भगवान गणेश, लक्ष्मी तथा कुबेर देवता का पूजन होगा।

गोवर्धन पूजा व अन्नकूट

दीप पर्व का चौथा दिन गोवर्धन पूजा का होता है। दीपावली के अगले दिन पड़वा पर सुबह गोधन व गोवर्धन की पूजा की जाती है। इस बार 31 अक्टूबर को दीपावली मनाई जाएगी, अगले दिन 1 नवंबर को सुबह के समय अमावस्या तिथि होने से 2 नवंबर को गिरिराज गोवर्धन की पूजा होगी। वैष्णव मंदिरों में अन्नकूट का भोग लगाया जाएगा।

यम द्वितीया, भाई दूज

भाई दूज के साथ पांच दिवसीय दीप पर्व का समापन होगा। इस बार 3 नवंबर को भाई दूज मनाई जाएगी। इस दिन बहनों के घर जाकर उनका आतिथ्य स्वीकार करेंगे।

बहनें भाई के दीर्घायु जीवन के लिए उन्हें मंगल तिलक लगाएंगी। इस त्यौहार को मनाने के पीछे यमराज व उनकी बहन यमी की धर्मकथा प्रमुख है। मान्यता है इस दिन भाई व बहनों को यमराज दीर्घायु प्रदान करते हैं।

दीवाली पूजन उत्तम मुहूर्त दिन शाम 6:27 से 8:23 तक स्थिर लग्न, 1.56 घंटा

दीप ज्योति का मुख्य पर्व दीपावली इस साल 31 अक्टूबर को मनाया जाएगा, जो कि कार्तिक अमावस्या तिथि में आता है। इस अवसर पर लक्ष्मी पूजन का समय प्रदोष काल में विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना है। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार इस दिन स्थिर लग्न वृषभ में लक्ष्मी पूजन का उत्तम मुहुर्त सायं 6:27 से रात 8:23 बजे तक रहेगा।

मुहूर्त में करें लक्ष्मी जी का पूजन–31 अक्टूबर को कार्तिक अमावस्या तिथि में मनाया जाएगा। इस पर्व पर लक्ष्मी पूजन का प्रमुख प्रदोष काल माना जाता है, जिसमें स्थिर लग्न की प्रधानता होती है। इस दिन लक्ष्मी पूजन के लिए उत्तम मुहुर्त स्थिर लग्न वृषभ में सायं 6:27 से रात 8:23 बजे तक रहेगा, जिससे घरों और प्रतिष्ठानों में समृद्धि की कामना की जा सकेगी।

पढ़ें पूजन का महत्व और समय– पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार, कार्तिक अमावस्या 31 अक्टूबर और 1 नवंबर दोनों दिन है। अमावस्या 31 अक्टूबर को दोपहर 3:12 बजे समाप्त होगी। एक नवंबर को सायं 5:13 बजे के बाद प्रतिपदा लग जाएगी। इस कारण दीपावली मनाने का समय शास्त्र सम्मत है।

उपयोगिता और धार्मिक महत्व –कार्तिक अपने आप में स्वयं सिद्ध मुहूर्त है। इस दिन किए गए कार्य वर्ष भर सफलता दिलाते हैं। व्यापारी वर्ग इस अवसर पर महालक्ष्मी का पूजन कर व्यापार में उन्नति की कामना करता है। तिथि विशेष पर तांत्रिक लोग तंत्र-मंत्र की सिद्धि भी करते हैं और बंगीय समाज में महाकाली का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार दीपावली का पर्व एक महत्व-पूर्ण और शुभ अवसर है।

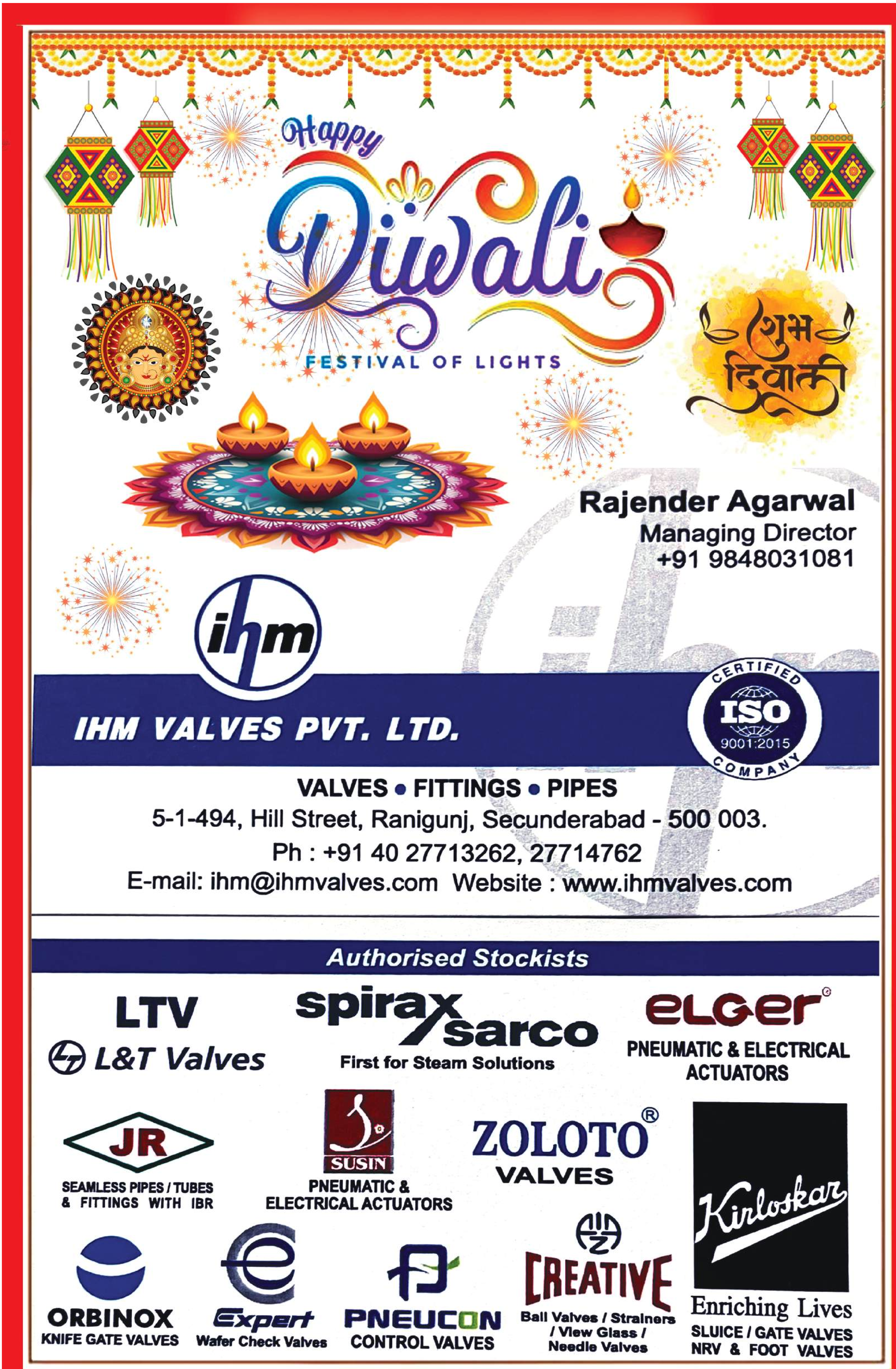
Happy Diwali
FESTIVAL OF LIGHTS
शुभ दिवाली
Rajender Agarwal
Managing Director
+91 9848031081
ihm
IHM VALVES PVT. LTD.
CERTIFIED ISO 9001:2015 COMPANY
VALVES • FITTINGS • PIPES
5-1-494, Hill Street, Ranigunj, Secunderabad - 500 003.
Ph : +91 40 27713262, 27714762
E-mail: ihm@ihmvalves.com Website : www.ihmvalves.com
Authorised Stockists
LTV L&T Valves
spirax sarco
First for Steam Solutions
elger
PNEUMATIC & ELECTRICAL ACTUATORS
JR
SEAMLESS PIPES / TUBES & FITTINGS WITH IBR
SUSIN
PNEUMATIC & ELECTRICAL ACTUATORS
ZOLOTO® VALVES
Kirloskar
Enriching Lives
SLUICE / GATE VALVES NRV & FOOT VALVES
ORBINOX
KNIFE GATE VALVES
Expert
Wafer Check Valves
PNEUCON
CONTROL VALVES
CREATIVE
Ball Valves / Strainers / View Glass / Needle Valves

शुभ दीपावली

दिवाली पूजा विधि

दिवाली के दिन की विशेषता लक्ष्मी जी के पूजन से संबन्धित है. इस दिन हर घर, परिवार, कार्यालय में लक्ष्मी जी के पूजन के रुप में उनका स्वागत किया जाता है. दीवाली के दिन जहां गृहस्थ और वाणिज्य वर्ग के लोग धन की देवी लक्ष्मी से समृद्धि और वित्तकोष की कामना करते हैं, वहीं साधु-संत और तांत्रिक कुछ विशेष सिद्धियां अर्जित करने के लिए रात्रिकाल में अपने तांत्रिक कर्म करते हैं.

पूजा सामग्री

- लक्ष्मी व श्री गणेश की मूर्तियां (बैठी हुई मुद्रा में)
- केशर, रोली, चावल, पान, सुपारी, फल, फूल, दूध, खील, बताशे, सिंदूर, शहद, सिक्के, लौंग.
- सूखे, मेवे, मिठाई, दही, गंगाजल, धूप, अगरबत्ती, 11 दीपक
- रूई तथा कलावा नारियल और तांबे का कलश चाहिए.

पूजा की तैयारी

चौकी पर लक्ष्मी व गणेश की मूर्तियाँ इस प्रकार रखें कि उनका मुख पूर्व या पश्चिम में रहें. लक्ष्मीजी,गणेशजी की दाहिनी ओर रहें. पूजनकर्ता मूर्तियों के सामने की तरफ बैठे. कलश को लक्ष्मीजी के पास चावलों पर रखें. नारियल को लाल वस्त्र में इस प्रकार लपेटें कि नारियल का अग्रभाग दिखाई देता रहे व इसे कलश पर रखें. यह कलश वरुण का प्रतीक है. लक्ष्मीजी की ओर श्री का चिह्न बनाएँ. गणेशजी की ओर त्रिशूल, चावल का ढेर लगाएँ. सबसे नीचे चावल की नौ ढेरियाँ बनाएँ. छोटी चौकी के सामने तीन थाली व जल भरकर कलश रखें. तीन थालियों में निम्न सामान रखें।

किस घर आती हैं लक्ष्मी

जहां स्वच्छता, पति-पत्नी में प्रेम-भाव, बुजूर्गों के प्रति सम्मान और सौहार्द की भावना होती है, वहीं लक्ष्मी निवास करती हैं। अत: लक्ष्मीवान बनने के लिए जरूरी है कि सद्गुणों व संस्कारों को विकसित किया जाए

आजकल लोग भगवती लक्ष्मी को केवल धनागम के लिए पूज रहे हैं, जबकि धन-संपत्ति उनकी विभूति मात्र है। हम लक्ष्मी को धन का पर्याय समझने की भूल कर बैठे हैं। सच तो यह है कि धन केवल इन देवी की एक कला (अंश) मात्र है। इसलिए धनवान होना और लक्ष्मीवान होना, ये दो अलग-अलग बातें हैं। सही मायनों में लक्ष्मी का पर्यायवाची शब्द केवल श्री है। वेद में वर्णित श्रीसूक्त की ऋचाओं के द्वारा लक्ष्मीजी का आह्वान किया जाता है। भगवती की अनुकंपा से धन-संपत्ति के साथ-साथ प्रतिष्ठा, निरोगता, सद्बुद्धि, सुख, शांति और वैभव की प्राप्ति भी होती है। इसी कारण युगों से मानव श्रीमान बनने की कामना करता रहा है, किंतु सच्चा श्रीमान वही है, जो धन पाने के बाद धर्म के पथ से विमुख न हो। यानी अहंकार के वशीभूत होकर बुरे कर्म न करे। स्वार्थी होने के बजाय परमार्थी बने।

दीपावली की पूजा में हम प्रार्थना करते हैं कि भगवती लक्ष्मी हमारे घर पधारें, लेकिन यह जानना भी जरूरी है कि लक्ष्मीजी कहां निवास करना चाहती हैं? पुराणों में इस संदर्भ में एक आख्यान मिलता है। एक बार भगवान विष्णु ने लक्ष्मीजी से पूछा - हे देवि, क्या करने से तुम अचल होकर घर में रहती हो? इस पर विष्णुप्रिया लक्ष्मी बोलीं- जिस घर में कलह-क्लेश नहीं होता, वहां मैं विद्यमान रहती हूं। जिस घर में गृहस्थी का कुशल प्रबंध होता है और जहां सदा स्वच्छता रहती है, मैं उस घर में वास करती हूं। जिस घर में लोग मृदुभाषी और सौहार्द बनाए रखने वाले हैं, मैं वहां निवास करती हूं। जिस परिवार में बड़े-बूढ़ों की सेवा-सुश्रूषा होती है, मैं उस घर में निवास करती हूं। जिस घर के द्वार से कोई भूखा-असहाय खाली नहीं लौटता, मैं वहां वास करती हूं। जहां स्त्रियों का अनादर या शोषण नहीं होता, मैं वहां रहती हूं।

देवी ने श्रीहरि को यह भी बताया कि किस प्रकार के स्त्री-पुरुष उनके प्रिय पात्र होते हैं। जो स्त्री सुख-दुख हर स्थिति में पति का साथ देती है, वह लक्ष्मीजी को प्रिय है। जो पुरुष सदाचारी, कर्मठ, विनयशील, कर्तव्यनिष्ठ एवं पत्नी के प्रति ईमानदार है, वह लक्ष्मीजी की कृपा का पात्र है। कुल मिलाकर, यह निष्कर्ष निकलता है कि भगवती लक्ष्मी सद्गुणों और अच्छे संस्कारों को अपने निमित्त किए जा रहे पूजा-पाठ अर्थात कर्मकांड से अधिक महत्व देती हैं।

हालांकि शास्त्रों में लक्ष्मी-पूजा के लिए अमावस्या तिथि को निषिद्ध माना गया है, किंतु दीपावली में लक्ष्मी-अर्चना कार्तिक मास की अमावस्या को ही होती है। क्योंकि मान्यता है कि दस महाविद्याओं में लक्ष्मी-स्वरूपा कमला का आविर्भाव इसी तिथि में हुआ। कार्तिक अमावस्या वस्तुतः कमला जयंती है। इसलिए इस दिन कमला (लक्ष्मी) का पूजन शास्त्रोचित है। अमावस की अंधेरी रात में दीपमालिका जलाकर पूजा करने का तात्पर्य है कि ज्ञान के प्रकाश से अज्ञान का अंधकार समाप्त हो। इसके अतिरिक्त दीपदान के माध्यम से चातुर्मास में सो रहीं लक्ष्मी (भगवान विष्णु की आह्लादिनी शक्ति) को कार्तिक शुक्ल (देवोत्थान) एकादशी से पूर्व लोकहितार्थ जगाया जाता है। जिस प्रकार एक गृहिणी गृहस्वामी से पहले जागकर अपने कार्य में तत्पर हो जाती है, उसी तरह कार्तिकी अमावस्या के दिन श्रीहरि की अर्द्धांगिनी उनसे ग्यारह दिन पूर्व जाग जाती हैं।

लक्ष्मीजी का जागरण दीपमालिका को प्रज्वलित करने से होता है, अतः कमला जयंती दीपावली के रूप में लोक-विख्यात हो गई। कमल के आसन पर विराजमान, हाथ में कमल पुष्प लिए हुए कमल द्वारा पूजित भगवती कमला साक्षात लक्ष्मी ही हैं। जिस प्रकार कमल कीचड़ में खिलता है, उसी प्रकार कर्मयोगी विपरीत परिस्थितियों से निपटकर लक्ष्य को हासिल कर लेता है।

अतः दीपावली की पूजा का मूल उद्देश्य श्रीमान या लक्ष्मीवान बनना है, न कि केवल धनवान। ज्ञान के आलोक में अंतस का अंधकार (अज्ञान) नष्ट हो जाने पर सद्गुणों का तेज ही मनुष्य को लक्ष्मीवान या श्रीमान बना सकता है। श्री अर्थात लक्ष्मी सिर्फ सदाचारी का ही वरण करती हैं। दुराचारी धनवान भले बन जाए, पर वे श्रीमान (लक्ष्मीवान) कहलाने के अधिकारी नहीं बन सकते। श्रीदेव्यथर्वशीर्ष में महालक्ष्मी गायत्री का उल्लेख है- महालक्ष्म्यै च विद्महे सर्वशक्त्यै च धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात। जिसका भावार्थ यह है - हम महालक्ष्मी को जानते हैं और उन सर्वशक्तिरूपिणी का ही ध्यान करते हैं। वह देवी हमें सत्प्रेरणा देकर सत्कर्मो में प्रवृत्त करें। दीपावली-पूजा में ही हमारा यही संकल्प होना चाहिए।

ग्यारह दीपक (पहली थाली में)

- खील, बताशे, मिठाई, वस्त्र, आभूषण, चन्दन का लेप सिन्दूर कुंकुम, सुपारी, पान (दूसरी थाली में)
- फूल, दुर्वा चावल, लौंग, इलायची, केसर-कपूर, हल्दी चूने का लेप, सुगंधित पदार्थ, धूप, अगरबत्ती, एक दीपक. (तीसरी थाली में)
- इन थालियों के सामने पूजा करने वाला स्व्यं बैठे. परिवार के सदस्य आपकी बाईं ओर बैठें. शेष सभी परिवार के सदस्यों के पीछे बैठे.

दीपक का संदेश

ईश्वर को प्रकाश स्वरूप माना गया है। अतः दीपक की ज्योति ज्ञान एवं विवेक जैसे ईश्वरीय गुणों को प्रकट करती है। दीप पात्रता, लगन, स्नेह और प्रकाश का समन्वय है। इसके अवयवों को इस प्रकार समझा जा सकता है -

पात्र दीपक का पात्र पात्रता-प्रामाणिकता का प्रतीक है। पात्रता का अर्थ ही होता है- प्रामाणिकता। अत: उपासना करने वाले व्यक्ति का प्रामाणिक होना अनिवार्य है।

घृत घी-तेल आदि को संस्कृत में स्नेह कहते हैं। पात्र में इसे भरने का अर्थ है कि प्रामाणिक व्यक्ति अपने अंदर संपूर्ण मानवता के प्रति स्नेह धारण करे।

वर्तिका दीप की बत्ती को संस्कृत में वर्तिका कहते हैं। इसका अर्थ होता है- लगन, अर्थात बिना कर्मठता के ईश्वरीय अनुदान संभव नहीं।

ज्योति पात्र, स्नेह और वर्तिका को धारण करने के बाद ही दीपक ज्योति को धारण कर सकता है। अर्थात पात्रता, स्नेह और कर्मठता के गुणों को धारण करने वाले व्यक्ति के अंतर्मन में ही ईश्वरीय प्रभा आलोकित होती है।

दीप हिंदुओं का तो प्रमुख पूजन प्रतीक है ही, ईसाई भी चर्च में मोमबत्ती जलाते हैं। इस्लाम में चिराग रोशन किया जाता है और पारसियों की प्रमुख आराध्य ही अग्नि है। दीप के महत्व के कारण दीपयज्ञों की परंपरा शुरू हुई। मात्र अंधकार को धिक्कारते रहने से उजाला नहीं आता। उसके लिए दीप जलाना अनिवार्य है। अर्थात विश्व-कल्याण की अपेक्षा करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके लिए प्रयास करना आवश्यक है। जिस प्रकार एक दीप से अनेक दीप जलते हैं, उसी प्रकार एक प्रयास अन्य लोगों को प्रेरणा देगा।

लक्ष्मी पूजन विधि

आप हाथ में अक्षत, पुष्प और जल ले लीजिए. कुछ द्रव्य भी ले लीजिए. द्रव्य का अर्थ है कुछ धन. यह सब हाथ में लेकर संकसंकल्प मंत्र को बोलते हुए संकल्प कीजिए कि मैं अमुक व्यक्ति अमुक स्थान व समय पर अमुक देवी-देवता की पूजा करने जा रहा हूं जिससे मुझे शास्त्रोक्त फल प्राप्त हो. सबसे पहले गणेश जी व गौरी का पूजन कीजिए.हाथ में थोड़ा-सा जल ले लीजिए और आह्वाहन व पूजन मंत्र बोलिए और पूजा सामग्री चढ़ाइए. हाथ में अक्षत और पुष्प ले लीजिए और नवग्रह स्तोत्र बोलिए. अंत में महालक्ष्मी जी की आरती के साथ पूजा का समापन कीजिये.

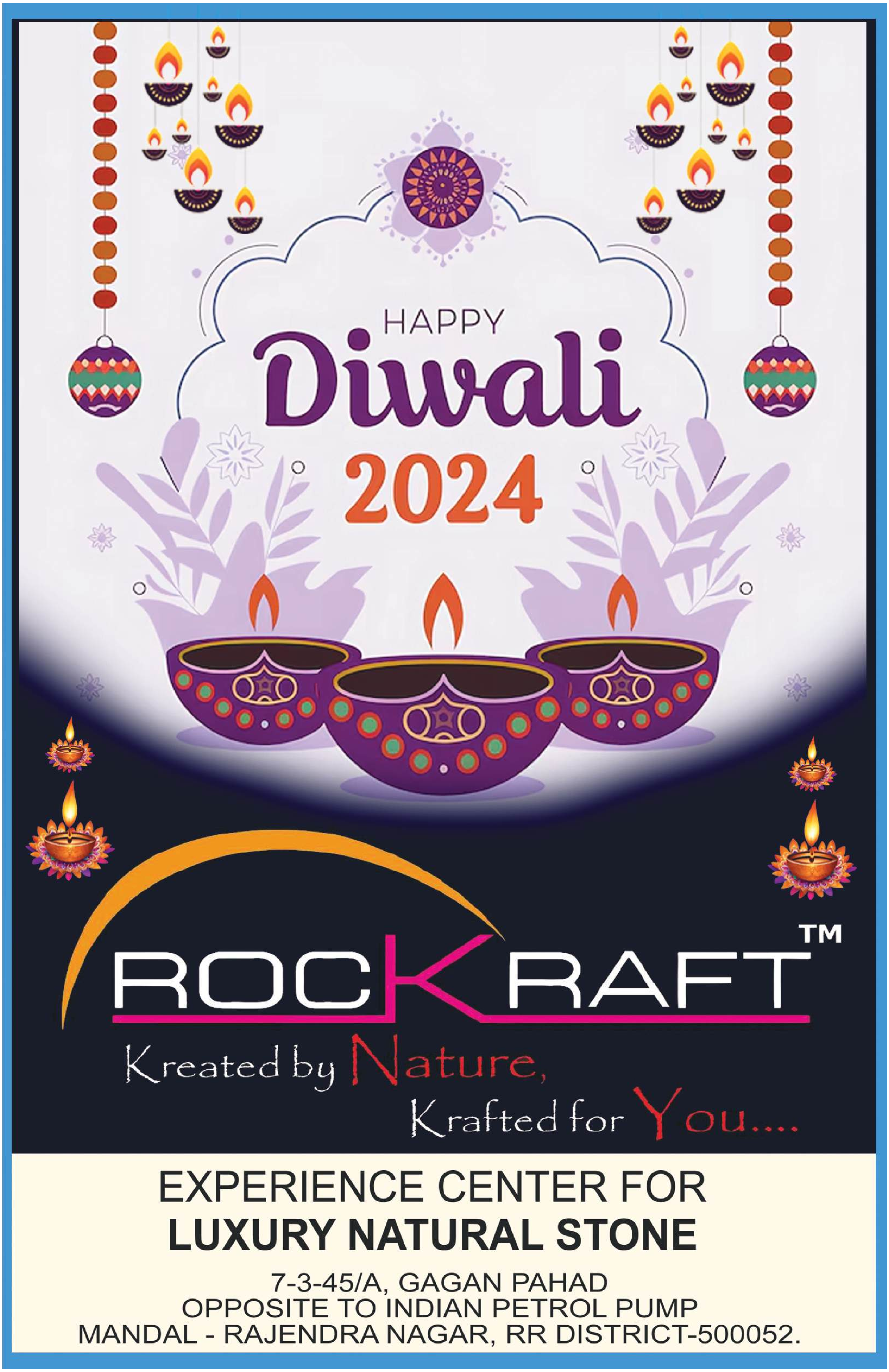
HAPPY
Diwali
2024
ROCKRAFT™
Kreated by Nature,
Krafted for You....
EXPERIENCE CENTER FOR
LUXURY NATURAL STONE
7-3-45/A, GAGAN PAHAD
OPPOSITE TO INDIAN PETROL PUMP
MANDAL - RAJENDRA NAGAR, RR DISTRICT-500052.

पीएम मोदी ने एकता नगर में 284 करोड़ की परियोजनाओं का किया शिलान्यास, लोकार्पण

केवडिया, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में नर्मदा जिले के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर में बुधवार को 284 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

श्री मोदी ने एकता नगर को विभिन्न विकास कार्यों और पर्यटन आकर्षणों की सौगात देकर प्रकाश पर्व दिवाली और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को यादगार बना दिया है। उन्होंने नर्मदा जिले के एकता नगर में 284 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। केवड़िया स्थित दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आज दुनिया भर के सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है। प्रधानमंत्री द्वारा बोनसाई गार्डन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और सरदार सर-ोवर डैम एक्सपीरियंस सेंटर जैसी परियोजनाओं का शिलान्यास और सब डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, ट्रैफिक सर्कल्स और स्मार्ट बस स्टॉप का उद्घाटन किया गया, जो एकता नगर के विकास को एक नई गति देगा।

नरेंद्र मोदी ने एकता नगर में सब डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, ट्रैफिक सर्कल्स, स्मार्ट बस स्टॉप, सीईएसएल-कार चार्जिंग पोर्ट, चार मेगावाट क्षमता की सोलर परियोजना, इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) ऑन व्हील्स का लोकार्पण किया। नागरिकों को बुनियादी चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने के लिए 22 करोड़ रुपए के खर्च से 50 बेड की क्षमता वाले सब डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल का निर्माण किया गया है, जिसमें ट्रॉमा सेंटर, गायनेक ओटी, माइनर ओटी, ओटी रूम, सीटी स्कैन, आईसीयू, लेबर रूम, स्पेशल वॉर्ड, फिजियोथेरेपी वॉर्ड, सर्जन केबिन, मेडिकल स्टोर और एक एंबुलेंस आदि सुविधआएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, दो आईसीयू ऑन व्हील्स का भी लोकार्पण हुआ।

एकता नगर में पर्यटकों की सुविधा के लिए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी क्षेत्र विकास और पर्यटन नियमन प्राधिकरण, एकता नगर (एसओयूएडीटीजीए) 10 स्मार्ट बस स्टॉप और 10 पिक-अप स्टैंड का निर्माण कर रहा है, जिसके फेज-1 का लोकार्पण किया गया। इसके अतिरिक्त यातायात के सुव्यवस्थित प्रबंधन और शहर की सुंदरता बढ़ाने के उद्देश्य से 2.58 करोड़ रुपए के खर्च से एकता नगर तीन रास्ता (तिराहा), गरुड़ेश्वर चौक, चिल्ड्रन न्यूट्रीशन पार्क के सामने और सहकार भवन के पास ट्रैफिक सर्कल बनाए गए हैं। इतना ही नहीं, राहगीरों की सुरक्षा के लिए एकता नगर में 10 स्थानों पर पुश बटन पेडेस्ट्रियन क्रॉसिंग, रेवा भवन के पास कार चार्जिंग पॉइंट और राज्य आरक्षी पुलिस बल (एसआरपीएफ) के लिए रनिंग ट्रैक का भी लोकार्पण किया गया।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी अथॉरिटी ने स्टोन आर्टिजन पार्क ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एसएपीटीआई) संस्थान के सहयोग से जुलाई-2024 में एकता नगर में 20 दिवसीय सिम्पोजियम का आयोजन किया था, जिसमें पानी, प्रकृति और एकता की थीम पर देश भर के नामी शिल्पकारों ने 24 शिल्प बनाए थे। एकता नगर के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए इन शिल्प कृतियों को 24 स्थानों पर लगाया गया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने बस खाड़ी से व्यू पॉइंट-1 तक के वॉकवे और एकता द्वार से श्रेष्ठ भारत भवन तक के वॉकवे (फेज-1) का भी लोकार्पण किया। इसके अलावा यहां आने वाले पर्यटक मियावाकी फॉरेस्ट के विस्तारीकरण और हैलीपेड रोड के सौंदर्यीकरण के भी गवाह बने। प्रधानमंत्री ने 23.26 करोड़ रुपए के खर्च से चार मेगावाट क्षमता के सोलर प्रोजेक्ट का भी लोकार्पण किया, जो नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन देगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एकता नगर में 75 करोड़ रुपए के खर्च से बनने वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का शिलान्यास किया, जो लगभग 4000 घरों, सरकारी आवासों तथा अन्य आतिथ्य व्यवसायों से निकलने वाले गंदे पानी का निपटान कर लोगों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा। इसके अलावा, फायर स्टाफ रेजिडेंशियल क्वार्टर्स, सरदार सरोवर डैम एक्सपीरियंस सेंटर का भी शिलान्यास किया गया। सरदार सरोवर डैम एक्सपीरियंस सेंटर नर्मदा डैम की संपूर्ण कार्यप्रणाली और उसके परिवर्तनकारी प्रभावों को दर्शाएगा। इस सेंटर में दूरदर्शिता, निर्माण, ज्ञान, प्रभाव, प्रगति और ऊर्जा सहित कुल छह गैलरियां बनाई जाएंगी। प्रधानमंत्री ने टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने वाले बोनसाई गार्डन का भी शिलान्यास किया, जो जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देगा। यह विश्व स्तरीय बोनसाई गार्डन जटिल बोनसाई कला को प्रोत्साहन देगा और बागवानी, सौंदर्य शास्त्र और सांस्कृतिक विरासत को आपस में जोड़ेगा। सतपुड़ा प्रोटेक्शन वॉल और जेटी का विकास 2023 में आई बाढ़ के प्रभाव को ध्यान में रखकर कैक्टस गार्डन के समीप प्रोटेक्शन वॉल (सुरक्षा दीवार) का विस्तार किया जाएगा, ताकि बाढ़ के विरुद्ध सुरक्षा के अलावा पर्यटकों को रिवरफ्रंट, फूड स्टॉल और वॉकवे की सुविधा प्रदान की जा सके। वहीं, जेटी का विकास होने से परिवहन की सुविधा में भी वृद्धि होगी। गरुड़ेश्वर में हॉस्पिटैलिटी डिस्ट्रिक्ट के विकास के लिए निर्धारित किया गया क्षेत्र डूब गया था, इसके मद्देनजर भविष्य में बाढ़ से इस भूमि को बचाने के लिए 60 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से भूमि का स्तर बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

महाकालेश्वर मंदिर में स्वचालित वेंडिंग मशीन के माध्यम से श्रद्धालु प्रसाद ले सकेंगे

उज्जैन, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के उज्जैन में ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर ऐसा मंदिर बनने जा रहा है, जहां स्वचालित वेंडिंग मशीन से श्रद्धालुओं को प्रसाद की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि भक्तों द्वारा क्यूआर कोड स्कैन कर पेमेंट करने के बाद प्रसाद के कूप से लड्डू का पैकेट मशीन से बाहर निकलेगा। इसके लिए मंदिर समिति ने कोयंबटूर की 5जी टेक्नोलॉजी नामक कंपनी को ऑटोमेटिक मशीन का ऑर्डर दिया है। मशीन से 100 ग्राम 200 ग्राम और 500 ग्राम लड्डू के पैकेट श्रद्धालु प्राप्त कर सकेंगे।

विश्व प्रसिद्ध बारह ज्योतिर्लिंगों में से एकमात्र दक्षिणमुखी भगवान श्री महाकालेश्वर मन्दिर में प्रबंध समिति द्वारा लड्डू प्रसाद निर्माण इकाई एवं नि:शुल्क अन्नक्षेत्र संचालित किया जा रहा है। कोविड-19 के दौरान भी गाईड लाइन का पालन करते हुए दर्शनार्थियों को सुलभ दर्शन कराने के साथ-साथ हाईजेनिक लड्डू प्रसाद एवं अन्नक्षेत्र में नि:शुल्क भोजन प्रसादी की उच्च उत्कृष्टता स्तर का 5 स्टार रेटिंग में शामिल किया गया। इस संबंध में भारत सरकार के एफएसएसएआई द्वारा प्रमाण-पत्र जारी किया जा चुका है। वर्ष 2021 में सम्पूर्ण भारत में श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा लड्डू प्रसाद के क्षेत्र में हाईजेनिक उत्कृष्टता में 5 स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाला सम्भवतः प्रथम धार्मिक संस्थान है और नि:शुल्क अन्नक्षेत्र हाईजेनिक उत्कृष्टता 5 स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाला धार्मिक संस्थानों में तीसरा संस्थान है।

भारत सरकार की एफएसएसएआई द्वारा उक्त दोनों ईकाइयों में विभिन्न बिन्दुओं पर निरीक्षण कर ऑडिट किया गया और मूल्यांकन उपरान्त दोनों इकाईयों को उत्कृष्ट माना गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति को सेफ भोग प्लेस का प्रमाण-पत्र भी प्राप्त है।

छठ की छटा को अब देश-विदेश के पर्यटक करीब से जान पाएंगे : नीतीश

पटना, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में लोक आस्था के महापर्व छठ की छटा को अब देश-विदेश के पर्यटक करीब से देख-जान सकेंगे। पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने बुधवार को यहां बताया कि छठ की महिमा को देश-विदेश के सभी श्रद्धालुओं तक पहुंचाने के इरादे से छठ को पर्यटन उत्सव का रूप दिया जा रहा है। विभाग द्वारा पहली बार विशेष टूर पैकेज बनाकर देश-विदेश के पर्यटकों को आमंत्रित किया जा रहा है। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम इस पवित्र महापर्व को लेकर दो तरह के टूर पैकेज लेकर आया है।मंत्री ने बताया कि श्रद्धालु और पर्यटक इसका लाभ उठा सकते हैं। नहाय खाय से लेकर पारण तक की परंपरा और संस्कृति से देश-विदेश के लोगों को रू-ब-रू होने का मौका पर्यटन विभाग के द्वारा दिया जा रहा है। श्री मिश्रा ने बताया कि इस टूर पैकेज में पटना में पर्यटकों का भव्य स्वागत के बाद वातानुकूलित वाहन से सभी यात्रा और दर्शनीय स्थलों का दर्शन कराया जाएगा। उनको लक्जरी और डीलक्स होटल में आवासन, दैनिक बुफे नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना, शाम का नाश्ता और चाय-कॉफी की सुविधा, यात्रा के दौरान टूर गाइड सेवा, छठ पूजा के दौरान पूजा करने वाले परिवारों से मिलना, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार सभी स्मारक टिकट, क्रूज-नाव की सवारी, टूर प्रबंधन के साथ 24 घंटे मोबाइल संपर्क आदि सुविधाएं दी जाएगी।

फुलवारीशरीफ कांड के अभियुक्त नूरुद्दीन जंगी की जमानत रद्द

पटना, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की बिहार में पटना स्थित विशेष अदालत ने फुलवारीशरीफ कांड के रूप में बहुचर्चित धार्मिक वैमनस्यता एवं अशांति फैलाने के प्रयास के मामले के एक अभियुक्त नूरुद्दीन जंगी की जमानत बुधवार को रद्द कर दी।

विशेष न्यायाधीश अभिजीत कुमार की अदालत में आज इस मुकदमे में अभियोजन की ओर से गवाह पेश किया गया था लेकिन न तो अभियुक्त नूरुद्दीन जंगी स्वयं हाजिर था और न ही उसकी तरफ से उसके वकील उपस्थित हुए। बार-बार पुकार के बाद भी उसकी ओर से कोई अदालत में हाजिर नहीं हुआ। इसके बाद अदालत ने इसे जमानत का दुरुपयोग मानते हुए उसकी जमानत रद्द कर दी और उसकी गिरफ्तारी के लिए गैरजमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया।गौरतलब है कि पटना के फुलवारीशरीफ में धार्मिक वैमनस्यता एवं अशांति फैलाने के प्रयास के आर-ोपों में एक मुकदमा फुलवारीशरीफ थाना कांड संख्या 827/2022 के रूप में दर्ज किया गया था। मामले में आतंकवादी गतिविधियों का पता चलने पर एनआईए ने इस मामले में अपनी प्राथमिकी आरसी 31/2022 रूप में दर्ज कर जांच की थी। इस मामले में 17 अभियुक्तों के खिलाफ सुनवाई हो रही है, जिनमें से 16 अभियुक्त जेल में बंद है जबकि एकमात्र अभियुक्त नूरुद्दीन जंगी ही जमानत पर मुक्त था।

शुभ
लाभ
।। शुभ दीपावली ।।
HAPPY
DIWALI
FESTIVAL OF LIGHTS
Sandeep Gupta
+91 9885480060
+91 9848290000
SANDEEP
Cement Agencies (I) Pvt. Ltd.
UltraTech
Super
CEMENT
The Engineer's Choice
SANDEEP AGENCIES
Franchise : Ultratech Cement Ltd., Birla White Cement, Wall Care Putty.
Stockists : AAC Blocks, Flyash Bricks, Concrete Blocks, TMT Bars
5-35/8/A, GA-12, Chaitanya Towers, Prashanthi Nagar, Kukatpally, IE, Hyd - 500072, TS.
Email: sandeepagencies4744@gmail.com

Jai Mata Di

SOUBHAGYA
(A Munna United Group Company)
SOUBHAGYA INFRA DEVELOPERS PVT. LTD.

शुभ दिपावली

Rangtaali

Happy Diwali

Navaratri Mahotsav

Thank you

We would like to extend our heartfelt thanks for your incredible support in making Season 3 a grand success. Our gratitude goes out to all our sponsors, visitors, committee members, vendors, and the entire supportive team. Thank you, Hyderabad, for your immense backing

Organised by

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Fifth Avenue EVENT MANAGEMENT

SHREE MAHESHWARI DECORATORS

Hospitality Partner — Creative

Decor by — Tanveer Singh Gujral

AGARWAL SAMAJ TELANGANA

Vintage Coffee — Great Aroma... Rich Taste

Fresh Flower Refined Sunflower Oil

JAIN CONSTRUCTIONS Building a better lifestyle

JBL

Fm Partner — fever HAPPENING HAI

Digital Partner — lantrn Everything is Reachable

TGSWS — JIGNESH DOSHI

TCEI Telangana Chamber of Events Industry (A Registered Non-Profit Organisation)

Emcee Komal Sharma

Beat Makers

Photography Partner — V VICTORY

RED AMBULANCES

Toys & Kales

Shri Govind Rathi

go rura

WINGZTECH STRUCTURES PVT LTD

RAMOJI FILM CITY

HPRC HYDERABAD POLO AND RIDING CLUB

DRS International School Strive to Surpass IB World School

Baheli Steel Traders

DIILTMT 550HD STEEL BARS

"LaBelina" de salon

PRIVATE EYE

MPL STEEL PIPES

CACHE GROUP

Rockraft

Agra Sweets BANJARA

unwrap

Jagdamba PEARLS & GEMS

DEEVYASHAKTI REALTY

Chintamani Parshwanath Infra Projects Pvt. Ltd.

JINDAL PANTHER TMT REBARS

KAMDHENU STEEL Ambica Iron & Steel (Hyd) Pvt. Ltd. Bahadurpura

KANAK ASSOCIATES Corporate and Investment Councels

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.